RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 227
फरीदाबाद, शनिवार, 26 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

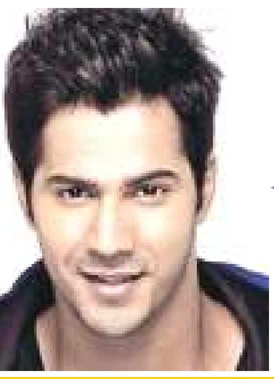

शूटिंग शुरू करने से पहले वरुण धवन ने कराई कोविड-19 जांच

फिल्मी -10

कोरोना मीटर

विश्व

कुल	32,284,038
मौतें	983,952
ठीक	22,268,309

भारत

कुल	58,60,553
मौतें	92,723
ठीक	47,94,655

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 37.02^0C
न्यूनतम 26.09^0C

क्विक न्यूज

आईपीएल: दिल्ली कैपिटल्स के तीन विकेट पर 175 रन

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में शुक्रवार को तीन विकेट पर 175 रन बनाए। दिल्ली की तरफ सलामी बल्लेबाज पृथ्वी सॉव ने सर्वाधिक 64 रन बनाए। चेन्नई के लिए पीयूष चावला ने दो और सैम कुरेन ने एक विकेट लिया।

● विस्तृत खबर पेज-11

मशहूर गायक एसपी बालासुब्रमण्यम का निधन

चेन्नई। 74 साल के सिंगर एसपी बालासुब्रमण्यम का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे कोरोना वायरस संक्रमण से जूझ रहे थे। कोरोना संक्रमण के कारण दोपहर एक बजे एसपी के फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया था। एसपी का पार्थिव शरीर देर शाम 6 बजे उनके घर पहुंचा। बालू का अंतिम संस्कार शनिवार को रेड हिल्स तमाराईपक्कम स्थित उनके फार्महाउस पर किया जाएगा।

'रिया भाई के जरिए सुशांत के लिए ड्रग्स मंगवाती थी'

मुंबई। बॉलीवुड में ड्रग्स की जांच कर रहे एनसीबी ने एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह से शुक्रवार को करीब 4 घंटे पूछताछ की। रकुल ने खुद ड्रग्स लेने से इनकार किया है। रकुलप्रीत ने बयान दिया कि रिया ही सुशांत के लिए अपने भाई शोविक से ड्रग्स का प्रबंध करवाती थी। एनसीबी ने शुक्रवार को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के डायरेक्टर क्षितिज रवि प्रसाद के घर छापा भी मारा, जहां से गांजा बरामद हुआ है।

वोडा ने 20 हजार करोड़ अदायगी का केस जीता

मुंबई। टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन ने 20 हजार करोड़ रुपये के टैक्स विवाद के मामले में भारत सरकार को हराकर केस जीत लिया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि उसे सिंगापुर के एक इंटरनेशनल कोर्ट में 12 हजार करोड़ रुपये के बकाए और 7,900 करोड़ के जुर्माने के मामले में जीत मिली है।

भाजपा के लिए गले की फांस न बन जाए अन्नदाता का आंदोलन

खबरदार सरकार ...किसान गोली खाने को तैयार

■ विपक्षी दल किसान मुद्दे पर केंद्र और भाजपा शासित राज्यों को घेरने की रणनीति में जुटे

पायनियर समाचार सेवा। पंजाब/चंडीगढ़

किसान विधेयकों को लेकर देशभर में शुक्रवार को किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब और हरियाणा में बंद का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। किसान सुबह सड़क और रेलवे ट्रैक पर बैठ गए, जगह-जगह चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन किया। पूरे दिन बाजार बंद रहा। दिल्ली बॉर्डर और पश्चिमी यूपी में किसान प्रदर्शन के लिए सड़कों पर तो निकले, लेकिन बंद का मिला जुला असर रहा। वे दोपहर बाद घर लौट गए। पंचकूला के पिंजौर में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी किसानों के धरने में शामिल हुए। इस दौरान चढ़ूनी ने दो टूक कहा कि या तो सरकार अपना फैसला वापस ले लें या फिर किसानों को गोली मरवा दे।

पंजाब के मानसा शहर में भारत बंद का व्यापक असर दिखाई दिया। सिर्फ सड़कें ही नहीं रेल की पटरियां तक किसानों के आक्रोश की गवाही दे रही हैं। पंजाब के अलग-अलग 31 किसान संगठनों ने शुक्रवार को बंद का आह्वान किया है। इसमें सबसे प्रमुख भारतीय किसान यूनियन (उग्राहां) जो इस आंदोलन का यहां नेतृत्व कर रही है। पंजाब के कई लोक कलाकारों ने भी किसानों का समर्थन किया है। जहां दलजीत दोसांज जैसे बड़े गायकों ने किसानों के समर्थन में सोशल मीडिया पर आवाज उठाई है। वहीं सिद्धू मूसेवाला जैसे गायक किसानों के समर्थन में सड़क तक उतर आए। किसानों को सिर्फ लेफ्ट पार्टियों का ही नहीं बल्कि अकाली दल जैसी राइट विंग पार्टियों का भी समर्थन मिल रहा है। पंजाब में भाजपा के अलावा अन्य सभी पार्टियों ने किसानों की मांगों का समर्थन किया है। पंजाब बिजली बोर्ड के कर्मचारी भी किसानों के समर्थन में आंदोलन में शामिल हुए हैं। पंजाब-सिरसा हाईवे पूरी तरह से जाम था। हजारों की संख्या में किसान यहां इकट्ठा हुए। इन किसानों को पंजाबी लोक कलाकारों का भी समर्थन मिला। अभी-अभी पंजाबी कलाकार सिद्धू मूसेवाला यहां किसानों के समर्थन के लिए पहुंचे थे।

किसानों के साथ विरोध प्रदर्शन में स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र यादव भी शामिल हुए। योगेंद्र यादव ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री कहते हैं कि हमारे दरवाजे किसानों के लिए हमेशा खुले हैं, लेकिन उन्होंने तो विधेयक लाकर पहले ही ताला लगा दिया। उन्होंने बिल को पास करने से पहले किसी किसान से बात नहीं की, यहां तक कि अपने सहयोगी अकाली दल और आरएसएस से जुड़े किसान संगठनों से भी बात नहीं की, लेकिन किसान जानता है कि सरकार का अहंकार कैसे तोड़ा जाता है। अब तो कानून बन गया, संसद का काम खत्म हो गया। अब सड़क का काम शुरू हो गया है, सड़क पर विरोध होगा और सरकार को घुटने पर लाएंगे। 27 सितंबर को हम इसको लेकर बैठक करने वाले हैं।

दिल्ली यूपी सीमा बॉर्डर पर भी सुबह से पुलिस की सरगर्मी देखी गई। कृषि बिल के विरोध में भारतीय किसान यूनियन की तरफ से यहां प्रदर्शन था। दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर नोएडा गेट के आगे दोनों सड़कों पर सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हुए। वे लगातार नारेबाजी कर रहे थे। इसे देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नोएडा के आसपास के इलाकों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर पांच सौ किसान मोदी सरकार मुर्दाबाद, किसान बिल वापिस लो..., जैसे नारे लगाते हुए पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों में शामिल एक युवक ने कहा कि हम किसानों ने मोदी सरकार को वोट दिया। सरकार बनवाई और अब यही मोदी सरकार किसानों को बर्बाद करने के लिए काम कर रही है। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान आंदोलन का असर हरियाणा और पंजाब जैसा नहीं था। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राकेश टिकैत के मुताबिक हरियाणा और पंजाब में किसान मंडियों पर निर्भर है, उस तरह यहां किसान मंडियों पर निर्भर नहीं है, क्योंकि इस इलाके में अधिकतर किसान गन्ने की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन यहां के किसान पंजाब और हरियाणा के किसानों के साथ है और किसानों के भारत बंद में हिस्सा ले रहे हैं। उनका कहना है कि इन विधेयकों के कानून बनने के बाद मंडी व्यवस्था कमजोर हो जाएगी और ये किसानों के हित में नहीं होगा।

एक बम जापान पर गिरा था, एक बम ने अब मोदी को हिला दिया

कृषि विधेयक के खिलाफ पंजाब में राजनीतिक तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा की सहयोगी पार्टी अकाली दल भी इस मुद्दे पर खुलकर विरोध में उतर आई है। शुक्रवार को पंजाब के मुक्तसर में शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कृषि विधेयक के विरोध में धरने में शामिल हुए। इस दौरान सुखबीर बादल ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान को एक परमाणु बम से हिला दिया था। अकाली दल के एक बम ने (हरसिमरत कौर बादल का इस्तीफा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिला दिया है। दो महीनों से कोई भी किसानों पर एक शब्द नहीं बोल रहा था, लेकिन अब पांच-पांच मंत्री इस पर बोल रहे हैं। बता दें कि पंजाब में केंद्र के तीन कृषि विधेयकों का किसान संगठन और भाजपा को छोड़कर सभी राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं। वहीं इन विधेयकों के विरोध में अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर बादल ने मोदी मंत्रिमंडल से अपना इस्तीफा दे दिया था।

कोलकाता में भी हुआ प्रदर्शन

टीएमसी के किसान विंग ने हाल में पारित कृषि कानूनों के खिलाफ कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया। टीएमसी नेता ने कहा कि यह एक कठोर कानून है, जो बिना किसी प्रक्रिया के मोदी सरकार द्वारा बलपूर्वक पारित किया गया है। मोदी सरकार आम लोगों के लिए नहीं है। उधर, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ये फासीवादी सोच के लोग हैं, लोकतंत्र में इनका विश्वास नहीं है, इसलिए तमाम वो काम कर रहे हैं, जिससे जनता का ध्यान हटाया जा सके। उन्होंने कहा कि 'विधेयकों में किए गए सारे प्रावधान किसान विरोधी हैं, मंडियां समाप्त हो जाएंगी और मुझे बहुत बड़ी बर्बादी के लक्षण दिख रहे हैं।

बर्खास्त पीटीआई का दुष्यंत से मिलने को लेकर हंगामा

पुलिस और पीटीआई के बीच धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज आंसू गैस के गोले दागे

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जहां एक तरफ नए तीन कृषि बिलों के कारण भाजपा-जजपा सरकार को किसानों के रोष का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ बर्खास्त पीटीआई शिक्षकों को संभालना सरकार के लिए मुश्किल होता जा रहा है। पीटीआई शिक्षक लगातार अपनी बहाली को लेकर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। शुक्रवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला दादरी में हटाए गए पीटीआई टीचरों की घेराबंदी से बाल-बाल बच गए, जब रेस्ट हाउस में उनकी घेराव करने की कोशिश की गई। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। घेराव रोकने के पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी और घेराबंदी कर रहे किसानों और पीटीआई टीचरों पर जमकर लाठियां बरसाई गई। इसके बाद भी जब पीटीआई अध्यापक तितर-बितर नहीं हुए, तो उन पर आंसू गैस के दर्जनों गोले दागे गए। हालात बिगड़ते देख दुष्यंत पुलिस की सुरक्षा के बीच रेस्ट हाउस से निकल गए। इस दौरान एक महिला पीटीआई अध्यापक बेहोश भी हो गई और कई मामूली चोटिल हो गए।

प्रदेश के अलावा कई जगहों पर पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक स्व. चौधरी देवीलाल जी की 107वीं जयंती मनाई गई। जयंती कार्यक्रम में भिवानी व दादरी जिलों में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शिरकत की। कार्यक्रम के बाद जब दुष्यंत रेस्ट हाउस पहुंचे तो बर्खास्त पीटीआई सैकड़ों की संख्या में दुष्यंत से मिलने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने सड़कों पर उतर पड़े। इस दौरान पुलिस ने अलग-अलग जगह बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन जब वे नहीं रुके तो पुलिस और पीटीआई के बीच धक्का-मुक्की हुई और पुलिस को उन्हें खदेड़ने के लिए जमकर लाठियां बरसाई। इस पर भी जब पीटीआई अध्यापक तितर-बितर नहीं हुए तो उन पर आंसू गैस के दर्जनों गोले दागे गए और उन्हें तितर-बितर किया गया।

राजस्थान में भी हुआ हिंसक प्रदर्शन

राजस्थान के डूंगरपुर में टीचर भर्ती में अनारक्षित पदों को आरक्षित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे जाम कर दिया। गाड़ियां और पेट्रोल पंप फूंके, सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिए। सिसोद से मोतलीमोड़ के बीच पांच किमी के एरिया पर 24 घंटे से प्रदर्शनकारियों का कब्जा है। भीड़ ने एक ट्रक कब्जे में ले लिया और उसमें बैठकर पुलिस बल पर भी हमला किया। बातचीत करने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को भी वापस लौटना पड़ा। गुरुवार को सैकड़ों लोगों के हाथ में पत्थर और लाठियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

प्रतापगढ़ के उप-जिलाधिकारी विनीत कुमार निलंबित

प्रतापगढ़ (यूपी)। प्रतापगढ़ के उप जिलाधिकारी विनीत कुमार उपाध्याय को शासन ने निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ यह कार्रवाई अनुशासनहीनता के आरोप में की गई है। प्रतापगढ़ में अतिरिक्त एसडीएम विनीत उपाध्याय अपने परिवार के साथ शुक्रवार सुबह धरने पर बैठ गए थे। अतिरिक्त एसडीएम ने डीएम समेत कई अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। डीएम समेत कई अफसरों ने विनीत उपाध्याय को समझाने की कोशिश की पर वे पीछे नहीं हटे। बता दें, वे डीएम और एडीएम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर धरने पर बैठे थे।

ईडी ने लंदन में यस बैंक के को-फाउंडर राणा कपूर का घर अटैच किया

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यस बैंक के को-फाउंडर राणा कपूर का लंदन स्थित फ्लैट जब्त कर लिया है। जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की है। इस फ्लैट की कीमत 127 करोड़ रुपये है। राणा कपूर, उनके परिवार और अन्य पर 4,300 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

राणा कपूर का यह फ्लैट लंदन के साउथ आउडली स्ट्रीट पर है। इसे उन्होंने 2017 में 93 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसका रजिस्ट्रेशन डॉयट क्रिएशंस जर्सी लिमिटेड के नाम है। राणा इसके बेनिफिशियल ऑनर हैं। बताया जा रहा है कि राणा का यह फ्लैट 5 बीएचके है। इसमें 2 लिविंग रूम और 3 बेडरूम हैं। इसके अलावा फ्लैट का फ्लोर एरिया 3,532 वर्ग फीट है। प्राइवेट पार्किंग भी है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, राणा कपूर इस प्रॉपर्टी को बेचने वाले थे। इसके लिए उसने एक प्रॉपर्टी कन्सल्टेंसी को भी हायर किया था। प्रॉपर्टी को कई वेबसाइट पर भी बिक्री के लिए लिस्ट किया गया है।

Alesia Buildtech Pvt. Ltd.
ADORE SAMRIDDHI
SECTOR 89, FARIDABAD, HARYANA

ADORE SAMRIDDHI SECTOR 89, FARIDABAD
adore NEW THINKING. NEW BEGINNING

List of defaulters who have not made payment till date in spite of reminder/notice issued to them after 15 days from the date of demand i.e 05-08-2020. The successful applicant may deposit their installment along with applicable interest on or before 13.10.2020, failing which their allotment shall be cancelled without any further notice and deduction as per policy along with interest due on delayed payment and GST paid till date shall be deducted and balance shall be refunded to the applicant upon submission of original document without any further claims.

List of Cancel Applicants (Detail of Application Numbers) 3BHK

Sr.No.	App No.	Unit No.	Sr.No.	App No.	Unit No.	Sr.No.	App No.	Unit No.	Sr.No.	App No.	Unit No.
1	1527	11-504	18	2023	10-1203	35	2392	15-902	52	2496	12-601
2	1576	9-203	19	2026	9-902	36	2395	13-801	53	2497	14-603
3	1696	10-202	20	2202	10-802	37	2396	12-1203	54	1557	15-401
4	1718	9-801	21	2277	9-1404	38	2398	14-804	55	1693	12-1204
5	1769	9-201	22	2829	10-603	39	2406	15-1202	56	1758	12-1103
6	1789	10-401	23	2841	9-802	40	2409	13-403	57	1776	12-804
7	1810	10-1102	24	2317	12-902	41	2413	15-104	58	1806	15-204
8	1811	9-1104	25	2331	15-904	42	2429	15-504	59	1807	13-204
9	1820	10-203	26	2332	14-401	43	2431	13-702	60	1808	13-404
10	1877	10-403	27	2343	15-701	44	2441	12-504	61	2503	13-302
11	1936	11-203	28	2354	15-1003	45	2442	13-903	62	2506	14-1001
12	1942	10-502	29	2355	15-1104	46	2449	12-202	63	2511	14-203
13	1953	11-1004	30	2357	14-1103	47	2456	15-404	64	2521	15-403
14	1966	10-501	31	2368	12-702	48	2462	15-102	65	2525	15-503
15	1985	9-503	32	2376	12-1003	49	2463	13-203	66	2526	14-702
16	2009	9-901	33	2384	12-602	50	2466	12-502			
17	2022	10-1103	34	2386	15-1204	51	2467	15-202			

List of Cancel Applicants (Detail of Application Numbers) 2BHK

Sr.No.	App No.	Unit No.	Sr.No.	App No.	Unit No.	Sr.No.	App No.	Unit No.	Sr.No.	App No.	Unit No.
1	1067	1-404	13	1852	4-4	25	2217	4-102	37	2805	2-1002
2	1192	4-204	14	1856	6-502	26	2223	3-301	38	2819	4-703
3	1466	2-103	15	2141	1-704	27	2224	4-103	39	2823	6-2
4	1500	6-803	16	2158	1-602	28	2229	3-703	40	2824	3-104
5	1502	6-301	17	2168	4-704	29	2244	1-303	41	2826	4-104
6	1671	1-904	18	2172	2-301	30	2245	3-201	42	2839	1-1201
7	1698	1-101	19	2184	6-503	31	2260	2-403	43	2847	6-902
8	1734	3-602	20	2190	6-203	32	2270	5-1004	44	2849	5-204
9	1764	6-1203	21	2194	5-4	33	2276	1-1002	45	2851	6-903
10	1772	1-201	22	2208	2-401	34	2281	5-603	46	2855	4-302
11	1829	2-204	23	2209	4-403	35	2284	5-1104	47	2865	2-702
12	1832	5-202	24	2212	1-801	36	2287	5-502	48	2877	2-201
									49	2879	3-202

1. All Payments should be made in favour of "Alesia Buildtech Pvt Ltd."
2. Please mention your Booking No., Name and Phone No. on the back of Cheque/Demand Draft.
3. All payment should be made at our Faridabad office - 1F-22-26, Ist Floor, Ozone Centre, Sector - 12, Faridabad - 121007.
4. In Case of any clarifications you may get in touch at 8101202020, or you can mail us at adore.crm@gmail.com
5. The above mentioned applicant can ignore this if they have already paid their dues, Subject to their intimation to company.

Alesia Buildtech Pvt. Ltd. 1F-22-26 Ozone Centre Sector-12 Faridabad-121007 (Haryana) Call: 8101202020

वीटा बूथों पर एक अक्टूबर से मिलेंगी ताजा सब्जियां और फल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में डेयरी क्षेत्र को और बढ़ावा देने तथा वीटा को उत्तर भारत में एक अग्रणी ब्रांड बनाने के लिए हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ लिमिटेड (एचडीडीसीएफ) ने अपने वितरकों, बूथ धारकों और डेयरी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए शुकवार को विभिन्न योजनाओं की घोषणा की है।

सहकारिता मंत्री बनवारी लाल ने बताया कि शनिवार को घोषित योजनाओं में वीटा मिल्क वितरकों के लिए प्रोत्साहन शामिल है। यह प्रोत्साहन 10 पैसे से 25 पैसे प्रति लीटर तक होगा और यह उन वितरकों को दिया जाएगा, जो औसत बिक्री से 5 से 15 प्रतिशत अधिक बिक्री के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य बिक्री में वृद्धि करना और कोरोना महामारी के कारण विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहे वितरकों को राहत प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि एक अन्य पहल करते हुए प्रसंघ ने वीटा बूथों पर ताजा सब्जियों और फलों की बिक्री की अनुमति दी है। ग्राहकों और बूथ मालिकों की लंबे समय से मांग को पूरा करते हुए ताजा सब्जियां और फल अब 1 अक्टूबर, 2020 से वीटा बूथों पर उपलब्ध होंगे। सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि यह पहल ओवरहॉलिंग रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वीटा बूथों पर ग्राहकों की संख्या में वृद्धि करना और लाभ को बढ़ाना है।

बूथ आवंटन में दिव्यांगों के लिए 15 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा

उन्होंने बताया कि महिला सशक्तीकरण पर अधिक बल देते हुए, हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ लिमिटेड ने बूथ आवंटन नीति में महिलाओं और युद्ध में शहादत प्राप्त सैनिकों की विधवाओं के लिए 15 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की है। इस पहल से महिलाओं को पर्याप्त अवसर प्रदान होंगे, जो राज्य सरकार की महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम साबित होगा। साथ ही, बूथ आवंटन में दिव्यांगों (सभी प्रकार की दिव्यांगता) के लिए 15 प्रतिशत और दुग्ध उत्पादकों के वार्ड के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि उक्त योजनाओं के साथ-साथ प्रसंघ अपने सदस्यों का विस्तार करने के लिए भी तैयार है।

प्रदेश में 3300 से अधिक दुग्ध सहकारी समितियां सक्रिय

वर्तमान में, हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ लिमिटेड 3300 से अधिक सक्रिय दुग्ध सहकारी समितियां हैं, जिनसे राज्य के 1 लाख डेयरी किसान जुड़े हुए हैं। प्रसंघ का लक्ष्य इस नेटवर्क का विस्तार करना है, जिसके लिए पहले ही आवेदन आमंत्रित किए जा चुके हैं। इस पहल से दूध की खरीद बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा डेयरी किसानों को कवर करने में मदद मिलेगी। हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ए. श्रीनिवास ने बताया कि प्रसंघ वीटा ब्रांड को और पहुंच दिलाने और बिक्री बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर भी काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि ग्राहक आने वाले महीनों में वीटा उत्पादों की उत्पाद रेंज, गुणवत्ता और पैकेजिंग में बदलाव देखेंगे।

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, शनिवार, 26 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

कोरोना की गंभीरता को समझते हुए सरकार उठाए ठोस कदम : गिरि

कोरोना की चपेट में आकर होने वाली मौत और मरीजों की संख्या को देखने के बाद भी लोग इसकी गंभीरता को समझने के लिए तैयार नहीं हैं। कोरोना किसी की उम्र, जाति, धर्म, अमीरी या गरीबी देखकर अपनी चपेट में नहीं लेता। साधन सम्पन्न होने के बावजूद यूपी के दो मंत्री और एक केंद्रीय मंत्री कोरोना के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह दुष्प्रचार है कि बुजुर्ग और पहले से अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित लोग ही कोरोना से मारे जा रहे हैं। सरकार को लोगों को कोरोना से बचाने के लिए सख्ती करनी होगी। ये कहना कि ट्रेड यूनियन एटक के वरिष्ठ नेता बेचू गिरी का। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और बेचू गिरि की बातचीत के अंश :-**

जीवन परिचय

नाम : बेचू गिरि
जन्मदिन : 17 जून 1952
पिता : स्वर्गीय शिवविलास गिरि
माता : स्वर्गीय लाचो देवी
पत्नी : समुंद्रा देवी
परिवार : बेटे बलराम व मिथलेश
शिक्षा : हाई सैकेंड्री - हाई सैकेंड्री स्कूल, डालमिया नगर
रूचि : मजदूर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करना

सवाल : शिक्षा के बाद आपने कॅरियर की शुरूआत कैसे की।

जवाब : शिक्षा के बाद वर्ष 1970 में मैने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। बदले में बच्चे हर शनिवार को थोड़े से चावल फीस के रूप में देते थे। वर्ष 1972 में बड़े भाई स्वर्गीय लाल बिहारी गिरि मुझे दिल्ली ले आए। उन्होंने सेक्टर-6 स्थित कंपनी में नौकरी दिलवा दी। लेकिन यह कंपनी 20 दिन बाद ही बंद हो गई। उसी दौरान मुझे रोजगार कार्यालय की मदद से बाटा कंपनी में नौकरी मिल गई। जहां से मैं वर्ष 2012 में रिटायर हुआ हूं।

सवाल: आपका झुकाव ट्रेड यूनियन की तरफ कैसे हुआ।

जवाब : डालमिया नगर में मजदूरों को गेट मीटिंग और नारेबाजी करते देख मेरा ट्रेड यूनियर से लगाव हुआ था। वैसे भी मजदूरों के हक की बात करना सम्माननीय कार्य है। वर्ष 1974 में बाटा कंपनी में काम करने के दौरान बाटा यूनियन को अच्छे कार्य करते देख मैं भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी में शामिल हो गया था।

सवाल : बाटा यूनियन में आप किन किन पदों पर रहे।

जवाब : वर्ष 1977 से 1980 तक वर्किंग कमेटी का सदस्य, 1983 से 1989 तक सचिव, वर्ष 1992 से 2012 तक, बीच में दो साल छोड़कर ऑल इंडिया बाटा यूनियन फेडरेशन का महासचिव रहा हूं।

सवाल : मजदूरों के उत्थान के लिए बनी किन-किन कमेटियों में आप शामिल रहे हैं।

जवाब : वर्ष 1984 में कामरेड दर्शन सिंह ने मुझे अपनी जगह ईएसआई लोकल कमेटी का सदस्य नियुक्त किया था। वर्ष 2009 से पीएफ रिजनल कमेटी सदस्य, 2011 से ईएसआई रिजनल बोर्ड सदस्य, वर्ष 2017 से राज्य अनुबंध श्रमिक सलाहकार बोर्ड का सदस्य और भारतीय श्रमिक शिक्षा सलाहकार बोर्ड का सदस्य हूं।

सवाल: मजदूरों के संघर्ष की कोई खास घटना आपकों याद आती है।

जवाब : मैं 17 अक्टूबर 1979 का फरीदाबाद बंद आंदोलन कभी नहीं भूलता। इस संघर्ष के दौरान कई मजदूर, पुलिस कर्मचारी और आम लोगों की गोली लगने से मौत हुई थी।

सवाल : कोरोनाकाल में मजदूरों को कैसी परेशानी आ रही है।

जवाब : परिवार के किसी भी सदस्य को कोरोना होने पर मजदूर को काम से छुट्टी दे दी जाती है। ऐसे मजदूरों को पीएफ से वेतन दिया जाना चाहिए। हमने यह बात मीटिंग में भी उठाई थी।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।

जवाब : मास्क के उपयोग के लिए सरकार को सख्ती करनी होगी। स्वच्छता के लिए शहर की घनी आवादी वाले इलाकों में नियमित जलापूर्ति करनी होगी। शहर के तमाम कारखाने और स्लम इलाके में व्यापक स्तर पर जांच शिविर लगाने होंगे। प्रशासन को ट्रेड यूनियन के नेताओं के साथ मीटिंग कर कोरोना से निपटने के लिए राय लेनी चाहिए।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।

जवाब : कोरोना विदेश से आई बीमारी है। इसलिए सरकार को पहले ही विदेश से आने वाले लोगों को घर भेजने से पहले क्वारेंटाइन करना चाहिए था। इसी वजह से बीमारी फैलती चली गई। मजदूरों के पलायन करने से बीमारी उनके साथ देश के कौने कौने में पहुंच गई।

संक्षिप्त समाचार

दॉ क्रिकेट गुरुकुल ने जीता मैच

फरीदाबाद। गांव भूपानी स्थित रावल क्रिकेट ग्राउंड में प्रथम एसकेजेसीए ओपी लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाईनल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें दॉ क्रिकेट गुरुकुल ने रावल क्रिकेट एकेडमी को 46 रनों से हराकर प्रथम एसकेजेसीए ओपन लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। मैच में दॉ क्रिकेट गुरुकुल ने सबसे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवरों में 5 विकेट खोकर 234 रन बनाए। दॉ गुरूकुल क्रिकेट एकेडमी की तरफ से सबसे अधिक रन 58 रन घनश्याम ने, अहान पोददार ने 46 और अनिकेत ने 40 रन बनाए। रावल किक्रेट एकेडमी के चन्दरपाल और प्रमोद चंदीला ने 2-2 और रवि बलहारा ने 1 विकेट लिया। रावल क्रिकेट एकेडमी की टीम निर्धारित स्कोर का पीछा करते हुए 38.4 ओवरों में 188 रन पर ऑल आऊट हो गई। रावल एकेडमी की तरफ से सर्वाधिक रन राहुल दलाल ने 89 व यतिन ने 16 बनाए। दॉ क्रिकेट गुरूकुल की तरफ से आकाशदीप भास्कर और हर्षवर्धन सिंह ने 2-2 और संदीप डागर ने 1 विकेट लिया। मैन ऑफ दा मैच घनश्याम उपाध्याय को चुना गया। विजेता दॉ गुरूकुल एकेडमी की टीम को आईपीएल और रणजी ट्राफी प्लेयर महेश रावत, स्लेजहैमर कम्पनी के एमडी प्रदीप मोहंती तथा जिला किक्रेट एसोसिएशन के महासचिव एवं कोच राजीव यादव ने ट्राफी प्रदान की। एम्पायर हेमंत शर्मा के निर्णय की दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खूब तारीफ की।

वेनी स्पोर्ट्स ने 31 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में वेनी स्पोर्ट्स क्लब ने सूर्या इलेवन को 31 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। वेनी स्पोर्ट्स क्लब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्यण लिया। वेनी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से बल्लेबाजी करंते हुए टीम ने 39.3 ओवर में 10 विकेट पर 229 रन बनाए टीम की और बल्लेबाजी करते हुए विक्रांत चौधरी ने 58 रन, आर्यन सिंह ने 35 रन और रोहन भाटी ने 23 रन बनाए। सूर्या इलेवन की ओर से गेंदबाजी करते हुए आनंद यादव ने 3 विकेट, संचित गोयल ने 2 विकेट, हर्ष चंदीला, मयंक चंदीला, कार्तिक चंदीला और पवन दलाल ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या इलेवन की टीम को 38.5 ओवर में 10 विकेट में 198 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए नवीन शर्मा ने 45 रन, मयंक चंदीला ने 30 रन, गौरव ने 28 रन बनाए। वेनी स्पोर्ट्स क्लब की और से गेंदबाजी करते हुए पार्थ ने 4 विकेट, पियूष श्रीवास्तव ने 3 विकेट, सागर पायला, कार्तिक ग्रोवर और आर्यन बैसोया ने 1-1 विकेट लिए। सन्नी एम्पायर (रविंद्र फागना क्रिकेट अकैडमी) के द्वारा पार्थ को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

सेक्टर-55 में लगाए 25 और पौधे

फरीदाबाद। सेक्टर 55 में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मकान नम्बर 1100 से 1200 की पॉकेट के बीच हनुमान पार्क में वहां के निवासियों ओंकार मल गैना, ईश्वर सिंह ढाका, विजय मिगलानी, कैप्टन बीएल यादव, नंदन सिंह रावत के साथ मिलकर फीवा महासचिव गुरमीत सिंह देओल ने वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत पार्क में 25 नये पौधे लगाए। जीवन में पर्यावरण के लिए पेड़ों के महत्व को बताते हुए सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की अपील की। उन्होंने हुड्डा विभाग एवं नगर निगम से भी अपील की है कि, सोहना रोड से गुड़गांव नहर तक सेक्टर 55 के ठीक आगे बनी हुई 100 फुट रोड के बीच वाले डिवाइडर पर लगभग 400 वृक्ष लगाए जा सकते हैं। जो पिछले 10 साल से विभाग ने नहीं लगाए हैं। हमारे जनप्रतिनिधि यदि उन्हें सरकार के संबंधित विभागों से प्राथमिकता के आधार पर ट्री गार्ड के साथ जल्द से जल्द लगवाए तो, सेक्टर 55 के सौंदर्य करण में चार चांद लग सकते हैं।

शहर का तापमान

- अधिकतम 35.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 25.05 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- डीसी कार्यालय में वेबिनार का आयोजन: शाम 7.30 बजे
- बीके चौक पर आशा वर्करों को धरना: सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना: सुबह 11 बजे
- कोरोना जांच और ओपीडी बीके में: सुबह 8 बजे

निवेश गुरु

प्रॉपर्टी

प्रॉपर्टी को भी ग्रोथ इन्वेस्टमेंट के विकल्प के तौर पर जाना जाता है क्योंकि घरों और दूसरी प्रॉपर्टी के दाम मीडियम और लॉन्ग टमर् पीरियड के दौरान कई बार तेजी से बढ़ते हैं। हालांकि, शेयरों की तरह ही प्रॉपर्टी की वैल्यू भी गिर सकती है और इसमें नुकसान का खता भी रहता है।

सीधे प्रॉपर्टी खरीदने के अलावा, प्रॉपटीज़ इन्वेस्टमेंट के जरिए भी निवेश किया जा सकता है।

यूटीलिटी न्यूज

निरवाना ने 9 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। छठें ऑल इंडिया रविन्द्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में निरवाना क्रिकेट अकादमी ने न्यू जनरेशन क्रिकेट अकादमी को 9 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। ये मैच न्यू जनरेशन क्रिकेट अकादमी और निरवाना क्रिकेट अकादमी के साथ खेला गया। न्यू जनरेशन क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्यण लिया। न्यू जनरेशन क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 17.1 ओवर में 10 विकेट पर 34 रन बनाए। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए नरेश कुमार ने 7 रन, चिराग सैनी ओर साहिल पाहुजा ने 5-5 रन बनाए।

क्विक न्यूज

मिशन जागृति ने शुरू किया डिजिटल क्रांति प्रोजेक्ट

फरीदाबाद। शहर की जानी मानी सामाजिक संस्था मिशन जागृति ने 3पिल्लर कंपनी के साथ मिलकर कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत डिजिटल क्रांति नाम का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट के मुख्य संयोजक विपिन शर्मा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के द्वारा मिशन जागृति के द्वारा 3पिल्लर के साथ मिल कर फ़रीदाबाद मे जरूरतमन्द बच्चो एवं बड़ो को डिजिटल मार्केटिंग सिखाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट मे 80 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिसमें इनको सहयोग देने के लिए संस्था से प्रभा सोलंकी, प्रीति विश्वकर्मा, कल्पना, मोहिनी के साथ, हिमांशु भट्ट और विपिन भारद्वाज साथ दे रहे है। सभी प्रतिभागियो को ग्रुप मे बांटा गया है जिसको अलग अलग ग्रुप मैनेजर देख रहे है। यह प्रोजेक्ट तीन महीने चलेगा। जिसकी क्लास प्रत्येक रविवार ऑनलाइन होंगी।

95 लाख खर्च, फिर भी इलाके की नरकीय हालत

ढाई महीने पहले कैबिनेट मंत्री ने किया था सफाई कार्य उद्घाटन

कंगाल नगर निगम

95 लाख रुपये खर्च करने के बावजूद स्थानीय निवासियों को जरा भी नहीं मिल पाई राहत

राजेश दास। फरीदाबाद

नगर निगम के अधिकारियों को प्रदेश मंत्रियों की भी परवाह नहीं है। प्रदेश के परिवहन मंत्री एवं बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा ने लोगों की परेशानी को दूर करने के लिए संजय कालोनी की 33 फुट रोड पर सीवर लाइन की सफाई के कार्य का करीब ढाई महीने उद्घाटन किया था। इस रोड के आसपास रहने वाले लोग लंबे समय से नरकीय जीवन जी रहे हैं लेकिन सीवर के सफाई के काम में 95 लाख रुपये खर्च करने के बावजूद स्थानीय निवासियों को जरा भी राहत नहीं मिल पाई है। इस सड़क का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा सीवर के गंदे पानी से डूबा हुआ है। हालांकि नगर निगम के ठेकेदार की सूपर सकर मशीनों ने यहां लंबे समय से डेरा डाला हुआ है, लेकिन ठेकेदार के कर्मचारी किस तरह से सीवर लाइन की सफाई कर रहे हैं, यह किसी को समझ नहीं आ रहा है। सड़क पर भरे गंदे पानी की वजह से लोगों को यहां से गुजरना तक मुश्किल हो गया है।

सीएम कोष से कार्य

नगर निगम द्वारा अनियोजित तरीके से विकास कार्य करवाए जाने की वजह से शहर के लोग सीवर जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। सबसे ज्यादा बुरी स्थिति एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र की है। यहां सीवर का गंदा पानी पाइप लाइनों में कम और सड़कों पर ज्यादा बहता है। लोगों की समस्या को देखते हुए कैबिनेट मंत्री मूलचंद संजय कालोनी की 33 फुट रोड से गुजरने वाली 72 इंच की सीवर पाइप लाइन की सफाई के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 95 लाख रुपये पास करवा कर लाए थे। यह पाइप लाइन बड़खल, एनआईटी और बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र से गुजरती है। फंड मिलने के बाद नगर निगम ने इस काम को ठेका जारी कर दिया था। गत 11 जुलाई को कैबिनेट मंत्री ने इस सीवर के काम का विधिवत रूप से उद्घाटन किया था। सीवर की सफाई के काम का उद्घाटन हुए करीब ढाई महीने का समय बीतने के बाद भी सफाई पूरी नहीं हो पाई है। हालांकि निगम के ठेकेदार ने करीब 15 दिन पहले ही अपनी सूपर सकर मशीन और अन्य उपकरणों से सीवर पाइप लाइन की सफाई काम शुरू कर दिया था।

समस्या बढ़ाने का काम

इनेलो की महिला जिलाध्यक्ष जगजीत कौर पन्नू का कहना है कि नगर निगम के अधिकारियों की कार्यशैली लोगों की समस्या कम करने की बजाए बढ़ाने वाली ज्यादा है। शहर की व्यस्त सड़कों में शामिल 33 फुट रोड से हर रोज लाखों लोग गुजरते है। ठेकेदार की लापरवाही से इस सड़क पर इन दिन नरकीय हालत हो चुकी है। लेकिन ठेकेदार और निगम के अधिकारियों को लोगों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है।

सफाई के नाम पर गंदगी

संजय कालोनी की 33 फुट रोड के आसपास रहने वाले लोग लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूंझ रहे हैं। सड़क के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का लेबल अन्य हिस्से के मुकाबले काफी डाउन है। इस हिस्से पर सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर बहता रहता है। बरसात आने पर यह पूरी सड़क ही पानी में डूब जाती है। पिछले करीब तीन महीने से यहां सीवर की सफाई का काम चलने के बावजूद सड़क पर गंदे पानी की मात्रा जरा भी कम नहीं हुई हैं। निगम के ठेकेदार द्वारा सफाई नाम पर और गंदगी फैलाई जा रही है। ठेकेदार द्वारा सीवर से निकलने वाली गंदगी को वहीं पर डाला जा रहा है। इस गंदगी को उठवा कर अन्य जगह भेजने की जरा भी जरूरत महसूस नहीं की जा रही है। इसके अलावा सीवर के गंदे पानी को अक्सर सड़क पर ही छोड़ दिया जाता है। जिसके कारण इन दिनों इस सड़क की हालत पहले से भी बदतर हो गई है। सड़क के दोनों तरफ रहने वाले हजारों लोगों को इस गंदगी के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सफाई का दिखावा

संजय कालोनी के 33 फुट रोड के इस हिस्से में हमेशा ही सीवर का गंदा पानी भरा रहता है। इस रोड के आसपास रहने वाले लोग पहले ही नरकीय हालत में जी रहे थे। रही सही कसर नगर निगम के ठेकेदार ने पूरी कर दी। सीवर की सफाई का काम कर रहे ठेकेदार के कर्मचारियों ने 33 फुट रोड पर पिछले करीब तीन महीने से सूपर सकर मशीन और अन्य उपकरणों के साथ डेरा डाला हुआ है। ठेकेदार द्वारा सफाई के नाम पर कई सीवर के मैनहॉल और सड़क पर तोड़फोड़ तक की गई है। दिनभर ठेकेदार की मशीन बंद पड़ी रहती है। शाम को व्यस्त समय के दौरान ठेकेदार के कर्मचारी दिखावे के लिए सीवर की सफाई करने के नाम पर पाइपों को सड़क पर बिछा देते हैं। व्यस्त समय के दौरान काम से घर लौटने वाले लोगों को इससे भारी परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि ठेकेदार पिछले तीन महीने में सीवर लाइन के इस हिस्से को साफ करनद्दे में कामयाब नहीं हुआ है। ऐसे में 72 इंच की पूरी पाइप लाइन को साफ करने में न जाने कितना समय लगा देगा।

फोटो : राजेश पुंजानी

महिला कल्याण में अहम भूमिका निभा रही वूमेन्स पॉवर

महिलाओं को सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में समझाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मासिक धर्म पर दूर करें अज्ञान, नारी शक्ति का करें सम्मान इन पंक्तियों को चरितार्थ किया वुमेन्स पॉवर की टीम ने। जिन्होंने महिलाओं और लड़कियों की महामारी से संबंधित परेशानियों को समझा और हर महीने फ्री सैनिटरी पैड्स बांटने का अभियान शुरू किया। इस कार्यक्रम में जिला सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता व मंगलेश कुमार चौबे सीजेएम डालसा फरीदाबाद के निर्देशानुसार अर्चना गोयल व पैनल एडवोकेट मनमीत कौर ने भी भाग लिया। उन्होंने महिलाओं को सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में समझाया। समय-समय पर अपने हाथ धोते रहने के महत्व को भी समझाया, साथ ही जिला जेल में कैदियों द्वारा बनाए गए मास्क मुफ्त में वितरित किए। उन्होंने वुमेन्स पॉवर की टीम के द्वारा किए जाने वाले कार्यों की भी उन्होंने सराहना की।

वूमेन्स पावर की टीम ने महिलाओं और लड़कियों की द्वारा फ्री सैनिटरी पैड्स बांटने का अभियान सेक्टर 24, मुजेसर स्लम एरिया से गत 23 जुलाई से शुरू कर दिया था। जिसमें वूमेन्स पॉवर की टीम ने पहले 50 परिवारों को सैनिटरी पैड्स उपलब्ध कराए थे। 24 सितंबर की शाम को टीम ने 10 और परिवारों को उस में जोड़ दिया। करीब 60 परिवारों को फ्री सैनिटरी पैड्स उपलब्ध कराए। इस बारे में वूमेन्स पॉवर संस्था की प्रेसीडेंट चांदनी आजाद अली ने बताया कि यह टीम का परमानेंट प्रोजेक्ट है, जिसमें वह हर महीने कम से कम 50 परिवारों को सैनिटरी पैड्स उपलब्ध कराएंगे। कोशिश करेंगे कि हर महीने करीब 10 परिवार इसमें नए ऐड हम कर दें। वाइस प्रेसिडेंट सुनीता रानी ने बताया कि अभी कोविड-19 के वजह से हम लोग ज्यादा बाहर नहीं जा पा रहे हैं जैसे ही कोविड-19 का असर कम होगा धीरे-धीरे हम आसपास के गांवों में सरकारी स्कूलों में जाकर भी सैनिटरी पैड्स फ्री में बाटेंगे। इसके अलावा और अलग-अलग एरिया में जाकर भी हम महिलाओं और लड़कियों को फ्री में सेनेटरी पैड उपलब्ध कराएंगे। *Women's Power* की सचिव रूपा बरनवाल और उप सचिव शकुन तोमर ने भी सैनिटरी पैड्स अभियान के बारे में कहा कि उनकी टीम का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा महिलाओं और लड़कियों को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराना है और इसका इस्तेमाल ना करने से होने वाली परेशानियों और समस्याओं से अवगत कराना है। इस प्रोग्राम में प्रेसीडेंट चांदनी आजाद अली, वाइस प्रेसीडेंट सुनीता रानी, उपसचिव शकुन तोमर, कोषाध्यक्ष सुमन भार्गव, इनके अलावा किरण सोनी, निशा, सरिता साजवान, रेनू शर्मा, दीपा ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया।

गुमशुदा की तलाश

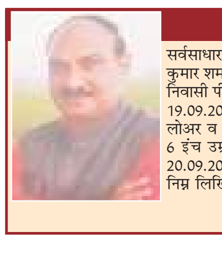

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुकद्दमा उपरोक्त में गुमशुदा विवेक कुमार शर्मा निवासी मकान न. 20, गली न. 02 श्याम कालोनी बल्लभगढ हाल निवासी पी6-1ए एसआरएस Pearl Floor Sec-87 फरीदाबाद दिनांक 19.09.2020 से अपने घर से लापता है। जिसका हुलिया ग्रे-टीशर्ट व काला लोअर व पैरो में चप्पल पहने हुए है रंग गेहुंआ, हष्ट-पुष्ट शरीर कद 5 फिट 6 इंच उम्र 41 वर्ष घर से बिना बताए लापता है। मुकद्दमा न. 131 दिनांक 20.09.2020 धारा 346 आईपीसी थाना भुपानी फरीदाबाद। सूचना मिलने पर निम्न लिखित पते व नम्बरों पर सूचित करें।

प्रबन्धक थाना - 9582200124
एचसी प्रमोद कुमार - 9711400020

स्लेजहैमर समूह की एक और बड़ी पहल

फ्री एम्बुलेंस सेवा

इस सेवा का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय लोगों को दिया जा रहा है।

जरूरतमंद फ्री एम्बुलेंस के लिए फोन करें।

9899885190
9899882050

SledgeHammer | Sledgehammer Cricket Academy | पायनियर

पायनियर
हरियाणा, शनिवार, 26 सितंबर, 2020

घरों से कूड़ा उठाने के नाम पर ईकोग्रीन कर रही मनमानी वसूली

फरीदाबाद और गुरूग्राम के बीच ईकोग्रीन के रेट में अंतर

लापरवाही

फरीदाबाद ईकोग्रीन ने डीजल का हवाला देकर की दाम में बढ़ोत्तरी

कविता । फरीदाबाद

शहर को कूड़े और कचरे के ढेर में तब्दील करने वाली ईकोग्रीन कंपनी ने अब लोगों से मनमानी वसूली करनी शुरू कर दी। इस कंपनी ने घरों से कूड़ा उठाने का शुल्क गुरूग्राम से भी ज्यादा बढ़ा दिए है। वहीं कंपनी के कर्मचारी शहर के अलग अलग इलाकों में घरों और संस्थानों से कूड़ा उठाने का अलग अनग शुल्क वसूला जा रहा है। शुल्क दर के लिए कंपनी डीजल के दाम बढ़ने को जिम्मेदार ठहरा रही है। जबकि कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों डीजल की बजाए सीएनसी से चल रही है। लोगों से मिल रही शिकायतों पर पायनियर द्वारा पड़ताल करने पर इस बात का खुलासा हुआ। कंपनी के लैंडलाइन पर फोन करने पर महिला कर्मी ने खुद तो कुछ स्पष्ट नहीं किया बल्कि संबंधित अधिकारी का नंबर भी उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया।

कचरा सेम, रेट बढ़ा

कपड़ा कालोनी निवासी दीपक ने बताया कि उनके घर से ईकोग्रीन कर्मी ने एक बार फिर कचरा उठाने का शुल्क बढ़ा हुआ बताकर अधिक पैसे वसूले हैं। जब उन्होंने पड़ोसी से बात शेयर की, तो पता चला कि उनके पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति से पुराना शुल्क ही वसूला गया है। इसकी शिकायत के लिए उन्होंने फोन किया तो किसी तरह की सुनवाई करने के बजाय कस्टमर केयर की तरफ से उन्हें कहा गया कि फरीदाबाद बहुत बड़ा है, ऐसे में हर एरिये से कचरे का शुल्क अलग-अलग वसूला जा रहा है।

वसूले 50 रुपये

एनएच-दो में 60-60 गज के मकान में रहने वालों से ईकोग्रीन कर्मी जहां पहले 30 रुपये वसूल रहे थे। वहीं अब ईकोग्रीन की तरफ से 50 रुपये का चार्ज अनलॉक में यह कहकर वसूला जा रहा है कि डीजल के रेट में बढ़ोत्तरी हुई है। लोगों के विरोध करने पर कर्मचारी कचरा घरों से नहीं उठाते, ऐसे में मजबूरन लोगों को 50 रुपये हर महीने देने पड़ रहे हैं।

करोड़ों का फायदा

ईकोग्रीन कंपनी द्वारा लगातार घरों से कचरा उठाने के नाम पर लोगों से की जा रही अतिरिक्त वसूली की सूचनाएं मिलने के बाद भी नगर निगम द्वारा किसी तरह का कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। नगर निगम द्वारा बरती जा रही लापरवाही के कारण ईको ग्रीन को करोड़ों को फायदा पहुंच रहा है। वहीं दूसरी तरफ ईकोग्रीन कर्मचारियों की मनमानी के कारण स्मार्ट सिटी नरक सिटी में तब्दील हो रही है।

कोरोना से एक मौत, 221 पॉजिटिव से आंकड़ा 18,926

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शुक्रवार को कोरोना के 221 मामलों की पुष्टि की गई। जिससे जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा 18,926 पर पहुंच गया। वहीं कोरोना पॉजिटिव एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 212 पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटे में राहत की बात यह रही कि 253 मरीजों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 90.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

डबुआ कालोनी निवासी 52 वर्षीय एक कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त था। वहीं 221 पॉजिटिव में अशोका इंक्लेव, दिपावली इंक्लेव, पटेल चौक, सेक्टर-15, 16, 3, 46 और अन्य एरियों से 4-4 मरीज है। सेक्टर-34, 49, 14, 11, 41, 35, 9, 19, 31, 21, 10, 37, दयालपुर, अमरनगर, पर्वतीया कालोनी, एनएच-तीन, भूड कालोनी, विजय नगर, सूर्या नगर, भगत सिंह कालोनी, मोहना, शिवदुर्गा बिहार, दयालबाग, सैनिक कालोनी, सराय ख्वाजा, शास्त्री कालोनी, से 3-3 मरीज है। सराय, सेक्टर-33, 7, 8, 17, सारन, एनएच-पांच, तिलपत, ग्रीन फिल्ड, जीवन नगर, विष्णु कालोनी, चावला कालोनी, श्याम कालोनी, सराय, एसी नगर, भाटा कालोनी, डबुआ, एनएच-चार, दयालबाग कालोनी, राजीव नगर, आजाद नगर, प्रहलादपुर, महावीर मंदिर, एसजीएम नगर, सिही, ईसमाइलपुर, सेक्टर-20, 3, 18, 88, 87, 89, अजरौंदा, सरस्वती कालोनी, घरौड़ा, कौराली, ऊंचा गांव, सेहतपुर, खेड़ी कला, बसेलवा कालोनी, भारत कालोनी, रोशन नगर, जमाई कालोनी, नवादा से 2-2 मरीज है। एनएच-एक से 5, जवाहर कालोनी, बल्लभगढ़ से 6-6 मरीज है। मिल्हार्ड कालोनी, हनुमान नगर, इंदिरा कॉम्प्लेक्स, ऑटोपिन झुग्गी, शिव कालोनी, सुंदर कालोनी, खत्रीवाड़ा, अलीपुर से 1-1 मरीज है। सेक्टर-23 से 7 मरीज है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल सैम्पल	191332
अब तक पॉजिटिव आए	18926
अब तक नेगेटिव आए	172099
रिपोर्ट आनी है शेष	307
अब तक कुल मौत	212
गंभीर हालत में भर्ती	43
वेंटिलेटर पर भर्ती	7

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर युवा समाजसेवी व भाजपा कार्यकर्ता गोल्डी बरेजा ने वार्ड-34 के विभिन्न इलाकों में अपनी टीम के साथ मिलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर लोगों को उनके विचारों से अवगत कराते हुए गोल्डी बरेजा ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय जैसे दर्शन के प्रणेता थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। वह एक संगठित देश की कल्पना करते थे। वे चाहते थे कि देश के गरीब, दलित व पिछड़े वर्ग को उसका अधिकार मिले तथा हिंदुस्तान एक विश्व शक्ति के रूप में उभर कर सामने आए। गोल्डी बरेजा ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन को वैचारिक दिशा देने वाले पुरोधा थे। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की तत्कालीन राजनीति और समाज को उस दिशा में मुड़ने की सलाह दी है, जो सौ फीसदी भारतीय है।

संक्षिप्त समाचार

बीके अस्पताल पैनल बाक्स में लगी आग

फरीदाबाद। बादशाह खान सिविल अस्पताल के प्रथम तल पर मौजूद बच्चों की नर्सरी के बाहर लगे पैनल बॉक्स में आग लग गई। जब तक अस्पताल की फायर सेफ्टी ने आग बुझाने का प्रयास किया, तब तक बॉक्स आग से पूरा जल चुका था। वहीं फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक आग बुझ चुकी थी। मौका मुआयना करने के बाद फायर बिग्रेड कर्मी वापस लौट गए। वहीं लोगों को कर्मचारियों ने बाहर निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक बच्चों की नर्सरी के बाहर जन्म प्रमाण पत्र और नर्सरी का डाटा अपडेट करने के लिए कम्प्युटर कक्ष बना हुआ है। उसी के साथ स्टाफ के बैठने का भी स्थान है। कम्प्युटरों के पास ही एक एमसीबी बॉक्स लगा हुआ है। जिसमें देर शाम आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि ओपीडी के ऊपर से धुआ खिड़कियों के रास्ते बाहर निकल रहा था। आग और धुएं को देखकर मौके पर भीड़ लगनी शुरू हो गई। जिस पर अस्पताल के फायर सेफ्टी कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

कैंसर की रोकथाम को जागरूकता जरूरी

फरीदाबाद। कैंसर एक घातक बीमारी है। जिसकी रोकथाम के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ जन-जागरूकता अभियानों को चलाया जाना बेहद जरूरी है। यह विचार उपायुक्त यशपाल ने सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक पंकज बागा द्वारा उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में इस संबंध में उनसे की मुलाकात में विचार विमर्श करते हुए कहे। उपायुक्त ने कहा कि कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य संगठन, संस्थाओं एवं इकाइयों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए ताकि जन जागरूकता अभियान के माध्यम से आमजन को इस बारे जागरूक किया जा सके। सरकोमा कैंसर केयर फाउंडेशन के निदेशक पंकज बागा ने उपायुक्त को इस बारे बताया कि कल 26 सितम्बर शनिवार शाम 07.30 बजे देश-विदेश के जाने-माने कैंसर चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के साथ मिलकर एक वेबनार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे कैंसर से बचाव के लिये इजाद की गई नई प्रोटोन थैरेपी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बारे सम्बंधित व्यक्ति 83689-65522 पर अपना समय रहते रजिस्ट्रेशन करवा कर इस वेबनार के माध्यम से कैंसर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी का लाभ ले सकते हैं।

मंत्री ने मनाई पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती

बल्लबगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के सेक्टर-8 कार्यालय पर भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती सादगी के साथ मनाई गई। इस मौके पर परिवहन मंत्री के भाई एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता टिपर चंद शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ने कहा कि अपने जीवन के 51 वर्षों में पंडित उपाध्याय ने भारत देश को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उनका जीवन बचपन से ही संघर्षशील रहा था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपनी बीएससी पढ़ाई को करने के बाद भारतीय सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन देश की जन सेवा करने का निर्णय ले चुके पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय सिविल सेवा को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पद चिन्हों पर पर ही आज भारतीय जनता पार्टी को देश की सेवा करने का मौका मिल रहा है।

न्यायालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। जिला न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला बार एसोसिएशन, जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 62 रक्तवीर ने रकतदान कर मानवता का संदेश दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ डालसा सचिव मगेशलेश चौबे, प्रधान संजीव चौधरी, सचिव नरेंद्र पाराशर, रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार, ब्लड कोऑर्डिनेटर विमल खंडेलवाल ने लोगों का उत्साह वर्धन वर्धन कर किया। सचिव मगेशलेश चौबे ने बताया कि इस नेक कार्य मे जिला बार एसोसिएशन, रेडकॉस सोसाइटी के तत्वाधान में सफल आयोजन के लिए में सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं, और अन्य समाज के सामाजिक संस्थाओं से भी आग्रह करता हूं कि इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। जिला बार के प्रधान संजीव चौधरी ने कहा कि यह बहुत पुनीत कार्य है।

ताऊ देवीलाल किसानों के दिलों में बसते हैं : भाटी

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

ओम एंकलेव के शनि मंदिर के प्रागण में तिगांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व जजपा नेता उमेश भाटी ने रेखा चौहान द्वारा आयोजित भारत के भूतपूर्व उप-प्रधानमंत्री, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा निर्माता, किसानों-कमेरों के मसीहा, युगपुरुष व हमारे आदर्श जननायक चौधरी देवीलाल के 107 वें जन्मदिवस पर पौधा रोपण किया। इस मौके पर उमेश भाटी ने कहा की जननायक देवीलाल करोड़ों लोगों के दिलों में आज भी बसते है, वह एकमात्र नेता थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री का पद त्याग दिया था। किसानो के मसीहा कहे जाने वाले देवीलाल हमेशा किसानो के दु:ख दर्द के साथ उनको होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते थे। भाटी ने कहा की युग पुरुष देवीलाल ने उप प्रधानमंत्री के पद की सुशोभित किया, लेकिन कभी भी अपनी संस्कृति और अपने किसानो के पहनावे को नही छोड़ा हमेशा ज़मीनी स्तर पर काम किया तथा क़मेरे और किसानो की आवाज़ की कभी दबने नही दिया। भाटी ने कहा की जजपा पार्टी देवीलाल की नीतियो को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है तथा भाई दुष्यंत चौटाला उप मुख्य मंत्री हरियाणा सरकार ताऊ की तरह किसानो और कमेरों के दु:ख दर्द को दूर करने के लिये दिन रात महनत कर रहे है।

केंद्रीय मंत्री राय ने पत्रकारों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मजबूत कानून बनाने की बात कही

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से चर्चा करके पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मजबूत कानून बनाने की बात कही। उन्होंने वर्किंग जर्नलिस्ट आफ इंडिया के प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकारों को पत्र लिखेंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह भरोसा अपने दफ्तर में वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया संबंधित भारतीय मजदूर संघ के उच्च प्रतिनिधि मंडल को दिया।

ये जानकारी वर्किंग जर्नलिस्ट आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप चौधरी और महासचिव नरेंद्र भंडारी ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार के गृह राज मंत्री नित्यानंद राय को ज्ञापन दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप चौधरी, माह सचिव नरेंद्र भंडारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय और उपााध्यक्ष विजय तोगा शामिल थे। ज्ञापन का मुख्य विषय देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने, मीडिया को संविधान में लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ घोषित करवाने व मीडियाकर्मियों को भी कोरोना योद्धा घोषित करने की मांगें प्रमुख थीं। यूनियन ने यह भी मांग कि की मीडिया को संविधान में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का दर्जा दिया जाए। देश मे लोकतंत्र को मजबूत रखना है, तो सबसे पहले मीडिया को मजबूत करना होगा। सारे देश मे कोरोना वायरस की महामारी फैली हुई है। इस महामारी से रोजाना करीब एक हज़ार, नागरिको की मृत्यु हो रही है। लेकिन इस महामारी व संभावित मृत्यु से बेख़ौफ़, हमारे मीडियाकर्मी साथी दिनरात अपने कार्यों व जिम्मेदारियों को अंजाम दे रहे है। मीडियाकर्मी, जहां सरकारी कमियों को उजागर कर रहे है, वही सरकारी योजनाओं को भी आम लोगो तक पहुंचा रहे है। इन सब कार्यो को अंजाम देते हुए, हमारे दर्जनों साथी कोरोना वायरस का शिकार होकर शहीद हो गए है। हमलोग लगातार सरकार से मांग कर रहे है कि मीडियाकर्मियों को भी कोरोना योद्धा घोषित किया जाए, ताकि यदि कोई भी मीडियाकर्मी, इस महामारी का शिकार होकर, शहीद होता है, तो उसके परिवार के सदस्यों को वे सभी सुविधाएं मिल सके, जो अन्य कोरोना योद्धाओं के परिवार वालों को मिल रही है।

किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के 'भारत बंद' के आवाहन पर किसान संघर्ष समिति नहरपार फरीदाबाद द्वारा जिला उपायुक्त कार्यालय फरीदाबाद के समक्ष सयोजक सत्यपाल नरवत के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम से एसडीएम फरीदाबाद को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में किसानो ने केंद्र सरकार द्वारा लाये गये तीनो बिलो को किसान विरोधी बताया गया और जल्द बजी में लोकसभा व राज्यसभा में पास करके बगैर किसी चर्चा के तानाशाही दिखाई है। हरियाणा में कुरुक्षेत्र में पुलिस द्वारा की गई लाठी चार्ज की निंदा की गई है।

विदेशी विद्यार्थी 15 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए विदेशी राष्ट्र की श्रेणी में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 15 अक्तूबर तक बढ़ाने का निर्णय किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अंतर्राष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी राष्ट्र के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान, इंजीनियरिंग, पत्रकारिता और प्रबंधन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की पेशकश की गई है,

सेना में जाने वाले युवाओं का बढ़ाया उत्साह

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड युवाओं के विशेष आग्रह पर पन्हैडा गांव में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पहुंचे। सत्यवीर धनखड ने बताया कि फरीदाबाद जिले के ग्रामीण युवाओं में खेल के प्रति बहुत जुनून है। जिले के युवा गावों में बने खेल परिसर में नियमित अथक अभ्यास कर भारतीय सेना में जाने की तैयारी कर रहे हैं और जिन गांवों में खेल परिसर नहीं है उन गांव के युवा सड़क पर ही अभ्यास कर रहे हैं। पन्हैडा स्थित जेसीएम इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक और युवा समाजसेवी राजवीर शर्मा ने भी युवाओं में जोश भरा और जीवन में नशे से दूर रहने का संदेश दिया और कहा कि आने वाले समय में खिलाड़ियों और सेना की भर्ती देखने वाले युवाओं के लिए समय-समय पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराते रहेंगे जिससे युवाओं का जोश बराबर बना रहे।

स्थापित किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय संदर्भ अनुभाग

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुरस्तकालय में अंत्योदय व एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन और रचनाओं का एक संदर्भ अनुभाग स्थापित किया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय केन्द्रीय पुस्तकालय में संदर्भ अनुभाग का शुभारंभ किया तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी 104वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन एवं पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. आशुतोष दीक्षित, लाइब्रेरियन युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी भी उपस्थित रहे तथा पंडित उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मास्क बांट कर मनाई ताऊ देवीलाल की जयंती

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

पूर्व उप-प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती पर इनेलो जिलाध्यक्ष देवेन्द्र चौहान ने इनेलो कार्यकताओं के साथ मिलकर सेक्टर-12 टाउन पार्क स्थित उनकी विशाल प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें पुष्पांजलि दी। इसके पश्चात पुलिस कर्मियों को कोरोना से बचाने के लिए सेक्टर-12 थाने और बल्लभगढ़ सिटी थाने में लगभग 2000 मास्क बांटे गए। इसके बाद इनेलो कार्यकताओं ने एनएच-2 स्थित ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को फल व मास्क वितरित किए। इस अवसर पर इनेलो जिलाध्यक्ष देवेन्द्र चौहान ने कहा कि चौ. देवीलाल ने सन 1977 से 1979 तथा 1987 से 1989 तक हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से पूरे देश को एक नई राह दिखाई। इन्हीं नीतियों को बाद में अन्य राज्यों व केन्द्र ने भी अपनाया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कल्पना करना मुश्किल है कि भारत में ऐसा कोई नेता रहा है जो बहुमत से संसदीय दल का नेता मान लिए जाने के बाद भी अपनी जगह किसी दूसरे शख्स को प्रधानमंत्री बना देता हो। इस मौके पर रूपचन्द लांबा, इनेलो महिला जिलाध्यक्ष कुमारी जगजीत कौर पन्नू, देवेन्द्र तेवतिया, जोधसिंह वालिया, बोधराज भनकपुर, अजय भड़ाना, धारा सिंह, रामशरण रूटैला, सुरेश चन्द्र मोर, रियासुददीन, राजबाला शर्मा, सावित्री तंवर, धर्मपाल सिंह दलाल, संजय तंवर, डॉ.प्रताप, जितेन्द्र लांबा, सरदार कुलदीप सिंह, ओमदत्त नागर, धर्मबीर पृथला, जगदीश पहलवान व प्रसादी लाल मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति को सफल बनाने का जिम्मा अध्यापकों को सौंपा

वर्तमान नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर है आधारित

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा के मार्गदर्शन में नई शिक्षा नीति के संदर्भ में एसएमसी अर्थात विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान दिलीप कुमार, अन्य सदस्यों ललिता, पूनम, अमृत कौर, कविता, गीता, संजय मिश्रा, प्रेमदेव, सूबे सिंह सहित का स्वागत किया और नई शिक्षा नीति पर अपने सुझाव और विचार रखने के लिए आमंत्रित किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिलीप कुमार तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अध्यापकों ने नई शिक्षा नीति की विशेषताओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वर्तमान नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत वर्ष 2030 तक सकल नामांकन अनुपात को 100 प्रतिशत लाने का लक्ष्य रखा गया है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से शिक्षा क्षेत्र पर जीडीपी के 6 प्रतिशत हिस्से के सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य रखा गया है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि नई शिक्षा नीति में 5 + 3 + 3 + 4 डिजाइन वाले शैक्षणिक संरचना का प्रस्ताव किया गया है जो 3 से 18 वर्ष की आयु वाले बच्चों को शामिल करता है। पांच वर्ष की फाउंडेशनल स्टेज 3 साल का प्री-प्राइमरी स्कूल और ग्रेड 1, 2 एवम् तीन वर्ष का प्रीपेट्ररी स्टेज तीन वर्ष का मध्य या उच्च प्राथमिक चरण - ग्रेड 6, 7, 8 और 4 वर्ष का उच्च या माध्यमिक चरण - ग्रेड नेप 2020 द्वारा 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि इसके द्वारा वर्ष 2025 तक कक्षा-3 स्तर तक के बच्चों के लिये आधारभूत कौशल सुनिश्चित किया जाएगा। नई शिक्षा नीति में भाषाई विविधता का संरक्षण भी किया गया है तथा कक्षा-5 तक की शिक्षा में मातृभाषा या स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को अध्ययन के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है। साथ ही इस नीति में मातृभाषा को कक्षा-8 और आगे की शिक्षा के लिये प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है। स्कूली और उच्च शिक्षा में छात्रों के लिये संस्कृत और अन्य प्राचीन भारतीय भाषाओं का विकल्प उपलब्ध होगा परंतु किसी भी छात्र पर भाषा के चुनाव की कोई बाध्यता नहीं होगी। प्राचार्य ने विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया तथा सभी से आग्रह किया कि प्रधान मंत्री के आह्वान पर सभी नई शिक्षा नीति को सफल बनाने की दिशा में मिलकर आगे बढ़ कर कार्य करें।

JOTINDRA STEEL AND TUBES LTD.
14/3, Mathura Rd. Sec-45, Faridabad-121010, Haryana

NOTICE

The undersigned promoter informs to the allottees of the Shree Homes-Phase-I, a group housing project, which is registered with RERA, Haryana vide registration no. HRERA-PKL-FBD-112-2019 that 2.33 acres of land out of total land of 6.081 acre approved and registered under the Haryana Affordable Policy, 2013 is mortgaged with M/s Kotak Mahindra Bank under business loan sanctioned vide sanction Letter No. 661369 dated 23 rd February, 2017 which was be returned in equal monthly instalment of 60 months. The promoter is regularly making the payment to the M/s Kotak Mahindra Bank and only sum of Rs.3.70 crores is outstanding against the total loan amount of Rs.6.80 crores. The promoter hereby assures and undertakes to the allottees of the above group housing project that the entire loan secured from M/s Kotak Mahindra Bank shall be paid before the execution of the transfer/conveyance deed of the Apartment in terms of Section 17 of the Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016.

Place: Faridabad
Date: 26.09.2020

Satish Kr. Gupta
C.F.O

चांदनी चौक दिल्ली की तर्ज पर सदर बाजार गुरुग्राम बनेगा वॉक-वे

विधायक, मेयर निगम आयुक्त के समक्ष पेश किया पायलट प्रोजेक्ट

सुशांत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने तैयार किया है प्रोजेक्ट

अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में होगा लागू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्थानीय सदर बाजार को वाहन मुक्त करके वॉक-वे बनाने के लिए यहां विधायक सुधीर सिंगला की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंथन किया। सुशांत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से तैयार किया गया पायलट प्रोजेक्ट यहां पर प्रस्तुत किया गया। जिसे विचार के लिए रखा गया है।

गुरुग्राम के सदर बाजार को वाहन मुक्त करके वॉक-वे बनाने को लेकर बैठक करते विधायक सुधीर सिंगला, मेयर व अधिकारी।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि दिल्ली के चांदनी चौक की तर्ज पर गुरुग्राम के सदर बाजार को वाहन मुक्त करके वॉक-वे बनाया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर तो शुरुआत में डाकखाना चौक से जामा मस्जिद तक के बाजार को योजना में शामिल किया है। प्रोजेक्ट सफल रहा तो फिर इसे बाजार के अन्य रास्तों पर भी लागू किया जाएगा। क्योंकि बाजार की अन्य गलियां बहुत संकरी हैं। वहां पर दोपहिया वाहन भी अगर कोई ले जाता है तो जाम लग जाता है। उन्होंने कहा कि मेयर मधु आजाद, निगमायुक्त विनय प्रताप सिंह के साथ हुई बैठक में सदर बाजार के व्यापारियों को भी आमंत्रित किया था। सभी के समक्ष विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। व्यापारियों के विचार भी मांग रए हैं। विधायक सुधीर सिंगला के मुताबिक अब इस क्षेत्र से वाहनों को पार्क करने की समस्या भी खत्म हो जाएगी। क्योंकि कमान सराय व ओल्ड रेलवे रोड पर सदर बाजार के ठीक साथ में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में बाजार में आने के लिए लोग अपने वाहनों को पार्किंग में भी खड़ा करके आएंगे। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के अंत में या फिर नवम्बर के शुरुआत में इस प्रोजेक्ट को यहां लागू किया जाएगा।

मेयर मधु आजाद ने कहा कि पार्किंग की समस्या बाजार में बहुत अधिक है। वाहनों के बाजार में प्रवेश करने के साथ ही यहां जाम की स्थिति बन जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि इस तरह के प्रोजेक्ट को लागू करके दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को सुविधा दी जाए। इसी कड़ी में इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

निगमायुक्त विनय प्रताप सिंह ने कहा कि सदर बाजार में ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए यह जरूरी है कि यहां पर वाहनों का प्रवेश वर्जित हो। वाहनों के कारण पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी होती है। जाम भी लग जाता है। बाजार में अतिक्रमण भी हटाया जा रहा है, ताकि ग्राहकों को किसी तरह की दिक्कत ना रहे। वॉक-वे प्रोजेक्ट भी काफी राहत प्रदान करेगा।

तीनों अध्यादेश और न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी बड़ा तोहफा : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी बोधराज सीकरी का तीन अध्यादेशों को लेकर कहना है कि तीनों ही अध्यादेश किसानों के हित में हैं। यह बात समझनी होगी। विपक्ष जिस तरह से किसानों को बरगला रहा है, वह सही नहीं है। अध्यादेश को बारीकी से पढ़ें तो पता चलता है कि जो किसान आज तक पूंजीपतियों के हाथों पिसते आए, आज उन किसानों को सरकार ने स्वतंत्र करने का काम किया है।

बोधराज सीकरी का कहना है कि यह अध्यादेश राज्यों के कृषि उत्पाद मार्केट कानूनों के अंतर्गत अधिसूचित बाजारों के बाहर किसानों की उपज के मुफ्त व्यापार की सुविधा देता है। इस अध्यादेश के प्रावधान राज्यों के एपीएमसी एक्ट्स के प्रावधानों के होते हुए भी लागू रहेंगे। इस बदलाव के जरिए किसानों और व्यापारियों को किसानों की उपज की बिक्री और खरीद से संबंधित आजादी मिलेगी। जिससे अच्छे माहौल पैदा होगा और दाम भी बेहतर मिलेंगे। किसानों के नाम पर राजनीति करने वालों को सरकार का यह कदम हजम नहीं हो रहा है। वहीं, हरियाणा की पहल पर केंद्र सरकार ने हर वर्ष फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बिजाई सीजन शुरू होने से पहले ही घोषित करने की जो शुरुआत की गई है, वह किसान हित में है। केन्द्र सरकार द्वारा रबी की प्रमुख फसलों जैसे गेहूं, चना, सरसों, जौं, मसूर तथा कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में 50 रुपये से 300 रुपये तक की वृद्धि की घोषणा किसानों के लिए बड़ी राहत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुना करने के लक्ष्य के अनुरूप फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने का स्थायी फॉर्मूला तय कर दिया है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य में 50 रुपये की बढ़ोतरी कर 1975 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। श्री सीकरी के मुताबिक चने का 4875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5100 रुपये निर्धारित किया है। सरसों का 4425 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 4650 रुपये किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

इनेलो कार्यकर्ताओं ने मनाई देवीलाल की जयंती

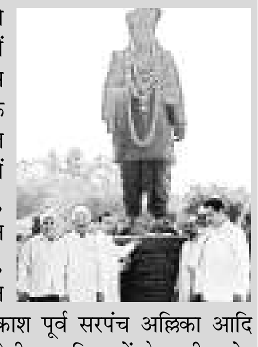

पलवल। शुक्रवार को जिला इनेलो कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती सम्मान दिवस के रूप में मनाई। इस अवसर पर इनेलो के कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवीलाल पार्क में उनकी प्रतिमा पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिसमें पलवल से पूर्व प्रत्याशी सतपाल देसवाल, प्रदेश महासचिव महेंद्र चौहान, जिला अध्यक्ष अजीत बॉबी, शहरी अध्यक्ष अशोक शर्मा, इनेलो कार्यकर्ता देवी पहलवान, पवन तेवतिया, वेद पहलवान, जवाहर डाबर, प्रकाश पूर्व सरपंच अछिका आदि मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ताऊ देवीलाल किसानों के मसीहा थे। आज उन्हीं की प्रेरणा से बुजुर्गों को पेंशन मिल रही है। ताऊ देवीलाल ने जो काम प्रदेश में किए हैं वह सभी के लिए अनुकरणीय है। आज किसान वह कमेरे वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है, जिससे वह सड़कों पर आने पर मजबूर हैं। इनेलो पार्टी सदा से ही किसानों की मांग उठाती आई है और उठाती रहेगी। किसानों के साथ अन्याय किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डंपर चालकों ने पुलिस टीम को कचलने का किया प्रयास

तावडू। उपमंडल के अंतर्गत गांव सीलखो में पुलिस द्वारा पत्थरों से भरे एक ओवरलोड डंपर रुकवाने का इशारा करने से गुस्साए डंपर चालकों द्वारा पुलिस टीम पर डंपर चढ़ाकर उन्हें जान से मारने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। तावडू पुलिस ने दो डंपर चालकों सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तावडू शहर थाना प्रभारी एसआई ओमबीर सिंह ने बताया कि गत बुधवार को उन्हें तावडू शहर थाने में दर्ज एक मुकदमे में फरार चल रहे एक आरोपी की गांव सिलखो में होने की सूचना मिली। पुलिस गांव सीलखो में पहुंची तो पत्थरों से भरा एक ओवरलोड डंपर उन्हें आता हुआ दिखाई दिया। चालक को उन्होंने रुकने का इशारा किया, लेकिन डंपर चालक ने डंपर की गति बढ़ा दी और डंपर को सीलखो क्रेशर जोन में राम क्रेशर ले गया और चालक ने क्रेशर की हौदी में पत्थरों को खाली कर तेज गति से पुलिसकर्मियों को जान से मारने की नीयत से सरकारी वाहन पर सीधी टक्कर मार दी। जिसे सरकारी वाहन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और दो पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई। उन्होंने बताया की किसी तरह उन्होंने सरकारी वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान एक क्रेशर जोन कार्यालय में मौजूद व्यक्तियों के इशारे पर और अन्य डंपर मौके पर आया जिसने भी सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी।

आढ़त एसोसिएशन ने कृषि अध्यादेश पर हड़ताल समाप्त की

सोहना। सोहना की आढ़त एसोसिएशन ने कृषि अध्यादेश पर सरकार से टकराव छोड़ते हुए अपनी हड़ताल खत्म कर दी। आढ़ती एक अप्रैल से होने वाली बाजरे की सरकारी खरीद को लेकर तैयारी में जुट गए हैं। जल्द ही एसोसिएशन की बैठक बाजरे की खरीद को लेकर बुलाई जाएगी। आढ़त एसोसिएशन के प्रधान महेश आर्य ने बताया सोहना के आढ़तियों ने कृषि अध्यादेश पर अपने विचार बदलते हुए हड़ताल खत्म करते हुए खरीफ की फसल खरीदने का मन बना लिया है। ताकि पिछले छह माह से ठप अपने कारोबार को गति दे सकें। आढ़त एसोसिएशन की बैठक एक अक्टूबर से शुरू होने वाली बाजरे की सरकारी खरीद पर चर्चा की जाएगी। ताकि आढ़ति किसानों की फसल को खरीद कराने में सरकार की मदद कर सकें। बाजरे समेत खरीफ की फसलों का आवक मंडी में होने से आढ़तियों का कारोबार बढ़ सकेगा। जो मार्च माह से ठप पड़ा हुआ था।

गांव का गंदा पानी ओरिस सोसायटी में घुसा, लोगों ने किया प्रदर्शन

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-85 स्थित ओरिस सोसायटी में गांव सिकंदरपुर के गंदे पानी के कारण परेशानी खड़ी हो गई है। लोगों का सोसायटी में प्रवेश करना मुश्किल हो गया है। इसके विरोध में शुक्रवार को सोसायटी के लोगों ने प्रदर्शन किया और इस समस्या से छुटकारा दिलाने की मांग प्रशासन से की है। लोगों ने बताया कि पिछले दो साल से ओरिस सोसाइटी और सिकंदरपुर गांव में रहने वाले हजारों लोग गंदे पानी की निकासी व जल भराव की समस्या से जूझ रहे हैं। हर दिन लोगों को यहां से निकलने मे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। एक तरफ जहां कोरोना की मार, ऊपर से गंदे पानी के जमा होने से डेंगू का डर लोगों को सता रहा है। समस्या के निदान के लिए स्थानीय निवासी मुख्यमंत्री कार्यालय, संबंधित पंचायत प्रतिनिधि, इलाके के विधायक, लोक निर्माण विभाग तक के सैकड़ों चक्कर लगा चुके है। कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। ओरिस सोसायटी से आरडब्ल्यूए सदस्य नरेश ढांडा, अमित कौशिक, योगेश मोर, अशोक चोपड़ा, पीसी नंदा, वरूण मुंजाल, सतेन्द्र भाटिया, परमवीर भारद्वाज, संजय सिंह, विमल, आशीष, बाला रानी, रोशनी देवी, प्रभा देवी, पूनम ढांडा आदि ने बताया कि गंदे पानी की निकासी की समस्या से छुटकारा पाने के लिए संतरी से मंत्री तक अपनी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सरकार व प्रशासनिक अधिकारियों पर कोई असर नहीं है। सीएम विंडो पर दी गई शिकायत पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

अभिभावक और शिक्षकों ने नई शिक्षा नीति पर विचार मंथन

सोहना। राजकीय स्कूलों में हुई अभिभावक और शिक्षकों की बैठक में नई शिक्षा नीति पर मंथन किया गया। अभिभावकों को नई शिक्षा नीति के विषय पर गहराई से बताया और वीडियो फिल्म दिखाई गई। अभिभावकों ने नर्सरी की कक्षाओं में शिक्षकों की तैनाती किए जाने की मांग की। सोहना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने अभिभावकों को बताया कि मार्च 2022 से अब राजकीय स्कूलों में नर्सरी कक्षा में दाखिले होंगे। नर्सरी की कक्षाओं में आने वाले विद्यार्थियों की उम्र मात्र 3 वर्ष होगी। जिसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पढ़ाने का काम करेंगी। इसके साथ अब 10/2 के स्थान पर 5.3.3.4 का नियम लागू होगा। विद्यार्थी कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय में 11 वी से पहले 9 वीं कक्षा में ही चयन कर सकेगा। अभिभावक नीतू जैन ने कहा कि नर्सरी की कक्षाओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के स्थान पर शिक्षकों की तैनाती की जानी चाहिए। नर्सरी के बच्चे को पढ़ाई और उसे सिखाने का सही तरीका एक योग्य शिक्षक ही दे सकेगा। जिससे बच्चे को अच्छा ज्ञान अच्छे से हो सकेगा। सरोज ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को नर्सरी की कक्षाओं में पढ़ाने के लिए सक्षम नहीं होती हैं। कक्षा पांचवीं के बाद छह में आने वाले विद्यार्थी अच्छे से हिन्दी बोलना व पढ़ना भी नहीं जानते हैं। ऐसे विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे परिणाम नहीं लेकर आते हैं। क्योंकि उन्हें शुरुआत में ही सही ढंग से नहीं समझाया जाता है। ऐसे विद्यार्थी पढ़ाई में मार खा जाते हैं। अभिभावक दीवान सिंह सैनी ने कहा कि नई शिक्षा नीति आने वाले समय में बच्चों के लिए अच्छी साबित होगी। विद्यार्थियों पर फेल होने का दबाव कम होगा। विद्यार्थी अपनी मात्र भाषा में पेपर देने के अलावा अंग्रेजी पढ़ने के दबाव से भी बाहर निकलेगा। क्योंकि अंग्रेजी विषय को आर्ट संकाय में जरूरी विषय समझने के कारण विद्यार्थी बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ बैठता है।

नवकल्प के रक्तदान शिविर में 31 ने किया रक्तदान

गुरुग्राम के कादीपुर स्थित रोटरी ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला का स्वागत करते आयोजक।

गुरुग्राम। नवकल्प फाउंडेशन के साथ मिलकर रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी, कॉस्मोपॉलिटन फाउंडेशन व नेफ्थ्य फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को थैलीसीमिया मरीजों के लिए 7वां रक्तदान शिविर यहां कादीपुर स्थित रोटरी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया।

शिविर में 35 लोग रक्तदान करने पहुंचे, जिनमें से 31 का रक्त लिया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक सुधीर सिंगला ने किया। अब अगला रक्तदान शिविर 29 सितंबर मंगलवार को लगाया जाएगा। शुक्रवार को रक्तदान शिविर में पार्षद नीरज यादव, रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी के असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन रविंद्र जैन, रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी के अध्यक्ष रोटेरियन नवीन गुप्ता एडवोकेट, अभिनव बंसल, सचिव अभिषेक अनेजा, गौरव मंगला, सचिव गजेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता, संदीप एडवोकेट, मोतीलाल एडवोकेट, जगभूषण गुप्ता एडवोकेट, धर्मवीर हिन्दुस्तानी, मुनीष, बीडी पाहुजा, डा. सुनील तनेजा, डा. महिमा, नेशनल ह्यूमन वेलफेयर के चेयरमैन गुंजन मेहता, सतीश सिंगला व दीपक गर्ग मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति भविष्य के लिए कारगर साबित होगी: कल्पना रंगा

गुरुग्राम। नई शिक्षा नीति पर बैठक का आयोजन मास्टर रामफूल की अध्यक्षता में न्यू अपग्रेडेशन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटौली में हुआ। मुख्य रूप से जिला उप-शिक्षा अधिकारी कल्पना रंगा एवं खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल सिंह ने शिरकत की। कल्पना रंगा ने सभी से अनुरोध किया कि नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए हमें हर एक विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा प्रदान करनी है।

कोई भी विद्यालय या विद्यार्थी किसी प्रकार से संसाधनों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। जाटोली में हुए स्कूल अपग्रेडेशन के बारे में भी कल्पना रंगा ने विधायक सत्यप्रकाश जरावता का विशेष धन्यवाद किया। उनके साथ ईएसएचएम सतेंद्र प्रकाश, रामफूल एसएसएम, रेनू एचएम, नीलम एचएम, पूर्व प्राचार्य सुभाष चौहान, सतपाल चौहान, एटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया मास्टर सुरेंद्र चौहान व समस्त ग्राम वासी रहे। उप-शिक्षा अधिकारी कल्पना रंगा ने सभी से अनुरोध किया के ज्यादा से ज्यादा एडमिशन करने में सभी अहम भूमिका निभाएं।

ताऊ देवीलाल एक व्यक्ति नहीं संस्था थे : सुखबीर तंवर

देवीलाल स्टेडियम में प्रतिमा पर माल्यार्पण व पौधारोपण किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पूर्व उप-प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती पर इंडियन नेशनल लोकदल जिला इकाई की ओर से देवीलाल स्टेडियम गुरुग्राम में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण और स्टेडियम में पौधारोपण किया गया। विभिन्न दलों के नेताओं और अनेक प्रबुद्ध नागरिकों की उपस्थिति में चौधरी देवीलाल के जीवन पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में आम आदमी पार्टी के दक्षिण हरियाणा संयोजक आरएस राठी, बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रताप कदम, कैप्टन सुरेंद्र यादव, पूर्व डीएसपी शमशेर डागर, एडवोकेट ब्रह्म प्रकाश जांगड़ा, किसान नेता राजेन्द्र धनखड़, वीरेंद्र राणा, श्रमिक नेता स्वर्ण सिंह धनखड़, इनेलो जिला अध्यक्ष रोहताश खटाना,

गुरुग्राम में पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते इनेलो कार्यकर्ता व नेता।

प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर, जिला युवा अध्यक्ष सोनू ठाकरान ने बोलते हुए जननायक चौधरी देवीलाल के जीवन के अनेक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

चौधरी देवीलाल संघर्ष और त्याग की प्रतिमूर्ति थे। आजीवन किसान, कमेरे और गरीब सहित 36 बिरादरी के कल्याण और विकास के लिए सतत प्रयास किये। लोकसभा में नेता सदन चुने जाने के बाद भी त्याग की नई मिसाल और रामायण की चौपाई रघुकुल रीत सदा चली आयी, प्राण जाए पर वचन न जाहि को चरितार्थ करते हुए विश्वनाथ प्रताप सिंह को प्रधानमंत्री के पद पर सुशोभित किया। चौधरी देवीलाल आजीवन उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम राष्ट्रीय राजनीति की प्रमुख धुरी रहे। सभी प्रतिभागियों ने उनके संघर्ष को याद करते हुए एक स्वर से एक वक्तव्य जारी किया कि हाल ही में पारित दो किसान अध्यादेशों और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 में संसोधन विधेयक किसान, मजदूर, आढ़ती और उपभोक्ता के लिए मौत का फतवा है।

सभी वर्गों को चौधरी देवीलाल के संघर्ष का अनुसरण करते हुए गैर लोकतांत्रिक तरीके से पारित सभी विधेयकों का विरोध करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि युगपुरुष चौधरी देवीलाल एक व्यक्ति नहीं संस्था थे। स्वार्थ की राजनीति के दौर में उनका जीवन, दर्शन और विचार अत्यंत प्रासंगिक है। समस्त राष्ट्र को उनके विचारों का अनुसरण करते हुए राष्ट्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान देना चाहिए।

बेहतर सुविधा के लिए बीएसएनएल और बिजली निगम को लिखे पत्र

सोहना। सोहना आईटीआई प्रधानाचार्य ने बीएसएनएल और बिजली निगम को पत्र लिखकर नेटवर्क और सप्लाई व्यवस्था बिना किसी कट के देने को कहा है। ताकि आईटीआई में 28 सितम्बर से 28 अक्टूबर के बीच में होने वाली ऑनलाइन परीक्षा देने में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। आईटीआई सोहना के प्रधानाचार्य विनोद खंगवाल ने बताया कि सोमवार से आईटीआई में पेपर आरंभ हो रहे हैं। जो 28 अक्टूबर तक चलेंगे।

कोरम के अभाव में टला उपाध्यक्ष पद का चुनाव

9 अक्टूबर 2020 रखी चुनाव की अगली तिथि

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

पंचायत समिति फर्रुखनगर के उपाध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को होने वाले उप-चुनाव कोरम के अभाव में स्थगित कर दिए गए हैं। उप-चुनाव आगामी 9 अक्टूबर 2020 को सुबह 11 बजे होंगे।

यह जानकारी एसडीएम पटौदी प्रदीप कुमार, बीडीपीओ अंकित चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने थे, लेकिन चुनाव की विशेष बैठक में 22

फर्रुखनगर पंचायत समिति के उपाध्यक्ष पद के लिए उप-चुनाव को लेकर एकत्रित सदस्य।

सदस्यों में से समिति अध्यक्ष गीता यादव सहित 12 सदस्य ही बैठक में उपस्थित रहे। पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 76 रूल नंबर-4ए के तहत उप चुनाव के लिए कुल समिति सदस्यों की दो तिहाई संख्या होनी आवश्यक थी। उप-चुनाव बैठक में केवल 12 समिति सदस्य बिरेंद्र, सविता, सीमा, गीता चेयरमैन, नरपाल, महासिंह, ललिता, मंजीत, विजयपाल, धर्मेंद्र शर्मा, कौशल्या, महेश, राज सिंह ही पहुंचे थे। कोरम के अभाव में चुनाव की विशेष बैठक को स्थगित कर दिया गया है। 9 अक्टूबर को 11 बजे बीडीपीओ कार्यालय फर्रुखनगर में चुनाव होंगे। बता दें कि पंचायत समिति की उपाध्यक्षा कमलेश के खिलाफ समिति के कुल 22 सदस्यों में से 15 सदस्यों ने अविश्वास पत्र लाकर उन्हें 20 फरवरी को हटा दिया था।

कोरोना काल के चलते चुनाव समय पर नहीं हो सके। उपाध्यक्ष पद के उप-चुनाव में तीन दावेदार मैदान में आये। लेकिन 25 सितम्बर को होने वाले चुनाव में दो दावेदारों ने अपना बहुमत नहीं जुटाने के कारण सदन की चुनावी कार्रवाई से अपने अपने पक्ष के समिति सदस्यों के साथ दूरी बनाई रखी। जिसके चलते एक पक्ष के 12 सदस्य ही चुनाव की विशेष बैठक में पहुंचे कोरम पूरा नहीं होने के कारण चुनाव नहीं हो सके।

निरंकारी कॉलेज में 540 सीटों पर 888 विद्यार्थियों ने किए आवेदन

सोहना। निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालय में इस वर्ष दाखिले के लिए 540 सीटों पर 888 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। जिसमें सबसे ज्यादा बीए प्रथम की 240 सीटों पर 471 विद्यार्थियों ने अपने आवेदन जमा कराए हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. एमएस खत्री ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस साल 10 से 15 फीसदी अधिक विद्यार्थियों ने स्थानीय कॉलेज में दाखिला लेने के लिए आवेदन अधिक किया है। क्योंकि कोरोना युग में विद्यार्थी अब अन्य शहरों में जाना पसंद नहीं कर रहा है।

पंडित दीनदयाल ने समाज व देश सेवा को समर्पित किया अपना जीवन : सुधीर सिंगला

प्रताप नगर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे विधायक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देशहित में जो कार्य किए, आज देश उनका अनुसरण कर रहा है। उन्होंने समाज व देश सेवा के लिए अपनी जीवन समर्पित किया था। जनसंघ में रहकर उन्होंने देश सेवा की।

यह बात उन्होंने शुक्रवार को यहां प्रताप नगर गली नंबर-1 में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती पर कही। इस कार्य में पहुंचने से पूर्व अपने निवास पर विधायक सुधीर सिंगला ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित करके नमन

गुरुग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते विधायक सुधीर सिंगला और अन्य।

किया। जयंती समारोह में विकास कार्य, सुमित भटनागर, साहिल मनोचा, पवन जांघू, सुदेश वर्मा, अशोक गुप्ता, मनोज गर्ग समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने पत्रकारिता में भी मुकाम हासिल किया। उनके भीतर पत्रकारिता तब प्रकट हुई जब उन्होंने लखनऊ से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका राष्ट्रधर्म में वर्ष 1940 के दशक में कार्य किया।

अपने आरएसएस के कार्यकाल के दौरान उन्होंने एक साप्ताहिक समाचार पत्र पांचजन्य और एक दैनिक समाचार पत्र स्वदेश शुरू किया था। उन्होंने नाटक चंद्रगुप्त मौर्य और हिन्दी में शंकराचार्य की जीवनी लिखी। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार की जीवनी का मराठी से हिंदी में अनुवाद किया। भारतीय जनसंघ की स्थापना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा वर्ष 1951 में किया गया एवं दीनदयाल उपाध्याय को प्रथम महासचिव नियुक्त किया गया। वे लगातार दिसंबर 1967 तक जनसंघ के महासचिव बने रहे। उनकी कार्य क्षमता, खुफिया गतिविधियों और परिपूर्णता के गुणों से प्रभावित होकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उनके लिए गर्व से सम्मानपूर्वक कहते थे कि- 'यदि मेरे पास दो दीनदयाल हों, तो मैं भारत का राजनीतिक चेहरा बदल सकता हूं'। अचानक वर्ष 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के असमय निधन से पूरे संगठन की जिम्मेदारी दीनदयाल उपाध्याय के युवा कंधों पर आ गयी।

हजारों युवा लेंगे सीएम मनोहर के साथ इंकलाब का संकल्प

गुरुग्राम से 300 युवाओं ने कराया है रजिस्ट्रेशन

गुरुग्राम। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 113वीं जयंती की पूर्व संध्या पर 27 सितंबर (रविवार) दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश के हजारों ग्रामीण युवाओं से ऑनलाइन संवाद करेंगे। यूथ फॉर न्यू हरियाणा (वाईएफएनएच) के बैनर तले होने वाले इस संवाद को 'हम लाएंगे इंकलाब' नाम दिया गया है।

अब तक 6500 युवाओं ने इस वेबीनार के लिए अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। विशेष तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले युवा 18 से 45 आयु वर्ग के हैं। संवाद में वे मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करेंगे और विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय देंगे। ग्रामीण युवा मंथन आयोजन कमेटी के सदस्य नरेंद्र ठाकुर ने बताया कि शहीद शिरोमणि भगत सिंह की प्रेरणा से इस वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। क्योंकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस प्रकार से नौकरियों में पारदर्शिता लाई है, वह भगत सिंह के सपनों का साकार करने जैसा है। सरकार ने नौकरियों के मामले में सिर्फ सुधार नहीं किया, बल्कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर एक नये इंकलाब को जन्म दिया है। इस नई व्यवस्था से हरियाणा का युवा खासा प्रभावित है। वह समझ गया है कि वर्तमान सरकार के हाथों में ही उसका भविष्य सुरक्षित है। इसलिए वह भी सरकार के साथ मिलकर अपनी रचनात्मक भूमिका निभाना चाहता है। क्योंकि जब-जब देश को युवाओं की जरूरत पड़ी, तब-तब हरियाणा के युवा ने अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति से देश की हर आशा को और मजबूत किया है।

भारत बंद-धर्मनगरी में खुला रहा बाजार व कस्बों में बंद रहीं दुकानें

विधायक के बैनर और होर्डिंग फाड़ कर प्रदर्शनकारियों ने किए आग के हवाले

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

भारत बंद के दौरान कुरुक्षेत्र में प्रदर्शन करते किसान व अन्य संगठनों के कार्यकर्ता। कुरुक्षेत्र के कस्बा बाबैन में बंद पड़ी दुकानें।

भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा पारित किए तीन कृषि विधेयकों के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन व अन्य किसान संगठनों द्वारा भारत बंद का कुरुक्षेत्र में मिलाजुला असर रहा। हालांकि धर्मनगरी में बाजार भी खुले रहे और सड़कों पर भी खूब रौनक रही, लेकिन आसपास के क्षेत्रों, गांवों और कस्बों में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कस्बों में 80 प्रतिशत दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखी और थानेसर शहर में दुकानें रोजाना की तरह खुली रही। कुरुक्षेत्र में किसानों ने केडीबी रोड पर बीआर चौक पर जाम लगाया व सरकार का पुतला फूंका।

यही नहीं, कई स्थानों पर तो थानेसर विधायक सुभाष सुधा के बैनर व होर्डिंग को उतार कर फाड़ते हुए प्रदर्शनकारियों ने उन्हें आग के हवाले कर दिया। किसानों ने ट्रैक्टरों को सड़क पर लगाकर केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की। किसानों ने इंद्री मार्ग पर और शाहबाद में किसानों ने पंचकूला मार्ग पर गांव दाऊमाजरा के समीप जाम लगाया और सरकार का पुतला फूंका। पिहोवा में भी किसानों ने अनाज मंडी में एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। केडीबी रोड पर जाम लगा रहे किसानों को आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष जवाहर लाल गोयल व आप नेता सुमित हिन्दुस्तानी ने भी समर्थन दिया।

किसानों को आढ़ती यूनियन के उप प्रधान जगतार काजल ने भी संबोधित किया। आप नेता सुमित हिंदुस्तानी ने कहा कि बिना किसानों से रायसुमारी किए केंद्र सरकार ने कृषि विधेयकों को दोनों सदनों में पास कराया, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मनमानी पर उतारू है। अन्नदाता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। नए कृषि विधेयकों से किसान कुछ ही दिनों में भूमिहीन हो जाएंगे। ये विधेयक पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए लाए गए हैं। भाकियू जिलाध्यक्ष कृष्ण कलाल माजरा ने कहा कि सरकार ने कृषि बिल पारित करके किसानों के साथ अन्याय किया है। खेती को पूंजीपतियों के हाथ बंधक बनाने के प्रयास के तहत पास किए गए इन बिलों का किसान व मजदूर हर स्तर पर विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बिल पास करने के पहले किसानों की राय लेनी चाहिए थीए जो कि उन्होंने नहीं ली।

उधर बाबैन में भी तीनों अध्यादेशों के खिलाफ किसान व आढ़ती खूब गरजे। प्रदर्शनकारियों ने स्टेट हाईवे नंबर 7 पर धरना देकर करीब 2 घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रखा। इस तहर केन्द्र सरकार द्वारा किसानों की फसलों को लेकर संसद में पास किए गए 3 विधेयकों के विरोध में आयोजित भारत बंद बाबैन में पूरी तरह से सफल रहा। भाकियू के नेतृत्व में क्षेत्र के किसानों, मंडी के आढतियों, मुनीमों व मजदूरों ने मिलकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों की किसी भी अप्रिय घटना से निपटनें व उन पर निगरानी रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। बाबैन के बीडीपीओ व ड्यूटी मजिस्ट्रेट आशुतोष, नायब तहसीलदार बाबैन रूपिन्द्र सिंह और बाबैन के थाना प्रभारी राजीव कुमार ने शाम तक मोर्चा संभाले रखा और प्रत्येक गतिविधि पर निगरानी रखी। भाकियू के मंडलाध्यक्ष बलकार सिंह, जिलाध्यक्ष प्रधान कृष्ण कुमार कलाल माजरा, मंडी प्रधान लाभ सिंह अंटाल, लोसुपा के जिलाध्यक्ष नायब सिह पटाकमाजरा, कांग्रेस नेता शमसेर सिंह मलिक, दल सिंह बुहावी, ब्लॉक प्रधान लाल सिंह, सुखविन्द्र भूखड़ी, अजैब सिंह राणा, हाकम संघौर, सतबीर घिसरपड़ी, सतपाल मंगैली, गुरचरण सिंह बाबा आदि किसान नेताओं ने धरने पर उपस्थित किसानों व आढतियों को संबोधित किया।

गांव किरमिच में भी हुई नारेबाजी

निकटवर्ती गांव किरमच में भी किसानों ने केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए तीन काले कानूनों का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने जनविरोधी, किसान-मजदूर विरोधी तीन कानूनों को वापस लेने की मांग की। आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के सदस्य जियालाल ने बताया कि आल इंडिया किसान संघर्ष समन्वय समिति के आह्वान भारत ग्रामीण बंद पूरी तरह सफल है। इस दौरान किसान कृष्ण चंद, जियालाल, टेकचंद, सोनू, संदीप सहित अन्य ने भाजपा सरकार के विरोधी नारेबाजी कर अपना रोष व्यक्त किया।

गांव बारवा में भारत बंद रहा पूरी तरह सफल

आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन और एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी ने गांव बारवा में भारत ग्रामीण बंद को सफल बनाने के लिए नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीनों काले कानूनों को वापस लेने की मांग की। पार्टी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार सारसा ने कहा कि आज देश की केन्द्र सरकार हो या राज्य सरकारें, किसान-मजदूर विरोधी नीतियों को लागू कर रही है और पूंजीपतियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को मालामाल कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि ये तीनों काले कानून पूरी तरह से जनविरोधी हैं। इस दौरान इस गांव के किसान व दुकानदारों सहित राम सिंह, रोहित कुमार, संजीव कुमार, बिटटू कर्म चंद, आभा सिंह, रणधीर सिंह, मलकीत सिंह, सतपाल व बलजीत सिंह आदि ने सरकार विरोधी नारेबाजी की।

सरकार किसानों को फिर से गुलाम बनाना चाहती है : किसान नेता

इंद्री। केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के लिए लागू किये गये तीनों अध्यादेश के खिलाफ पूरे देश के किसान, आढ़ती व मजदूर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया था। इंद्री में भारतीय किसान यूनियन के सदस्यों, किसानों व मंड़ी के आढ़तियों व मजदूरों ने प्रदर्शन करते हुए अनाज मंड़ी को बंद रखा। इसके बाद ये सभी शहीद उद्यम सिंह चौक पर एकत्रित हुए और वहां से इंद्री के मेन बाजार में दुकानों को बंद कराते हुए नया बाजार से होते हुए वापस मंड़ी पहुंचे। रोष प्रदर्शन को कई यूनियनों ने भी अपना समर्थन दिया। किसान व आढ़ती राजेश कलसौरा, ओमवीर मंढ़ाण, दिलावर सिंह व खाप पंचायत के प्रधान बलबीर सिंह ने कहा कि सरकार किसानों के साथ ज्यादती कर रही है। ये तीनों अध्यादेश किसानों के खिलाफ हैं। मौके पर ओम पाल, सुमेर चंद, मनू शर्मा, दिलावर सिंह, कुलदीप, सुमेर चंद, बलजीत मलिक, सुल्तान, जोगिन्द्र, बलिन्द्र, ईश्वर, रिषीपाल कांबोज, मोहिन्द्र मास्टर, मलकीत सिंह, मनजीत चौंगावा, सचिन कांबोज, शुभकरण कांबोज, देवी चंद कांबोज, धर्म सिंह कांबोज आदि किसान, आढ़ती और मजदूर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भगवान के भेजे हुए दूत का काम करते हैं रक्तदाता : हरीश गुप्ता

करनाल। निफा ने लगातार 20 दिन चलने वाले रक्त दान शिविरों की शृंखला में सातवां रक्त दान शिविर घरौंदा लिबर्टी कॉम्प्लेक्स में लगाया। करनाल सिवल अस्पताल ब्लड बैंक व जिला रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से लगाए गए शिविर की शुरुआत लिबर्टी के प्रबंध निदेशक हरीश गुप्ता, निदेशक कनिष्क गुप्ता, निफा के आजीवन सदस्य सेवानिवृत्त हेडमास्टर पृथ्वी सिंह, एडवोकेट एसएस प्रुथी, निफा अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु, ब्लड बैक के इंचार्ज डॉक्टर संजय वर्मा व जिला रेड क्रॉस सोसायटी के पूर्व अधिकारी एमसी धिमान ने की व रक्त दाताओं को बैच लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर उनका हौसला वर्धन किया। लिबर्टी से अंकित, निफा के जिला महासचिव हितेश गुप्ता, पूर्व युवा विंग प्रधान गौरव पुनिया, जिला उपाध्यक्ष गुरजंट सिंह, घरौंदा हल्के के प्रधान कमलकांत धिमान, सचिव शुभम मित्तल कमल धीमान, सुमित वशिष्ठ, अमन जोशी और अरुण बाली का विशेष सहयोग रहा।

हथियार के बल लूटने के तीन आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना खरखौदा पुलिस ने हथियार के बल पर लगभग आधा दर्जन लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि गत 19 सितंबर को कबीर निवासी जसराना ने थाना खरखौदा में शिकायत दी थी कि छह अज्ञात युवकों ने हथियार के बल पर उसकी टाटा सफारी गाड़ी, मोबाईल व 25 सौ रुपये की नकदी छीनकर मेरे व मेरे दोस्त कमल को जान से मारने की धमकी दी है। थाना खरखौदा के अंतर्गत फरमाणा पुलिस चौकी टीम ने तीन संदिग्ध युवकों को उस समय धर दबोचा जब ये किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे। पूछताछ में युवकों ने अपनी पहचान राजेश उर्फ राजू, शोकीन निवासी सिलाना व नवीन निवासी बिधलान के रूप में दी। पुलिस टीम ने आरोपियों से विश्लेषणात्मक पूछताछ में करीब आधा दर्जन वारदातों को अंजाम दिया है।

बच्चों के साथ मनाया पीएम नरेंद्र मोदी का जन्मदिन

कुरुक्षेत्र। सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत नरेंद्र मोदी विकास मिशन की कुरुक्षेत्र महिला समिति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन गांधी नगर के बच्चों के साथ बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मीना गर्ग के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्ष सुनीता के नेतृत्व में मनाया। सुनीता रानी ने बच्चों को कॉपियां, पेंसिल, मिठाई के साथ मास्क भेंट किए। उन्होंने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष मीना गर्ग के मार्गदर्शन में वे आगे भी गरीब बच्चों की हर संभव सहायता करेंगे, क्योंकि बच्चे देश का भविष्य है। सुनीता रानी ने बच्चों को बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह वे भी लगातार परिश्रम करके जीवन पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। जीवन में अच्छा बनने के लिए अपनी पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में ध्यान लगाएं, ताकि भारत हर क्षेत्र में अव्वल आ सके।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलन तेज करने की तैयारी

सोनीपत। पुरानी पेंशन नीति की बहाली को लेकर पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने फिर से हरियाणा प्रदेश में 2006 के बाद से नियुक्त सभी विभागों के सरकारी कर्मचारियों को लामबंद करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए संघर्ष समिति के प्रदेश मुख्य सलाहकार प्रमोद इष्टकान ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण मीटिंग 27 सितंबर को साढ़े 10 बजे गोहाना में आयोजित की जाएगी। जिसमें पेंशन बहाली संघर्ष समिति की प्रदेश कार्यकारिणी और रोहतक, सोनीपत और पानीपत, जींद की जिला कार्यकारिणी हिस्सा लेंगी। जिसमें पेंशन आंदोलन को लेकर आगामी रणनीति पर विचार किया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भी हर मंच पर पुरानी पेंशन नीति को बहाल करने का वादा कर चुके हैं। इसके बावजूद भी सरकार द्वारा कर्मचारियों की पेंशन की मांग पर कोई विचार नहीं किया।

कार अनियंत्रित होकर पलटी, चालक की मौत

रेवाड़ी। रेवाड़ी-झज्जर रोड पर गांव गोकलगढ़ के निकट अनियंत्रित होकर एक कार के पलट जाने से उसमें सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह एक युवक अपनी कार में सवार होकर झज्जर की ओर जा रहा था कि वह अनियंत्रित होकर पलटी खाकर एक पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में घायल हुए युवक को उपचार के लिए शहर के ट्रॉमा सेंटर में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना के बाद मौके पर पुलिस ने पूछताछ की। बाद में मृतक की पहचान शहर के मोहल्ला हंस नगर निवासी 30 वर्षीय धोलाराम के रूप में हुई। पुलिस ने लाश को कब्जे में ले लिया तथा पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया।

सासंद सैनी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर अर्पित किए पुष्प

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

सासंद नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल ने देश को एक प्रगतिशील विचारधारा देने का काम किया है। स्वयं सेवक संघ के प्रचारक रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पहली बार कांग्रेस के सामने जनसंघ के रूप विकल्प खड़ा किया।

सांसद नायब सिंह सैनी शुक्रवार को सेक्टर 3 आवास कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले सांसद नायब सिंह सैनी, बूथ नम्बर 131 के अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, कैलाश सैनी व रविन्द्र सैनी ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। पूर्व विधायक डा. पवन सैनी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मंदिर में त्रिवेणी पौधे लगाए। इस अवसर पर केवल कृष्ण शर्मा, सरपंच प्रीतम सिंह , देवेंद्र शर्मा , ब्लॉक समिति सदस्य गुरदेव सिंह, सशील कुमार, हैब सिंह, तरसेम शर्मा, विनोद कुमार मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति की रक्षा-संरक्षण को किया संघर्ष : संदीप सिंह

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी हैं। उनके सिद्धांतों पर चलकर समाज बड़े सकारात्मक बदलाव की तरफ मुड़ सकता है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का भी यही प्रयास है कि लोगों के जीवन में परिवर्तन लाकर उन्हें सुखद अहसास कराया जाए। भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 104वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए खेल मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि संघ संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल ने अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए अपना संपूर्ण जीवन किसानों में लगाया।

कृषि विधेयक 60 सालों से हुए शोषण से दिलाएंगे निजात : सांसद नायब सैनी

सांसद ने वेबिनार के माध्यम से कार्यकर्ताओं से की बातचीत

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि विधेयक किसानों के हितों को ध्यान में रखकर बनाए हैं ताकि पिछले 60 वर्षों से आर्थिक शोषण का शिकार हुए किसानों को आजादी दिलाई जा सके। किसानों को फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य ऐसे ही मिलता रहेगा और न ही किसी मंडी को बंद करने की योजना है। परंतु विपक्ष सरकार के इस निर्णय से बौखलाहट में है और किसानों को गुमराह करके उन्हें भड़काने का काम कर रहा है। मोदी सरकार किसान हितैषी है, जो भी करेगी वह किसानों के हित में करेगी।

सांसद शुक्रवार को सेक्टर 14 स्थित कृष्णा मंदिर में वेबिनार के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के चिंतक और संगठनकर्ता थे इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष जगमोहन आनंद, पूर्व विधायक भगवान दास कबीरपंथी, मेयर रेनू बाला गुप्ता, मेघा भंडारी, संजय बठला, जोगिंदर मदान, संतोष अत्रेजा, अशोक सुखीजा, अशोक भंडारी, गुरविंदर सिंह, संकल्प भंडारी, जयपाल गुप्ता, शमशेर नैन, दीपक गुप्ता, प्रवीण लाठर, जसपाल वर्मा, राजेश अग्घी, सुनील गोयल, निरूपमा सदर, रजनी शर्मा, मीना चौहान, कीर्ति शर्मा, सुमित्रा परोचा व डा. अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

पं. दीनदयाल की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक : जैन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पंडित दीनदयाल ने राजनीति में पारदर्शिता ईमानदारी-अनुशासन की अनिवार्यता पर दिया बल

भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में शामिल पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर हरियाणा की पूर्व मंत्री कविता जैन भाजपा नेता राजीव जैन ने उन्हें नमन करते हुए युवाओं को प्रोत्साहित किया कि वे पं. दीनदयाल के संदेशों का अनुसरण कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि वे विरले महापुरुष थे, जिन्होंने राजनीति में सकारात्मक बदलाव की अनुकरणीय पहल की। कविता जैन और राजीव जैन के नेतृत्व में सोनीपत विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई। विधानसभा के सभी बूथों पर संगोष्ठी एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किये, जिसकी

शुरुआत उन्होंने अपने बूथ नंबर-48 से की। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ने उपाध्याय की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूर्व मंत्री जैन ने कहा कि पं. दीनदयाल ने एकात्म मानववाद का सिद्धांत देकर संपूर्ण मानव जाति को एक सूत्र में पिरोने की अनूठी पहल की। आज भी उनकी शिक्षाएं प्रासंगिक हैं। उनका एकात्म मानववाद का सिद्धांत मानव जाति के लिए मार्गदर्शक का काम कर सकता है। इस सिद्धांत का अनुकरण कर विभिन्न प्रकार की समस्याओं से छुटकारा हासिल किया जा सकता है। वे एक युगदृष्टा थे जो प्राचीन दृष्टाओं तथा आने वाली पीढियों दोनों का सामना करने में सक्षम थे। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ललित बतरा, अतुल जैन, हुक्म सिंह जोगी, संजय वर्मा, नरेश वर्मा, पवन सैनी, कुलदीप सैनी, हंसराज आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत : नरेश रोहिल्ला

सोनीपत। राई हलका के गांव असदपुर में पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर राई हलके के वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश रोहिल्ला ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस दौरान भाजपा नेता नरेश रोहिला ने प्लास्टिक को ना और मोदी को हां का संदेश प्रसारित करते हुए कपड़े के बने थैले बांटे। नरेश रोहिल्ला ने आम जनमानस को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे प्लास्टिक को पूर्ण रूप से अलविदा कर दें। ऐसा करके ही हम पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित कर सकते हैं। रोहिल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर्यावरण संरक्षण को विशेष रूप से बढ़ावा दे रहे हैं।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

बिछाकर जाल वादों का फँसा लेते हैं मछुआरे
सुनाई देते हों शायद जिन्हें सपनों में जयकारे
हमें ये पूछना है बस सियासत तेरे कानों को
सुनाई क्यूँ नहीं देते हैं मुर्दाबाद के नारे

कर्मियों ने प्रदर्शन कर मूलविभाग में भेजने की मांग की

सोनीपत। हरियाणा गर्वनमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच जेपीए के कर्मचारी सुबह यूनियन कार्यालय में एकत्रित हुए और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान विष्णु दत्त भारद्वाज एवं संचालन मंच के प्रदेश कार्यालय एवं शाखा सचिव विनोद शर्मा ने की।

जिला प्रधान विष्णु दत्त भारद्वाज ने प्रदेश की सरकार से मांग की कि 15 सितंबर 2018 को प्रदेश सरकार ने जो जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के कर्मचारी नगर निगम के हवाले कर रखे हैं उनको तुरंत एक साथ सभी को विभाग में वापस लिया जाए। नगर निगम प्रशासन सोनीपत ने 150 कर्मचारियों में से सिर्फ कल 28 कर्मचारियों को ही वापस अपने मूल विभाग में भेजा है, वह भी पंचकूला मुख्यालय रिपोर्ट करने के लिए लिखा जोकि सरासर गलत है।

मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में हुआ शामिल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम जिला प्रशासन को 15,000 पीपीई, हेल्थ और सेफ्टी किट देकर अभियान की शुरुआत की

कोविड-19 के कठिन समय में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (मैक्स लाइफ/ कंपनी) ने हरियाणा के गुरुग्राम में डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के लिए 5,000 पीपीई किट, पुलिस अधिकारियों के लिए 5,000 सुरक्षा किट, और सरकारी अस्पतालों में इलाज करवा रहे मरीजों 5,000 स्वास्थ्य किट वितरित किए।

एक वर्चुअल कार्यक्रम में गुरुग्राम के डिप्टी कमिश्नर अमित खत्री को ये किट सौंपे। कार्यक्रम में गुरुग्राम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी वीरेंद्र यादव, मैक्स लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर प्रशांत त्रिपाठी, मैक्स लाइफ के डायरेक्टर और चीफ पीपल ऑफिसर शैलेश सिंह भी शामिल हुए। कंपनी ने 5,500 एंटी-जन टेस्ट किट भी प्रशासन को दीं जिनके जरिए स्वास्थ्यकर्मी संदिग्ध मरीजों की कोविड-19 जांच तेजी से कर पाएंगे।

मैक्स लाइफ ने इस वित्त वर्ष की शुरुआत में फ्रंट-लाइन कर्मियों जैसे स्वास्थ्य कर्मियों, और पुलिस कर्मचारियों के साथ महामारी के प्रभावित लोगों की सहायता के लिए अपने सीएसआर बजट के एक हिस्से के तौर पर अलग कोविड -19 पूल बनाया। महामारी से निपटने के सामूहिक योगदान के रूप में मैक्स लाइफ ने पीपीई और सुरक्षा किट दान देने की प्रतिबद्धता जताई। इस सहायता सामग्री में मास्क, फेस-शील्ड, दस्ताने, थर्मामीटर और सैनिटाइजर शामिल हैं। किट में शामिल फेस-मास्क गुरुग्राम जिला प्रशासन से जुड़े वंचित महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप से खरीदे गए हैं।

मैक्स लाइफ के योगदान पर उपायुक्त अमित खत्री ने कहा, गुरुग्राम जिला प्रशासन कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए महामारी की शुरुआत से ही हर संभव काम कर रहा है। हमारे प्रयासों में सहायता करने के लिए हम मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के आभारी हैं। मैक्स लाइफ द्वारा दी गई सेल्फ-केयर किट और पीपीई की सहायता से हम सरकारी अस्पतालों में कोविड -19 का इलाज करा रहे मरीजों की परेशानियों को कम कर पाएंगे। इसके साथ ही हम फ्रंटलाइन पर काम कर रहे हमारे स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिस अधिकारियों की कठिनाइयों को भी कम कर पाएंगे।

पायनियर क्लासीफाइड

◆ नाम परिवर्तन ◆

I, Shekhar Sinha father of Shaurya Sinha R/o 674, Sec-16, Faridabad have changed my name to Shekhar Kumar Sinha.

◆ बेदखली सूचना ◆

मैं, पतासो देवी पत्नी शमशेर पुत्र कली राम निवासी गली नं 4, शहीद भगत सिंह कालोनी, नजदीक न्यू बस स्टैंड कैथल अपने पुत्र नन्हा जोकि एक स्त्री मीनू के साथ नाजायज तौर पर रह रहा है, को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ। उससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं अनारकली पत्नी ओमप्रकाश, निवासी गांव धरौदी जिला जींद ब्यान करती हूं कि मेरा बेटा गुरमीत व उसकी पत्नी सुदेश मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं इन दोनों को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनसे लेन-देन करने वाले स्वयं जिम्मेवार होंगे।

◆ सूचना ◆

न्यायालय सूचना : कार्यालय तहसीलदार व अख्तयाराज सब रजिस्ट्रार कैथल।

विषय: प्रार्थना पत्र बराये किए जाने पंजीकृत वसीयत मरणोपरांत

इस इश्तहार द्वारा सभी आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी कमला देवी पत्नी बुधराम पुत्र मनसा राम पुत्र श्री रूडाराम निवासी चंदाना गेट शिव नगर कैथल तहसील व जिला कैथल ने मेरे कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र बाबत मृतक बुधराम पुत्र श्री मनसा राम पुत्र रूडा राम निवासी चंदाना गेट कैथल तहसील व जिला कैथल द्वारा लिखित वसीयत मरणोपरांत पंजीकृत करने बारे दी है जिसमें लिखा है मृतक बुधराम पुत्र मनसाराम निवासी कैथल ने एक लिखित वसीयत दिनांक 28.07.2020 को प्रार्थी के हक में की हुई है वसीयत कर्ता बुधराम ने इससे पहले दिनांक 13.7.2017 को एक वसीयत तहसील कार्यालय कैथल में तहरीर करवाई थी जिसे निरस्त समझा जावे। जिसमें उसकी मृत्यु उपरांत उनकी चल व अचल सम्पत्ति के मालकान व काबिजन प्रार्थी (कलमा देवी) के हक में दिये जाने बारे लिखा है और बुधराम दिनांक 6.8.2020 को मृत्यु को प्राप्त हो चुका है जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र साथ में पेश किया है अत: मृतक बुधराम उसकी पत्नी के हक में की गई है लिखित वसीयत को मरणोपरांत पंजीकृत करने बारे प्रार्थना की है। अत: इस इश्तहार द्वारा सभी आम व खास को सूचित किया जाता है कि मृतक बुधराम पुत्र श्री मनसा राम पुत्र रूडाराम निवासी चंदाना गेट कैथल द्वारा लिखित वसीयत प्रार्थीया (कमला देवी) के हक में करने पर इस वसीयत को मरणोपरांत पंजीकृत कराने बारे अगर किसी भी व्यक्ति संबंधी या उसमें अन्य कानूनी वारिसयों को कोई एतराज है तो वह असालतन या वकालतन मेरे कार्यालय में आपने एतराज इस इश्तहार के जारी होने के एक माह के अंदर अंदर प्रस्तुत कर सकता है वाद गुजरने के मियाद लिखित वसीयत को नियमानुसार पंजीकृत कर दिया जाएगा। आज दिनांक 17.09.2020 को यह इश्तहार मेरे कार्यालय द्वारा जारी किया गया जिसमें मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार / सब रजिस्ट्रार कैथल

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

सलमान खुर्शीद पर आरोप

दिल्ली में भड़काऊ भाषण

दिल्ली पुलिस ने अन्य लोगों के साथ सलमान खुर्शीद पर दिल्ली में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया है जिसके कारण दंगा भड़का। दिल्ली दंगों की जांच के बाद उनका नाम आरोपपत्र में शामिल किया गया है। ऐसा लगता है कि उनका नाम गृह मंत्रालय के इशारे पर जोड़ा गया है तथा दिल्ली पुलिस पर जांच में पक्षपात के आरोप लग रहे हैं। शायद असहमति और विरोध के लोकतांत्रिक अधिकार को देशद्रोह की संज्ञा दी जा रही है। इस मामले में नए कानून को चुनौती दी गई थी जिसमें धर्म के आधार पर नागरिकता देने तथा सभी भारतीयों के सेक्युलर अधिकारों पर प्रहार की बात कही गई थी। दिल्ली पुलिस ने फरवरी में हुए दंगों के लिए अनेक कांग्रेसियों, वामपंथियों, वैज्ञानिकों, फिल्म निर्माताओं, सिविल सोसाइटी एक्टिविस्टों, छात्रों, आदि पर आरोप लगाए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद पूर्व केन्द्रीय मंत्री, शिक्षाविद व न्यायविद के साथ ऐसे उदारवादी मुस्लिम हैं जिनके साथ कोई पूर्वाग्रह नहीं जोड़े जा सकते हैं। वे देश के तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसेन के पौत्र हैं। इसके पहले उन पर कभी शब्दों के आक्रामक प्रयोग के भी आरोप नहीं लगे हैं। उन पर भड़काऊ भाषण के आरोपों के बावजूद कोई खास उदाहरण नहीं दिए गए हैं। कांग्रेस नेता उदित राज व माकपा नेत्री बृंदा करात के साथ उन पर नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भावनायें भड़काने का आरोप है। पुलिस ने गवाहों को 'संरक्षण' देने की बात कही है, जबकि वे स्वयं षड्यंत्रकारी थे। पुलिस ने बताया है कि उनके बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए हैं। गवाहों के इन बयानों के आधार पर वामपंथी नेता कविता कृष्णन, छात्र एक्टिविस्ट कंवलप्रीत कौर, वैज्ञानिक गौहर रज़ा तथा वकील प्रशांत भूषण को भी आरोपी बनाया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि 'गोली मारो सालों को' जैसे शब्दों का प्रयोग करने वाले भाजपा नेताओं को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया जिनके बयान बार-बार खबरिया चैनलों पर दिखाए गए थे। अनुराग ठाकुर व कपिल मिश्रा जैसे लोगों पर उंगली नहीं उठाई गई। ईंट पत्थर फेंकते हुए एक समूह द्वारा 'जय श्रीराम' के नारे लगाने के वीडियो वाइरल हुए थे। फरवरी में भड़काऊ भाषणों के साथ ही मौजपुर की मुस्लिम बस्ती में दूकानों में आग लगाई गई थी। ऐसे में उन भाजपा नेताओं पर आरोप क्यों नहीं लगाए गए जिन्होंने नए नागरिकता कानून के पक्ष में रैलियां निकाली थीं जिनसे सांप्रदायिक सद्भाव और शांति को खतरा पैदा हुआ था। यदि घृणा से घृणा पैदा होती है तो इनको भी आरोपी बनाया जाना चाहिए था। इसके पहले भी कुछ आरोपियों के खुलासे के आधार पर पेश पूरक आरोपपत्र में शामिल प्रख्यात सिविल सोसाइटी एक्टिविस्टों के नाम मीडिया में लीक हुए थे। हालांकि, पुलिस का दावा है कि आरोप केवल इन खुलासों के आधार पर नहीं लगाए गए हैं और उनकी पुष्टि में अन्य प्रमाण हैं जिनकी जांच व परीक्षण किए गए हैं। संभवत: वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव पर होने के कारण माकपा नेता सीताराम येचुरी पर भी जनता को भड़काने का आरोप लगा है। दंगों की जांच अपनी प्रकृति से बहुत संवेदनशील होती है जिसमें पुलिस को तथ्यों को कल्पनाओं से अलग कर बिना भय या दबाव के दंगा उकसाने वालों की पहचान करनी होती है। सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि दिल्ली दंगों में आगजनी और हिंसा का अल्पसंख्यक समुदाय पर ज्यादा प्रभाव पड़ा था। ये दंगे इस मामले में एक खतरनाक उदाहरण भी पेश करते हैं कि कानून का विरोध करने वाले नागरिकों व दंगाइयों में विभाजक रेखायें समाप्त हो गई थीं। भविष्य में भी ऐसी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। यदि देश के कुछ सर्वाधिक शिक्षित व सूचनाओं से लैस लोगों पर चयनित रूप से निशाना लगाया जाए तो इससे नए भारत का विचार प्रभावित होता है जिसमें ज्ञान और विवेक को बहुत महत्व दिया गया है। यह प्रकरण इस तर्क को मजबूत करता लगता है कि नागरिकता देने का आधार संकुचित नहीं होना चाहिए। मुस्लिम बुद्धिजीवियों का अलग-थलग होना भी चिन्ता का विषय है।

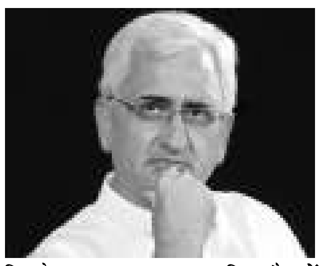

न्यायपालिका व सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता

उन स्थितियों पर लगाम लगाने की जरूरत है जहां न्यायपालिका व सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता खतरे में पड़ सकती हो। ऐसे में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

अजय कुमार
लेखक पूर्व आईपीएस व पूर्व सांसद हैं)

अधिकांश लोगों की तरह मुझे भी खाली समय में संगीत सुनना पसंद है। कला की अभिव्यक्ति के साथ ही गाने अक्सर संदेश देने का बहुत महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कुछ गानों में बहुत सौम्य तरीके से बुद्धिमत्तापूर्ण संदेश दिए गए हैं। लेकिन इसके साथ ही आपको कुछ ऐसे गाने सुनने को मिल सकते हैं जिनमें कहा गया है कि 'सुशांत सुपरस्टार तुम बिहार के खजाने थे। डीजीपी आए, उन्होंने आलोचनायें झेलीं, पर मामले को सीबीआई के पास ले गए। डीजीपी पर देश को गर्व है।' डीजीपी की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति वाले दिन जारी इस संगीत वीडियो के बारे में यह कहना उचित होगा कि इसमें निश्चित रूप से 'सौम्यता' का अभाव है।

संगीत वीडियो जारी होने तथा इस मामले में लक्षित डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे के बारे में खबरें आजकल राजनीति में प्रमुख स्थान पर हैं। हमें इनसे अवसर मिलता है कि देश की स्थिति का अवलोकन कर भारतीय सिविल सेवाओं और न्यायपालिका में बैठे कुछ लोगों के व्यवहार की समीक्षा की जाए। ये दोनों स्तंभ आधुनिक भारतीय राज्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इस सप्ताह के स्तंभ का शीर्षक थोड़ा विडंबनापूर्ण लगता है क्योंकि यह लेखक स्वयं एक समय 'बाबू' था और आज सक्रिय राजनीति में है। मैंने एक दशक पहले सिविल सेवा छोड़ कर राजनीति में प्रवेश किया था। ऐसे में मेरा विश्वास है कि इस विषय पर मेरा दृष्टिकोण अपने आप में विशिष्ट है।

स्पष्ट रूप से यह उन सवालों से अलग है जिनका संबंध सिविल सेवाओं या न्यायपालिका से आने वाले लोगों की नियुक्ति या नामांकन की नैतिकता से है। इन मुद्दों पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। इस पर चर्चा संविधान सभा की बैठक में भी हुई थी। प्रोफेसर के.टी. शाह ने एक संशोधन रखा था जिसमें सर्वोच्च न्यायालय या किसी उच्च न्यायालय में पांच साल से अधिक न्यायाधीश या सरकार के किसी मंत्रालय में कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके व्यक्ति की पुन: नियुक्ति पर नियंत्रण के प्राविधान थे। संशोधन के समर्थक के अनुसार इसके पीछे इरादा यह था कि 'यदि सेवानिवृत्ति के बाद अन्य उच्च पदों पर नियुक्ति का लालच दूर नहीं किया गया तो इससे कोई सत्तारूढ़ पार्टी कार्यपालिका का दुरुपयोग कर सकती है और लोगों को ऐसे लालच दिए जा सकते हैं जिनसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।' डा. बी.आर. अंबेडकर ने अंतत: यह संशोधन अस्वीकार कर दिया था क्योंकि उस समय विश्वास किया जाता था कि यह केवल सैद्धान्तिक संरक्षण होगा क्योंकि 'कार्यपालिका के पास न्यायपालिका को प्रभावित करने के अधिक अवसर नहीं हैं।' ऐसा कोई नियंत्रण न होने के साथ ही भारतीय संविधान न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति तथा भुगतान के बारे में विस्तृत प्रशासनिक व्यवस्था करता है। इसी प्रकार सिविल सर्वेन्टों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन जैसे विशेषाधिकार दिए गए हैं। इसके साथ ही किसी सिविल सर्वेन्ट को सेवा से हटाना अत्यधिक कठिन है। इन संरक्षणों का इरादा यह सुनिश्चित करना है कि सिविल सर्वेन्ट तथा न्यायाधीश बिना भय या लालच के संविधान द्वारा निर्धारित अपना दायित्व निभा सकें।

संभवत: डा. अंबेडकर को विश्वास था कि न्यायपालिका या सिविल सेवाओं में बैठे लोग अपने व्यक्तिगत नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए इस सीमा तक नहीं जाएंगे जहां इन संस्थानों की स्वतंत्रता पर सवाल उठें और उन पर दाग लगने की आशंका पैदा हो। लेकिन अब धीरे-धीरे स्पष्ट होता जा रहा है कि हमें नैतिकता के बारे में विधायन करने तथा उसकी विकृति होने पर दंड के प्राविधान करने होंगे। हाल ही में न्यायपालिका के संदर्भ में भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई का उदाहरण सबके सामने है जिनको राज्यसभा में नामांकित किया गया। इस कदम की अनेक न्यायाधीशों और वकीलों ने समान रूप से आलोचना की। उन्होंने इस तथ्य की ओर संकेत किया कि प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति उनका कार्यकाल समाप्त होने के कुछ ही महीनों के भीतर की गई। इस नियुक्ति के मामले में आलोचना इतनी गंभीर है कि एक वरिष्ठ पत्रकार ने डीजीपी द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने और संभवत: राजनीति में शामिल होने के कृत्य को 'गोगोई जैसा' मामला बताया है। सेवानिवृत्ति के फौरन बाद केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त द्वारा एक बड़े कार्पोरेट घराने में शामिल होने की भी इसी प्रकार आलोचना हुई है।

> **संभवतः डा. आंबेडकर को विश्वास था कि न्यायपालिका या सिविल सेवाओं में बैठे लोग अपने व्यक्तिगत नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए इस सीमा तक नहीं जाएंगे जहां इन संस्थानों की स्वतंत्रता पर सवाल उठें और उन पर दाग लगने की आशंका पैदा हो। लेकिन अब धीरे-धीरे स्पष्ट होता जा रहा है कि हमें नैतिकता के बारे में विधायन करने तथा उसकी विकृति होने पर दंड के प्रावधान करने होंगे।**

लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा है, इसका संबंध किसी खास घटना से नहीं है। एक विधि संबंधी थिंक टैंक 'विधि' द्वारा कराए एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 70 से अधिक सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने सेवानिवृत्ति के बाद अन्य दायित्व संभाले हैं। दुर्भाग्य से अनेक विधिक अधिकरणों में सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्ति की वर्तमान व्यवस्था के कारण ऐसा होना अपरिहार्य भी है। वर्तमान कानूनों के अनुसार इनके पदों पर सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को नियुक्त किया जाता है।

इस स्थिति में आगे का रास्ता क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि ऐसे मामलों में हर बार व्यक्तियों की निष्ठा पर विश्वास किया गया है। हालांकि, अनेक मामलों में लोगों ने साहस, निष्ठा तथा अपनी अंतश्चेतना के आधार पर काम किया है और अब भी कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोगों के कृत्यों द्वारा संस्थानों को हुए नुकसान को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। यह स्थिति इतनी भयावह हो सकती है कि इसका प्रभाव हमारे जैसे लोकतांत्रिक गणराज्य के आधारों पर पड़ सकता है। ऐसे में उन स्थितियों के बारे में विधायन की आवश्यकता है जहां न्यायपालिका या सिविल सेवाओं की स्वतंत्रता को खतरा पैदा हो सकता हो। एक समाधान सेवानिवृत्ति-पश्चात पदों को समाप्त करना तथा केवल वरिष्ठ कर्मियों की नियुक्ति करना हो जो इस समय न्यायाधीश या सिविल सर्वेन्ट के रूप में काम कर रहे हों। एक और विकल्प अमेरिका जैसा विधायन करना है जहां कुछ विभागों में वरिष्ठ सिविल सर्वेन्टों पर उन मामलों में अन्य सरकारी अधिकारियों के समक्ष पेश होने पर पूर्ण प्रतिबंध है जिनमें उन्होंने व्यक्तिगत रूप से या बड़े स्तर तक भाग लिया हो। पूर्व सिविल सर्वेन्ट अनिल स्वरूप ने अपनी पुस्तक 'इथिकल डिलेमाज़ आफअ सिविल सर्वेन्ट' में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग-यूपीएससी जैसी एक अलग संस्था बनाने का प्रस्ताव किया है। स्वरूप के अनुसार यूपीएससी जैसी एक संस्था ऐसे उम्मीदवारों की सूची बनाने के लिए होनी चाहिए जो सेवानिवृत्ति के बाद नियुक्तियों के बारे में निर्णय करे तथा इनको सत्तारूढ़ लोगों की इच्छा पर न छोड़ा जाए। मेरे विचार से ऐसी नियुक्तियों को एक विशेष व्यवस्था के माध्यम से सार्वजनिक किया जा सकता है। अनेक संभावित समाधान हैं, पर कोई समाधान लागू करने के पहले यह स्वीकार करना जरूरी होगा कि समस्या है और इसका फौरन ढांचागत समाधान होना चाहिए।

डा. मार्टिन लूथर किंग ने कहा था, 'नैतिक ब्रह्मांड का दायरा बहुत विस्तृत है, पर यह न्याय के पक्ष में झुका है।' मुझे उम्मीद है कि दीर्घकालीन रूप से हमारे संस्थान सफल रहेंगे क्योंकि अनेक न्यायप्रिय व्यक्ति इन संस्थानों की सेवा कर रहे हैं। मुझे यह विश्वास भी है कि वर्तमान समय के उदाहरण भावी पीढ़ियों की सतर्कता के लिए उदाहरण सिद्ध होंगे। ऐसा आज आपातकाल के उदाहरणों के बारे में लागू होता है। थोड़ा पीछे जा कर देखें तो स्पष्ट होगा कि यदि आज की परिस्थितियों में डा. अंबेडकर को प्रोफेसर के.टी. शाह द्वारा पेश संशोधन पर विचार का समय मिलता तो संविधान सभा द्वारा निकाला नतीजा एकदम अलग होता।

प्रकृति में है जीवन का मूल-मंत्र

> **"घमंड में चूर मानव विज्ञान को कोरोना महामारी ने एक मूल मंत्र दिया है, जिसकी जड़ें प्रकृति में निहित हैं। अर्थात हमें प्रकृति की ओर देखना चाहिए।"**

केशव प्रसाद मौर्य
(लेखक उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं)

कोरोना महामारी ने हमारे सामने बड़ा प्रश्न उपस्थित किया है। सच तो यह है कि इसने पुनर्विचार का अवसर दिया है। क्या इस संकट से हम अधिक आत्मिक रूप से समृद्ध होकर निकल पाएंगे। यदि इस प्रश्न का उत्तर हां है, तो यह जरूरी है कि अपनी प्रकृति सम्मत ज्ञान परंपरा का स्मरण करें। उस ज्ञान से चेतना का संचार करें। इसके लिए यह जहां अवसर है, वहीं चुनौती भी विद्यमान है।

इस बात का स्मरण रहे कि घमंड में चूर मानव विज्ञान को कोरोना महामारी ने एक मूल मंत्र दिया है, जिसकी जड़ प्रकृति में निहित हैं। अर्थात हमें प्रकृति की ओर देखना चाहिए। उससे ज्ञान अर्जित करना चाहिए। हम यही करते रहे हैं। भारतीय सभ्यता में प्रकृति का ऊंचा स्थान है। किंतु, सुविधा भोगी संसार में हम रास्ता भटक गए। हमें फिर से प्रकृति सम्मत ज्ञान के पथ पर लौटना होगा। उससे सीखना होगा कि जीवन में आगे कैसे बढ़ा जाए? कैसे आपदाओं से लड़ा जाए? 21वीं शताब्दी में प्रवेश करते- करते हमने मां-बाप, भाई-बहन, रिश्ते-नाते, गुरु-शिष्य के संबंधों की तासीर को तो एक हद तक याद रख पाए हैं, लेकिन प्रकृति से अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह बेफिक्र हो गए। प्रकृति के संबंध में गंभीरता से विचार करना हमने लगभग छोड़ दिया। जबकि, प्रकृति माता है। गुरु के तुल्य है। प्रकृति हममें जीने की आस जगाती है। निराशा के क्षण में उम्मीद की किरण देती है। लेकिन, हम अपनी ऋषि परम्परा को भूल गए, उसमें यह बाद निहित है कि प्रकृति के साथ सहज संबंध ही मनुष्य को पूर्णतर बनाता है।

मैं समझता हूं कि प्रकृति से अभिभावक तुल्य संबंध ही मानव दृष्टि का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। पतझड़ के मौसम में वृक्ष के सारे पत्ते टूटकर जमीन पर बिखर जाते हैं। लेकिन, वृक्ष पर उसका कोई असर नहीं होता है। वह तो मौसम के बदलने की राह देखता रहता है। फिर कुछ दिन बाद वृक्ष में पत्ते आने शुरू हो जाते हैं। फिर से वृक्ष पर हरियाली छा जाती है। वही ठूंठ पेड़ फिर से हम सबको छांव देने लगता है। इसी तरह से जीवन में एक समय आता हैए जब आशा के सभी पत्ते झड़ जाते हैं। हम तेजी

से निराशा की ओर बढ़ने लगते हैं। ऐसी बेला में धैर्य की जरूरत होती है। उसी ठूंठ वृक्ष के समान अविचल रहने की जरूरत आ पड़ती है। उस समय प्रकृति को अपना आराध्य मानकर चिंतन करना चाहिए। ऐसा कर व्यक्ति निराशा के बोझ से बाहर निकल सकता है। महामारी का यह वक्त संध्या बेला की तरह है। क्षणभर रहने वाली है। स्मरण रहे कि हमारे यहां संध्या को आत्माचिंतन के साथ वंदना की बेला कहा गया है। वह ध्यान में उतरने की बेला है। आराधना के साथ-साथ यह लोकरीति और गीति की बेला है। संध्या बेला सबके घर लौटने की बेला है। काम पर गया व्यक्ति होए गउ माताएं हो, चहचहाते पक्षी हों या फिर कोई और। दरअसल, पूरी प्रकृति समस्त ऐन्द्रिय व्याापार सिमटकर अंतर्मुख होने लगती है। समय के साथ इस बेला का अंत हो जाता है। यही प्रकृति का नियम है।

सो महामारी के इस काल में जैसी खबरें आ रही हैं, उससे लोगों में निराशा पैदा हो रही है। लोग निराशा के भाव में डूबते जा रहे हैं। युवा पीढ़ी की हताशा बढ़ रही है। कुछ आत्महत्या की खबरें भी आई हैं। वहीं घर-परिवार की कलह खुलकर सामने आ रही हैं। हालांकि, यह सब नहीं होना चाहिए। ऐसी विपरीत परिस्थिति में प्रकृति से उन्नयन की प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रकृति साक्षात उदाहण रूप में सामने है। यह सीख लेनी चाहिए कि जिस प्रकार प्रकृति परिवर्तनशील है, उसी तरह जीवन में बदलाव आता है। मानव जीवन प्रकृति का ही एक छोटा रूप है। जब हम पूजा करते हैंए तब भूमि पूजन, सूर्य पूजन, वनस्पति पूजन, अग्नि पूजन की चर्चा करते हैं। इसी तरह तुलसी, पीपल, वट सावित्री की पूजा करते हैं। लेकिन इन सबके बीच जब हम अपने जीवन के कुछ बिंदुओं पर चिंतन करते हैं तो निराश होने लगते हैं। यह उचित नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि वह व्यक्ति जो रात से उबरने की आस नहीं संभाल सकताए वह अगले प्रभात तक धीरज नहीं बंध सकता है। संघर्ष के अवसान पर ही सत्वर का उदय होता है।

हम जानते हैं कि प्रकृति अपना संदेश बड़े कोमल और सहज रूप में देती है। हम देखते हैं कि कमल कीचड़ में खिलात है। इसके बावजूद वह अपनी अलग पहचान बनाता है। कमल भारतीय संस्कृहति के सर्वप्रधान गुण समन्वरय का प्रतिमान है। इस पहचान से आशय यह है कि मनुष्य को भी अपने आसपास के कीचड़ से दूर रहकर अपनी अलग पहचान बनानी होगी। क्योंकिए कमल का संदेश तो यही है. कीचड़ के बीच भी गुण से युक्त रहें। कमल प्रकृति की सुंदर रचना है। इस सुंदर रचना के जरिए प्रकृति हमें सिखाती है कि मुस्कुराते रहिए और भारतीय संस्कृति प्रतीक पुरुष बने रहिए। साथ ही जीवन के आने वाले सुख दुख का आनंद लेते रहें।

इसी तरह नदियां और पहाड़ भी अपने व्यवहार से सूक्ष्म मानवीय गुण की शिक्षा देते हैं। इसलिए प्रकृति के हर रंग और रूप का आनंद लें। साथ ही इस बात की सीख अर्जित करें कि प्रकृति के अनुकूल कैसे जीवन पथ पर आगे बढ़ा जाए। प्रकृति के तौर पर हम तुलसी के पौधे, पीपल और वट के वृक्ष की पूजा करते हैं, जिससे हमारे मन में आत्मविश्वास बढ़ता है। यही आत्मविश्वास आगे बढ़ने का मूल मंत्र होता है।

आप की बात

नई शिक्षा नीति

आवश्यकता ही अविष्कार की जननी होती है, और समयानुसार परिवर्तन आवश्यक होता है। आज नई शिक्षा नीति के माध्यम से बड़ा बदलाव देखने को मिला। इसमें कोई दो राय नहीं कोरोना ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। शिक्षा नीति में परिवर्तन तो हुए ही साथ में मानव संसाधन मंत्रालय का भी नवीन नामकरण कर शिक्षा मंत्रालय कर दिया गया। बच्चों को बचपन से ही नई शिक्षा प्रणाली से जोड़ने का,जिससे कि वे आगे चलकर विदेशों में भी काम कर सके। जरूरत की मांग के अनुसार सरकार ने,बदलाव कर एक नया मार्ग और बेहतर भविष्य बनाने की कामना की। उच्च शिक्षा में रिसर्च के लिए जाने वाले छात्रों ले लिए भी,कम समय में ही पीएचडी कर सकेंगे। वहीं इंटरमीडिएट में हर विषय को समान माना गया है। कॉमर्स, साइंस या आर्ट्स हो, वोकेशनल या नॉन वोकेशनल, सभी को सामान्य दर्जा दिया गया है, छात्र अपने पसंद के अनुसार किसी में से भी कोई भी विषय चुन सकते हैं।हालांकि दिक्कत की बात ये है कि सरकार ने नई शिक्षा नीति तो ला दी, लेकिन रोजगार के लिए कुछ नहीं किया। आज वो बच्चे बेहद ना खुश है, जिन्होंने अपनी शिक्षा तो पूरी करली लेकिन अभी भी बेरोजगार हैं।

– **विनीत राठौर,** कानपुर

ड्रैगन की हिमाकत

ड्रैगन अपनी नापाक हरकतों से बाज़ नहीं आ रहा है। विश्व को कोरोना जैसी भयंकर महामारी से परेशान करने के बाद भी शायद अभी भी चीन को चैन नहीं मिला है। बहरहाल, ताइवान ने हाल ही में अमेरिकी दूत के इस स्व-शासित द्वीप के नेताओं से मुलाकात की और इस दौरान चीनी सेना ने अप्रत्याशित तौर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए ताइवानी क्षेत्र में लड़ाकू जेट समेत 18 विमान उड़ाए, तथा अमेरिकी विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी कीथ क्रेच ने ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्री और उप प्रमुख के साथ चर्चा की और उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से भी मुलाकात की व ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि, चीन के 18 लड़ाकू विमानों ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया है एवं उन्होंने कहा कि ताइवान ने चीनी विमानों की आवाजाही पर निगरानी रखी हुई है। वहीं, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेन ग्योकियांग ने इसे राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए ताइवान स्ट्रेट की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर की गई एक वैध और आवश्यक कार्रवाई करार दिया। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है, और इसके व अन्य किसी देश के बीच किसी भी तरह की औपचारिक वार्ता का सख्ती से विरोध करता है।

– **निधि जैन**, गाज़ियाबाद

टीवी चैनलों की चाल

लोकप्रिय पत्रकार व रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित रवीश कुमार जो किसानों, मजदूरों, गरीबों, कमजोरों,असहायों, बेरोजगारों व पीड़ितों की आवाज उठाने में अव्वल है। उन्होंने 25 सितंबर को किसानों द्वारा भारत बंद के आह्वान पर पत्र लिखा है। 25 सितंबर को होने वाले किसानों के आंदोलन को देश के प्रमुख राष्ट्रीय चैनलों में कोई सुर्खियां प्रमुखता नहीं मिलने की बात कही है क्योंकि इसी दिन फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण व अन्य की ड्रग्स मामले में पेशी है, जो राष्ट्रीय चैनलों में छाई रहेगी। दिनभर उसकी एक एक हलचल को कवरेज किया जाएगा, इसी विषय पर प्रमुखता से बहस होगी, क्योंकि...जय किसान, इस दिन गड्डी में समा जाएगा। किसान आंदोलन हाशिए से बाहर हो जाएगा। विडंबना है कि राष्ट्रीय चैनलों से मुख्य बुनियादी मुद्दे गायब हो गए हैं। उनके स्थान पर ऐसे मुद्दे छाए हुए रहते हैं जिससे ना तो जनता का भला होता है ना देश का। सरकार की नाकामियों को छिपाने के लिए राष्ट्रीय चैनल अजब गजब भूमिका निभा रहे हैं । रविश का पत्र सत्य से आगाह कराता है।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

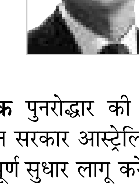

"**संप्रभुता** व क्षेत्रीय अखंडता बहाल करने एवं सुधारों का समर्थन करने में यूरोपीय संघ हमारे लिए प्रमुख है, हालांकि यूक्रेन यूरोपीय संघ में पूर्ण एकीकरण चाहता है।

– **वोलोदोमीर जेलेंस्की**
यूक्रेन के राष्ट्रपति

आर्थिक पुनरोद्धार की हमारी योजना के अंतर्गत मॉरीसन सरकार आस्ट्रेलिया की कंगाली व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार लागू करेगी।

– **जोश फ्रेड्रेनबर्ग**
आस्ट्रेलियाई कोषाधिकारी

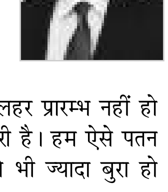

हमारे विशाल प्रांतों में दूसरी लहर प्रारम्भ नहीं हो रही है बल्कि पहले से ही जारी है। हम ऐसे पतन की कगार पर हैं जो वसंत से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।

– **जस्टिन ट्रूडियू**
कनाडा के प्रधानमंत्री"

सम्मान दिवस के रूप में मनाई चौ. देवीलाल की 107वीं जयंती

जजपा ने नुक्कड़ सभाओं पर सुनाए ताऊ की किस्से

प्रदेश भर में 2300 से ज्यादा यूनिट रक्तदान पौधारोपण भी किया

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

देशभर में पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती को सम्मान दिवस के रूप में जननायक जनता पार्टी, जननायक सेवा दल और इनसो ने पूरे श्रद्धाभाव से मनाया। प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी द्वारा नुक्कड़ सभा, रक्तदान शिविर व पौधारोपण के कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान सिंह व पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं व विधायकों ने गरीब, किसान, कमेरे वर्ग के मसीहा युगपुरुष जननायक चौधरी देवीलाल जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन करते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का प्रण लिया।

जींद में डॉ. अजय सिंह चौटाला ने किया खुद रक्तदान

जींद पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने त्रिवेणी लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की और इसके बाद उन्होंने खुद रक्तदान करते हुए ब्लड डोनेशन कैंप का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशभर के सभी जिलों में आयोजित रक्तदान शिविरों में पार्टी के नेताओं व युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 2300 से ज्यादा यूनिट रक्तदान किया।

चौ. देवीलाल की नीतियां देशभर के लिए प्रेरणादायक : डिप्टी सीएम

भिवानी व दादरी जिलों में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शिरकत की। उन्होंने दादरी में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में खुद रक्तदान किया। ताऊ देवीलाल के जन्मदिवस के अवसर पर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने जननायक चौधरी देवालाल को नमन करते हुए कहा कि चौ. देवीलाल की नीतियों से न केवल प्रदेश, बल्कि देशभर में उनसे प्रेरणा ली जाती है और उनके आधार पर जनहित की नीतियां भी बनी हैं।

चौ. देवीलाल की नीतियों से किसान-कमेरे वर्ग को पुहंचा फायदा-अनूप धानक

सिरसा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यमंत्री अनूप धानक ने खुद रक्तदान किया और कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल ने सदैव गरीबों, किसानों व बुजुर्गों के सम्मान में नीतियां बनाकर उन्हें लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि उन्हीं की कल्याणकारी नीतियों पर गठित जननायक जनता पार्टी पूरे प्रदेश में लोक कल्याण की भावना से काम कर रही है।

सोनीपत पहुंचे इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला

जजपा के विधायकों ने विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की। फतेहाबाद में पार्टी के विधायक जोगीराम सिहाग, करनाल में विधायक ईश्वर सिंह, पलवल में विधायक रामकरण काला, पानीपत में विधायक रामनिवास वाल्मीकि, नूंह में विधायक अमरजीत ढांडा और कैथल जिले में विधायक देवेंद्र सिंह बबली बतौर मुख्यतिथि पहुंचे। विधायकों ने देवीलाल जयंती के उपलक्ष्य में लगाए गए रक्तदान शिविरों का शुभारंभ किया और त्रिवेणी लगाई।

धर्मनगरी में जजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर मनाई ताऊ देवीलाल जयंती

कुरुक्षेत्र। देश के पूर्व डिप्टी प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की जयंती पर धर्मगनरी में जननायक जनता पार्टी द्वारा केडीबी हॉल में विशाल रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में जजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व हरियाणा के पूर्व स्पीकर सतबीर कादियान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मुख्यातिथि सतबीर कादियान व अन्य जजपा नेताओं ने रक्तदाताओं को बैज लगाया व उन्हें प्रमाण पत्र भेंट किए। शिविर में 110 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इससे पूर्व देवीलाल चौक पर पहुंचकर जजपा जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला, पूर्व जिलाध्यक्ष कुलदीप मुलतानी, मायाराम चंद्रभानपुरा, प्रो.रणधीर सिंह, युवा जिलाध्यक्ष जसविंद्र सिंह खैहरा, योगेश शर्मा, डा. संतोष दहिया सहित अन्य नेताओं ने ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके योगध्यान, सूबे सिंह त्यौड़ी, सुकरमपाल, होशियार सिंह, हरबख्श कठवा, जितेंद्र तखर, मांगेराम, अनवर खान, राजपाल, सतपाल कुरडी, धीरज नैन, हरविंदर संधु व अमित शर्मा सहित अन्य जजपा नेता व रक्तदाता मौजूद रहे।

पूरे देश में देवीलाल के जीवन से प्रेरणा लेकर बनी नीतियां : दुष्यंत चौटाला

भिवानी। भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल की 107वीं जयंती के अवसर पर देवीलाल सदन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 107 यूनिट रक्तदान की गई। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया और उनका हौंसला बढ़ाया। उप मुख्यमंत्री चौटाला ने कहा कि देवीलाल की जंयती पर प्रदेश भर में गांवों में पंचायत व शहरों में वार्ड स्तर पर पौधारोपण व जिला स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए। इसके साथ ही चौधरी देवीलाल की प्रतिमाओं के पास हवन-यज्ञ किया। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल की नीतियां ना केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश में उनसे प्रेरणा ली जाती है और उनके आधार पर जनहित की नीतियां भी बनी हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गो को पेंशन जैसी बड़ी सौगात दी, जिसके चलते आज बुजुर्ग सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। इसी प्रकार से किसानों का दस हजार रूपए तक का कर्जा माफ किया था। कृषि क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार नहरी पानी उपलब्ध कराया। प्रत्येक गांव में सडक़ों को जाल बिछाया और हर सडक़ को शहरों के साथ जोड़ा गया, ताकि किसान अपनी उपज को आसानी से मंडियों में ला सके और उनकी सुविधा के लिए ट्रेक्टरों का टोकन टैक्स भी समाप्त किया। चौटाला ने कार्यकर्त्ताओं को उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं तथा कार्यकर्ताओं की बदौलत ही आज वे सरकार में भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता को यदि कोई समस्या है तो वे उन्हें बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर प्रदेश संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, जिला प्रधान विजय गोठड़ा, पूर्व विधायक डॉ. शिव शंकर भारद्वाज, पार्षद ईश्वर मान, रामफल फौजी, जगदीश धनाना, जितेंद्र शर्मा, महेंद्र गोकलपुरा, रविंद्र पटौदी, वाईस चेयरमैन मामन प्रजापति, राजेश भारद्वाज, अल्का आर्य भी मौजूद रहे।

इनेलो ने किसान मसीहा देवीलाल की 107वीं जयंती श्रद्धा व उत्साह से मनाई

भिवानी। भिवानी में उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की 107वीं जयंती बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उसके बाद स्थानीय जाट धर्मशाला में विचार गोष्ठी का आयोजित कर पार्टी कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवीलाल के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक ओमप्रकाश गोरा, नरेंद वर्मा, सुनील लांबा, कुलवंत सिंह कोंटिया, इंदु परमार, दिलबाग चेयरमैन, अशोक ढ़ाणीमाहु, मीनी गौरीपुर, राज गागड़वास, अनुप बागनवाला, डॉक्टर मनजीत, विशाला बामला, धीरा पटौदी मदन वाल्मिकी, मदन ओड, मुख्तयार नाई, अंकित ढुल विशेष रूप से मौजूद रहे। सुनील लांबा व कुलवंत कोंटिया ने कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल सही मायने में किसान हितैषी थे, जिन्होंने किसान पीड़ा को बखूबी केवल समझा, बल्कि मुख्यमंत्री मंत्री बनने के बाद उसे दूर करने का हर संभव प्रयास भी किया। इसी कारण उन्हें आज भी किसानों के मसीहा के तौर पर याद किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दीनदयाल के एकात्म मानवाद को किया चरितार्थ : घनश्याम

कुरुक्षेत्र। यमुनानगर से विधायक घनश्याम अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार कर रहे हैं। उनकी राह पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के कल्याण पर योजनाओं को केंद्रित किया है। दीन दयाल उपाध्याय का सपना हर सिर को छत तथा हर पेट को भोजन था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी नीति का संकल्प लेकर योजनाएं शुरू की हैं। विधायक घनश्याम अरोड़ा शुक्रवार को पंचायत भवन में दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर पंचायत भवन में आयोजित वेबीनार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले भाजपा की ओर से सेक्टर-13 स्थित कार्यालय में दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पअर्पित किए। विधायक ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय ने गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं, वंचित और शोषित वर्ग के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान का सपना देखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे ही साकार रूप देने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि देश की एकताए अखंडता तथा राष्ट्रवाद की नीव रखने व देश में राजनीतिक अराजकता खत्म करने के लिए जनसंघ का जन्म हुआ था। आज भाजपा सरकार बनाकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उस स्वपन को साकार किया जा रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने अखंड भारत की कल्पना की थी। भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी ने कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यातिथि एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन गुरदयाल सुनहेड़ी, लोकसभा निगरानी कमेटी के संयोजक धर्मवीर डागर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शंकुतला शर्मा, जिला महामंत्री रविंद्र सांगवान, सुशील राणा, वेबीनार के संयोजक हैप्पी विर्क, विनीत बजाज एवं जिला मीडिया प्रभारी विनीत कवातरा, साहिल सुधा, जिला परिषद उपाध्यक्ष परमजीत कश्यप सहित अन्य मौजूद रहे।

हरियाणा में सभी स्कूलों को मिलेंगी महिला शिक्षक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों में महिला शिक्षकों को तैनात करने का फैसला किया है। विशेष रूप से जिन स्कूलों में छात्राएं हैं उन स्कूलों में महिला शिक्षकों की तैनाती की जाएगी। हरियाणा में 4283 ऐसे स्कूल हैं, जहां छात्राएं तो हैं लेकिन एक भी महिला शिक्षक नहीं हैं। हरियाणा बाल संरक्षण अधिकार आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा द्वारा इस बाबत दिए गए नोटिस के बाद सरकार यह बदलाव करने को राजी हुई है।

हरियाणा सरकार पिछले छह वर्षों के दौरान न केवल अपनी शिक्षा नीति को लागू कर चुकी है बल्कि नई ट्रांसफर पॉलिसी भी लागू की जा चुकी है। इसके बावजूद शिक्षको की तैनाती का अनुपात बिगड़ा हुआ है। राज्य में जहां महिला शिक्षकों की तैनाती नहीं है वहीं प्रदेश में 1200 के करीब ऐसे स्कूल हैं जहां पुरुष अध्यापक नहीं हैं। ज्योति बैंदा ने अपने पत्र में छात्राओं के साथ होने वाली यौन उत्पीड़न की घटनाओं का भी उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि छात्राएं महिला शिक्षकों के अभाव में अपने साथ होने वाली घटनाओं के बारे में नहीं बताती हैं। पुरुष शिक्षक होने के कारण लड़कियां खुद को असहज महसूस करती हैं। जिन 4283 महिला शिक्षक रहित स्कूलों का जिक्र आयोग ने अपने पत्र में किया, उसमें यह भी बताया गया कि इन स्कूलों में छात्राओं की संख्या भी 1 लाख 54 हजार से अधिक है। आयोग ने इस बाबत शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के सामने नाराजगी भी जताई और उन्हें नोटिस जारी करके जवाब भी तलब किया।

प्रदेश के 4283 स्कूलों में नहीं महिला शिक्षक

जिन स्कूलों में महिला शिक्षक नहीं हैं, उनमें से अधिकांश प्राइमरी व अपर-प्राइमरी स्कूल हैं। सरकार को लिखे पत्र में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन ज्योति बैंदा ने सरकार से ट्रांसफर पॉलिसी में बदलाव करने का भी सुझाव दिया ताकि इन स्कूलों में महिला टीचरों की नियुक्ति हो सके। ज्योति बैंदा का कहना है कि आयोग ने बीते दिनों शिक्षा निदेशालय से प्रदेश के 14000 स्कूलों का डाटा लेकर उसे एनालिसिस किया है।

आयोग द्वारा किए गए मूल्यांकन में पता चला कि उक्त 14000 स्कूलों में से 4078 स्कूल ऐसे हैं जिनमें एक भी महिला टीचर नहीं है। खास बात यह है कि इन 4078 स्कूलों में से 3872 स्कूल प्राइमरी है अपर प्राइमरी हैं। इतना ही नहीं इनमें से 746 स्कूल मेवात केडर के हैं जिनमें से 487 स्कूलों में कोई भी महिला टीचर नियुक्त नहीं है।

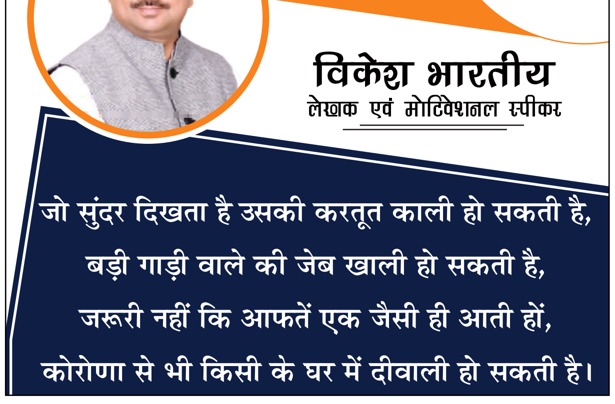

देवीलाल की 107वीं जयंती पर इनसो कैथल ने ताऊ देवीलाल पार्क में किया पौधारोपण

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

देवी लाल पार्क में त्रिवेणी लगाते हुए जजपा पूर्व जिलाध्यक्ष रणदीप कौल व इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता।

जननायक ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती को सम्मान दिवस के रूप में मनाते हुए इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता की अध्यक्षता में ताऊ देवीलाल पार्क हुडा में पौधारोपण किया और ताऊ देवीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मौके पर मुख्यातिथि जजपा पूर्व जिलाध्यक्ष रणदीप कौल रहे। रणदीप कौल ने कहा कि ताऊ देवीलाल ने सदैव किसान, मजदूर व कमेरे वर्ग के हकों की आवाज को बुलंद किया और उनके अधिकारों व हकों की रक्षा की है। ताऊ देवीलाल जैसी महान शख्सियत हजारों वर्षों बाद इस धरा पर जन्म लेती है। जिनका जन्म ही मानवता की सेवा के लिए होता है। इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ताऊ देवी लाल के दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रदेश की जनता की सेवा में लगे है।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के सच्चे हितैषी हैं। इनसो पूर्व जिलाध्यक्ष दर्पण मित्तल ने कहा कि दुष्यंत चौटाला की दिनोंदिन बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेस में खलबली मची हुई है। प्रदेश की गठबंधन सरकार जनता की आशाओं पर खरी उतरी है।

इस मौके पर इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता, पूर्व इनसो जिलाध्यक्ष दर्पण मित्तल, नरेंद्र बल्ली, विक्रम म्योली, राजेश राणा, अजय अटेला, सुमित भारद्वाज, रमेश मेहला और अभिषेक महता आदि उपस्थित रहे।

पंचायती फंड का दुरुपयोग किया तो डीसी ने सरपंच किया निलंबित

रेवाड़ी। विकास कार्यों में अनियमितता बरतने और पंचायती फंड का दुरुपयोग करने पर उपायुक्त यशेंद्र सिंह ने गांव बगथला के सरपंच को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गौरतलब है कि गांव बगथला के सरपंच प्रवेश के खिलाफ उपायुक्त यशेंद्र सिंह को शिकायत मिली थी कि उन्होंने विकास कार्यों में अनियमितता बरती है और पंचायती फंड का दुरुपयोग किया है। शिकायत मिलने के बाद उपायुक्त ने इसकी जांच जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी को सौंपी। कार्यकारी अधिकारी ने अपनी जांच में सरपंच प्रवेश पर लगाए गए सभी आरोप सही पाए, उपायुक्त ने हरियाणा तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

चुनाव से पहले बरोदा में घोषणाओं की बौछार

सरकार लगाएगी हैफेड की राइस मिल

आईएमटी से पैदा करेंगे रोजगार

ग्रामीण विकास को किए 65 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रेसवार्ता करते भाजपा के चुनाव प्रभारी, कृषि मंत्री जेपी दलाल।

एक तरफ जहां चुनाव आयोग ने बरोदा उपचुनाव की घोषणा को लेकर बैठक बुला ली है वहीं हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को बरौदा के लिए कई विकास परियोजनाओं का पिटारा खोल दिया। प्रदेश सरकार ने बरोदा में आईएमटी (इंडस्ट्रीयल मार्डन टाउनशिप) बनोन और राइस मिल स्थापित करने का फैसला लिया है। सरकार ने इन परियोजनाओं को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी है।

बरोदा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं कृषि मंत्री जेपी दलाल ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बरोदा में स्थापित होने वाली राइस मिल की क्षमता प्रति घंटा चार मीट्रिक टन की होगी। इस पर लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत आएगी। दलाल के अनुसार राइस मिल से किसानों को उनकी पैदावार के लाभकारी मूल्य मिलेंगे और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे।

दलाल ने कहा कि बरोदा के औद्योगिक विकास के लिए आईएमटी स्थापित करने का निर्णय लिया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को घेरते हुए दलाल ने कहा कि 50 वर्षों में बरोदा में कोई विकास नहीं हुआ। भाजपा सरकार ने हलके में कई नई विकास परियोजनाएं शुरू की। कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियां केवल पत्थर लगाने में विश्वास करती थी, जबकि भाजपा उन्हीं घोषणाओं को करती है जिन्हें पूरा किया जा सके। विकास परियोजनाओं के लिए हलके में 65 करोड़ रुपये भेजे गए हैं। यह राशि पंचायत व बीडीपीओ के खाते में भेजी है ताकि गांवों में विकास कार्य हो सकें। 13 करोड़ रुपये की लागत से हलके में 85 किमी लंबी सड़कों पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि बरोदा हलके से एक एक्सप्रेस-वे निकल रहा है। इसी पर आईएमटी स्थापित होगी ताकि यहां का औद्योगिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जलभराव की समस्या का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया पर किया गया गलत प्रचार

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बरोदा में उनका घेराव किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों को सिरे से नकारते हुए कहा कि कल सोशल मीडिया पर मेरे घेराव का गलत प्रचार किया गया है। यह विपक्ष की चाल है। लोगो ने अलग-अलग चुनाव में दिखा दिया उन्हें भाजपा का शासन चाहिए। कांग्रेस अपनी हार के लिए कभी ईवीएम को गलत बताती है तो कभी कोई बहाना बनाती है। प्रधान मंत्री ने कई ऐसे कदम उठाए जो देश हित के थे। अब मोदी ने किसान के उत्थान के लिए कदम इन तीन अध्यादेशों के माध्यम से उठाया तो कांग्रेस और विपक्ष ने इसका भी विरोध किया वह नहीं चाहते किसान आगे बढ़े।

संक्षिप्त समाचार

भिवानी में कोरोना के 50 नए केस आए

भिवानी। भिवानी में कोरोना की रफ्तार रुक नहीं रही है। कोरोना केसों की संख्या में उतार-चढाव होने पर स्वास्थ्य विभाग अब आंकड़ों की बाजीगीरी लगाने लगी है। मीडिया को जारी आंकड़ों को छुपाया जाता है। भिवानी जिले में आज शुक्रवार को 7 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। लेकिन बीती देर शाम एकाएक 43 कोरोना पोजिटिव केस आ गए। पर स्वाथ्य विभाग की प्रैस विज्ञप्ति में केवल 7 कोरोना केस ही बताए गए हैं। जिले में शुक्रवार को 50 कोरोना पॉजिटिव ठीक हुए हैं। सिविल सर्जन ने बताया कि भिवानी जिले में शुक्रवार को सात नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैं।

कुंडलिनी जागृति एवं आत्म साक्षात्कार को कार्यक्रम दो को

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्रीजी की जयंती पर 2 अक्टूबर को भारत की क्षेत्रीय और राष्ट्रीय भाषाओं में कुंडलिनी जागृति एवं आत्म साक्षात्कार पर एक ऑनलाइन सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक विकास एवं आध्यात्मिक उन्नति है। परम पूज्य माताजी निर्मला देवी की शिक्षाओं के अनुसार, कुंडलिनी मनुष्य के आध्यात्मिक उत्थान और बचाव की अंतर्निहित मातृशक्ति है, जो प्रत्येक व्यक्ति में विद्यमान है और उन्हें बस अपनी सुरक्षा और आध्यात्मिक उत्थान सुनिश्चित करने के लिए उसे जगाने की जरूरत है, चाहे वे किसी भी जाति, रंग, पंथ, धर्म या नस्ल के हों। डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सहजयोग डॉट ओआरजी डॉट इन/लाईव पर प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम कुंडलिनी जागरण और आत्म साक्षात्कार का अनुभव करने के लिए है और आम जनता के लिए नि:शुल्क है, जो उनके भीतर मौजूद कुंडलिनी शक्ति के माध्यम से उनकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और उनका बचाव करने में सहायता करेगा।

कुविवि के तीन प्राध्यापक बने एकेडमिक कॉउसिल के सदस्य

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कुलपति डा. नीता खन्ना के निर्देशानुसार संगीत एवं नृत्य विभाग की प्रोफेसर डॉ. शुचिस्मिता सिंह, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के प्रोफेसर डॉ. जोगिन्दर सिंह व बायोटैक्नालॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. ऋतु महाजन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की एकेडमिक कौंसिल का सदस्य नियुक्त किया है। लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डा.दीपक राय ने बताया कि वे तीन अक्टूबर से एकेडमिक कौंसिल के सदस्य होंगे।

डेंगू से बचाव के लिए भिवानी शहर में हो रही है दिन-रात फोगिंग

भिवानी। डेंगू व कोरोना महामारी संक्रमण से रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उपायुक्त के आदेशानुसार नगर परिषद की टीम द्वारा दिन-रात फोगिंग की जा रही है। कभी सरकुलर रोड तो कभी शहर की अन्य कॉलोनियों में फोगिंग हो रही है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों शहर में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन भी गंभीर हो गया है। स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद प्रशासन द्वारा पूरे शहर में फोगिग व दवाई का छिड़काव करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ-साथ लोक निर्माण विभाग, रोडवेज, वन विभाग, नगर परिषद, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग सहित सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे उनके कार्यालय परिसर या उनके अधीन आने वाले ऐसे क्षेत्रों की पहचान करें, जहां पर डेंगू के मच्छर पनपने की संभावना हो। ऐसी जगहों पर तुरंत प्रभाव से फोगिंग करवाई जाए। नगर परिषद द्वारा न केवल दिन के समय में, बल्कि रात के समय में भी फोगिंग की जा रहा है।

केंद्र सरकार की शव यात्रा निकाल पुतला दहन किया

भिवानी। तमाम किसान संगठनों के आह्वान पर भारत बंद में मजदूर संगठनों सीटू, एटक, इंटक, एचएमएस, अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान यूनियन, सर्व कर्मचारी संघ, आप पाटी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, लेबर क्रांति मोर्चा, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किसान व मजदूर विरोधी काले कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर केन्द्र सरकार की शव यात्रा निकाली व हांसी गेट पर पुतला दहन किया। इन संगठनों की ओर से नेहरू पार्क में एक सभा की जिसकी अध्यक्षता किसान नेता मास्टर शेर सिंह ने की व मंच संचालन कामरेड़ ओमप्रकाश ने किया। सभा में सभी वक्ताओं ने केन्द्र सरकार द्वारा तीन कृषि कानूनों को किसान व जनता विरोधी बताते हुए कहा कि ये न केवल किसानों को बर्बाद करके बन्धुआ मजदूर बना देंगे बल्कि गरीबों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भी खत्म कर देंगे, इससे महंगाई पर रोक लगाना मुश्किल हो जायेगा। जिससे न केवल किसानों व मजदूरों की बल्कि जनता की भारी लूट के अवसर मिल जाएंगे। पूरे किसान वर्ग को कारपोरेट द्वारा लूट कर भूखा मारने की स्थिति में ला देंगे। उन्होंने कहा कि मजदूरों के तमाम सुरक्षा कानून खत्म करके उनके शोषण की चक्की में झोक देंगे। इससे बड़े पैमाने पर बेरोजगार मजदूर आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाएंगे। सामाजिक सुरक्षा के तमाम कानूनों को खत्म करके मालिकों के रहमों करम पर जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इन जन विरोधी कानूनों को रद्द करें। कार्यक्रम के दो प्रस्ताव पास करके पीटीआई अध्यापको को बहाल करने, आशा वर्करों की मागों को मानने की मांग की गई है।

जजपा ने कस्बा सीवन में भी किया पौधा रोपण

कैथल। कस्बा सीवन के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज जजपा कार्यकर्ता द्वारा ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती पर त्रिवेणी का पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष रणदीप कौल ने मुख्यातिथि के रूप में पहुंचकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शुभम गुप्ता, रणदीप कौल, सुरेंद्र राणा, जय शर्मा, राजीव शर्मा, कुलदीप शर्मा, दर्पण मित्तल पूर्व जिलध्यक्ष इनसो, विक्र म मियोली, राजेश फरल, बल्ली पाई, भूपी क्योदक, सचिन क्योड़क, उमेश शर्मा व अभिषेक मेहता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लूट, डकैती, हत्या मामलों में वांछित तीन कुख्यात आरोपी काबू

कैथल। एडवोकेट जगदीप तंवर पर अवैध पिस्तौल से जानलेवा हमला करके गाड़ी लूटने वाले कुख्यात अंतरराज्जीय लुटेरा गिरोह से जुड़े 3 शातिर सक्रिय अपराधी सीआईए-1 पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए हैं। एक आरोपी के कब्जे से .32 बोर की अवैध पिस्तौल बरामद की है। 19 सितंबर की रात राजौंद क्षेत्र में लुटेरों के साथ सीआईए-1 पुलिस की मुठभेड़ के दौरान मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। शेष गिरफ्तार आरोपियों में से एडवोकेट लूट मामले के उपरांत आरोपियों को शरण देने वाला आरोपी और गिरोह को असला-अमुनेशन सप्लाई करने वाला आरोपी भी शामिल है। सीआईए-1 प्रभारी इंस्पेक्टर अनूप सिंह की अगुवाई में एसआई बिजेंद्र सिंह, हेडकांस्टेबल तरसेम कुमार तथा एचसी मनीष कुमार की टीम द्वारा आरोपियों को शरण देने वाले बीरबल नगर नरवाना जिला जींद निवासी 24 वर्षीय अमित उर्फ भूरिया को नरवाना में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है।

चीन के शिनजियांग में 380 हिरासत शिविरों का पता चला

यह रिपोर्ट एक दिन पहले जारी हुई है

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक का मनना है कि चीन शिनजियांग में गोपनीय हिरासत केन्द्रों की संख्या बढ़ा रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई सामरिक नीति संस्थान (एएसपीआई) ने उपग्रह तस्वीरों और आधिकारिक निर्माण निविदा दस्तावेजों के माध्यम से पता लगाया कि शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में 380 से अधिक संदिग्ध हिरासत केन्द्र हैं। इनमें पुनर्शिक्षण शिविर, हिरासत केन्द्र और जेल शामिल हैं, इनका निर्माण हाल ही में किया गया है अथवा 2017 के बाद से इनमें विस्तार हुआ है। यह रिपोर्ट उन सबूतों पर आधारित है कि चीन ने अस्थाई सार्वजनिक इमारतों में उइगुर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नजरबंद करने की नीति में बदलाव किया है और उन्हें स्थाई सामूहिक हिरासत केन्द्रों में रखा जा रहा है।

संस्थान के शोधकर्ता नाथन रुसर ने एक रिपोर्ट में लिखा, उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं कि शिनजियांग के पुनर्शिक्षण नेटवर्क में बंद कई न्याएतर बंदियों को अब औपचारिक रूप से आरोपित किया जा रहा है और उन्हें उच्च सुरक्षा वाले केंद्रों में बंद किया गया है। इनमें नव-निर्मित अथवा विस्तारित जेल भी शामिल है, या इन्हें जबरदस्ती मजदूरी करने के लिए कारखाना परिसरों में रखा गया है। यह रिपोर्ट एक दिन पहले जारी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2020 तक कम से कम 61 हिरासत केंद्रों में नए निर्माण किए गए हैं या उनका विस्तार किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं, पत्रकारों के लिए वीजा की तय समयसीमा का प्रस्ताव पेश किया

हालांकि इस प्रस्ताव में किसी एक देश के नाम का जिक्र नहीं है

ललित के झा। वाशिंगटन

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में विदेशी छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और पत्रकारों के वीजा के लिए एक निर्धारित समयसीमा का बृहस्पतिवार को प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि वह मौजूदा वीजा कार्यक्रम के दुरुपयोग को लेकर चिंतित है और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बढ़ने की आशंका है।

प्रस्ताव को शुक्रवार को फेडरल रजिस्टर में अधिसूचित किया जाएगा। हालांकि इस प्रस्ताव में किसी एक देश के नाम का जिक्र नहीं है, लेकिन इसे प्रणाली में मौजूदा खामियों का चीन द्वारा दुरुपयोग किए जाने के मद्देनजर लाया गया है। विदेशी छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और पत्रकारों की वीजा श्रेणियों में सर्वाधिक लाभ चीन को ही हुआ है। प्रस्तावित नियम के तहत एफ (छात्र वीजा) या जे (अनुसंधानकर्ता वीजा) गैर प्रवासियों को उनका कार्यक्रम समाप्त होने की अंतिम तिथि तक के लिए अमेरिका में प्रवेश दिया जाएगा और इसकी अधिकतम अवधि चार साल होगी। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने कहा कि जिन देशों के नागरिकों के वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अमेरिका में रहने की दर अधिक है, उनके नागरिकों को दो साल की तय अवधि के लिए ही रहने की अनुमति होगी।

मंत्रालय ने कहा कि यदि कोई विदेशी आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों की सूची में शामिल देश में जन्मा है या उसके पास ऐसे किसी देश की नागरिकता है, तो ऐसी स्थिति में भी उसके अमेरिका में ठहरने की अवधि अधिकतम दो साल के लिए सीमित की जा सकती है। इसके अलावा मंत्रालय ने आई गैर प्रवासियों (विदेशी पत्रकारों) के लिए 240 दिन की समय सीमा तय करने का प्रस्ताव रखा हैं, जिसे उनके कार्य को देखते हुए अधिकतम 240 और दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता हैं। इस समय, आई वीजा पर कई विदेश पत्रकार अमेरिका में दशकों से रह रहे हैं। मंत्रालय ने बताया कि विदेशी छात्रों को देश छोड़ने के लिए अब मौजूदा 60 दिन के बजाय 30 दिन मिलेंगे। हितधारकों को इस अधिसूचना का जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया जाएगा। उसने कहा कि विदेशी छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं को मीडियाकर्मियों की संख्या बढ़ने के कारण उसके लिए उनकी निगरानी करना मुश्किल हो गया है।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव परिणाम स्वीकार करेंगे ट्रंप : व्हाइट हाउस

ट्रंप ने हार की स्थिति में सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता जताते से इनकार कर दिया था

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा है कि यदि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव होते हैं, तो देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव परिणाम स्वीकार करेंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केली मेकनैनी ने ऐसे समय में यह बयान दिया है, जब राष्ट्रपति ने तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में हार मिलने की स्थिति में सत्ता के शांतिपूर्वक हस्तांतरण को लेकर प्रतिबद्धता जताने से इनकार करके हाल में विवाद खड़ा दिया है। मेकनैनी ने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को लेकर आश्वासन मांगने संबंधी सवाल के जवाब में कहा, राष्ट्रपति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के परिणाम स्वीकार करेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि यदि आप यह प्रश्न डेमोक्रेटिक पार्टी से पूछे, तो बेहतर होगा, क्योंकि उसके नेता पहले ही कह रहे हैं कि वे चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं करेंगे।

मेकनैनी से पत्रकार ने सवाल किया गया था, मैं उस बात का जिक्र कर रहा हूं, जब राष्ट्रपति से यह पूछा गया था कि क्या सत्ता का शांतिपूर्वक हस्तांतरण होगा, तो उन्होंने हां नहीं कहा था, इसलिए मैं अब पूछ रहा हूं कि यदि वह चुनाव हार जाते हैं, तो क्या सत्ता का शांतिपूर्वक हस्तांतरण होगा? प्रेस सचिव ने कहा, दक्षिण कैरोलाइना के डेमोक्रेट नेता जिम क्लिबर्न ने कहा कि ट्रंप निष्पक्ष चुनाव होने पर जीत नहीं पाएंगे। सीनेटर बारबरा बॉक्सर ने कहा कि ट्रंप के जीतने का एक मात्र जरिया यह है कि वह उसे चुरा लें। उन्होंने कहा, वाशिंगटन पोस्ट ने शीर्षक दिया था कि ट्रंप के जीतने पर डेमोक्रेट परिणाम पर संभवतः भरोसा नहीं करेंगे।

हिलेरी क्लिंटन ने कहा था कि जो बाइडेन को किसी भी हाल में हार नहीं माननी चाहिए। मेकनैनी ने कहा, राष्ट्रपति स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के परिणाम स्वीकार करेंगे। वह अमेरिकी लोगों की इच्छा स्वीकार करेंगे। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने चुनाव में हार की स्थिति में सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को लेकर प्रतिबद्धता जताते से इनकार कर दिया था और ईमेल या डाक के जरिए मतदान (मेल-इन-बैलेट) को लेकर संदेह व्यक्त करते हुए इसे अनर्थ करार दिया था। व्हाइट हाउस में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप से सवाल किया गया कि चुनाव में हार मिलने की स्थिति में क्या वह व्हाइट हाउस शांतिपूर्वक छोड़ देंगे? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, हम देखेंगे कि क्या होता है।

सरकार ने फेम चरण-दो के तहत 670 ई-बसों, 241 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकार ने फेम इंडिया योजना चरण-दो के तहत महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और चंडीगढ़ के लिए 670 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी दी है। इसके अलावा योजना के तहत मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गुजरात और पोर्ट ब्लेयर के लिए कुल 241 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी दी है।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को कहा कि यह फैसला केंद्र की पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता को कम करने और वाहन से उत्सर्जन के मुद्दे को हल करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरणनुकूल सार्वजनिक परिवहन के दृष्टिकोण के भी अनुरूप है। जावड़ेकर ने कहा, यह एक अच्छी शुरुआत है। शहरों में ई-बसों, ई-रिक्शा, ई-स्कूटी तथा ई-कारों से पर्यावरणनुकूल परिवहन को आगे बढ़ाया जा सकता है। मंत्री ने कई ट्वीट कर बताया कि कोल्लम के लिए 25 चार्जिंग स्टेशनों, तिरुवनंतपुरम के लिए 27, मलप्पुरम (सभी केरल) के लिए 28 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी दी गई है। पोर्ट ब्लेयर के लिए 10 और तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के लिए 25 चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी गई है। जावड़ेकर ने कहा कि बिजलीचालित वाहनों को प्रोत्साहन के लिए चार्जिंग स्टेशन सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा है। उन्होंने कहा, पहले ही विभिन्न शहरों में 450 बसें दौड़ रही हैं। अब 670 ई-बसों को मंजूरी दी गई है। महाराष्ट्र के लिए 240, गुजरात के लिए 250, गोवा के लिए 100 और चंडीगढ़ के लिए 80 ई-बसों को मंजूरी दी गई है। केरल और अन्य राज्यों के लिए भी ई-चार्जिंग स्टेशन मंजूर किए गए हैं। भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्रालय के तहत भारी उद्योग विभाग अप्रैल, 2015 से फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (हाइब्रिड एंड) इलेक्ट्रिक वेहिकल्स इन इंडिया (फेम इंडिया) योजना को चला रहा है।

एसीसी ने सेल के निदेशक मंडल के पुनर्गठन की अनुमति दी

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल के निदेशक मंडल (बोर्ड) के पुनर्गठन की मंजूरी दे दी है। इस्पात मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया है कि बोर्ड के पुनर्गठन से कंपनी की दक्षता में सुधार होगा। साथ ही इससे कंपनी में विकेंद्रीकरण आएगा। इस्पात मंत्रालय ने कहा, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सेल के बोर्ड के पुनर्गठन की अनुमति दे दी है। सेल के एकीकृत इस्पात संयंत्रों के चार मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को कार्यात्मक निदेशक पद पर पदोन्नत किया जाएगा। इन्हें बोकारो, राउरकेला, भिलाई का निदेशक-इन-चार्ज बनाया जाएगा। इसके अलावा बर्नपुर तथा दुर्गापुर के इस्पात संयंत्रों के लिए एक निदेशक-इन-चार्ज होगा। पुनर्गठन के तहत निदेशक (कच्चा माल एवं लॉजिस्टिक्स) तथा निदेशक (परियोजना एवं कारोबार योजना) के कामकाज और दायित्व का निदेशक (तकनीकी) के साथ विलय किया जाएगा। विलय के बाद इसे निदेशक (तकनीकी, परियोजना और कच्चा माल) कहा जाएगा। पुनर्गठित बोर्ड में चेयरमैन, निदेशक (वित्त), निदेशक (वाणिज्यिक), निदेशक (तकनीकी, परियोजना और कच्चा माल), निदेशक (कार्मिक) तथा एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निदेशक इन-चार्ज शामिल रहेंगे। इसके अलावा बोर्ड में कंपनी कानून, 2013 के अनुरूप गैर-आधिकारिक निदेशक और लोक उपक्रम विभाग (डीपीई) की नीति के तहत सरकार की ओर दो मनोनीत निदेशक रहेंगे।

मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से कंपनी में विकेंद्रीकरण बढ़ेगा। साथ ही संयंत्रों के निदेशक-इन-चार्ज की नियुक्ति सीधे एसीसी द्वारा किए जाने से निर्णय प्रक्रिया तेज हो सकेगी। मंत्रालय ने कहा कि इससे देश की सबसे बड़ी इस्पात कंपनी के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

भ्रष्टाचार की मार सबसे अधिक निर्धन लोगों पर पड़ी है : संयुक्त राष्ट्र समिति

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की एक समिति ने कहा है कि कर चोरी, भ्रष्टाचार और धनशोधन के कारण सरकारों के अरबों डॉलर ज़ाया हो रहे हैं, जिनका इस्तेमाल विश्व में निर्धन लोगों के कल्याण के लिए हो सकता था। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक जवाबदेही, पारदर्शिता और ईमानदारी पर एक उच्च स्तरीय समिति की बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हो सकता है कि सरकारें समस्याओं और इनके हल पर सहमत नहीं हों, पर वे कॉर्पोरेट कर चोरी के कारण करीब 500 अरब डॉलर का नुकसान उठा रहीं हैं। समिति की सह अध्यक्ष और लिथुआनिया की पूर्व राष्ट्रपति दालिया ग्रेबाउसकाइते ने कहा, भ्रष्टाचार और कर चोरी तेजी से फैल रहे हैं। बहुत से बैंकों की इसमें मिलीभगत है और पूर्व में बहुत सी सरकारें इसमें लिप्त रही हैं। हम सब को, खास तौर पर विश्व भर के निर्धन लोगों को लूटा जा रहा है।

एच-1बी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण देने पर 15 करोड़ डॉलर खर्च करेगा अमेरिका

एच-1बी गैर-आव्रजक वीजा होता है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को विशेष तकनीकी दक्षता वाले पदों पर विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति होती है

वाशिंगटन। अमेरिका ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मध्यम से उच्च दक्षता वाले एच-1बी पदों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। अमेरिका ने कहा है कि वह इस एक श्रमबल प्रशिक्षण कार्यक्रम पर 15 करोड़ डॉलर खर्च करेगा। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसमें हजारों की संख्या में भारतीय पेशेवर काम करते हैं।

एच-1बी गैर-आव्रजक वीजा होता है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को विशेष तकनीकी दक्षता वाले पदों पर विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति होती है। इस वीजा के जरिए प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों कर्मचारियों की नियुक्ति करती हैं। श्रम विभाग ने कहा कि मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी या आईटी, साइबर सुरक्षा, आधुनिक विनिर्माण, परिवहन जैसे क्षेत्रों में एच-1बी एक श्रमबल अनुदान कार्यक्रम का इस्तेमाल किया जाएगा और मौजूदा के साथ नई पीढ़ी के कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे भविष्य के लिए श्रमबल तैयार किया जा सके। विभाग ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से न केवल श्रम बाजार बाधित हुआ है, बल्कि इसके चलते कई शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वालों तथा नियोक्ताओं को सोचना पड़ रहा है कि वे अपने कर्मचारियों को कैसे प्रशिक्षित करें। अनुदान कार्यक्रम के तहत विभाग का रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रशासन अधिक एकीकृत श्रमबल प्रणाली को प्रोत्साहन के लिए वित्तपोषण और संसाधनों को तर्कसंगत बनाएगा। अनुदान के लिए आवेदन करने वालों को नवोन्मेषी प्रशिक्षण रणनीतियों के जरिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना होगा। इनमें ऑनलाइन और अन्य प्रौद्योगिकी आधारित प्रशिक्षण शामिल है।

स्थानीय सार्वजनिक-निजी-भागीदारी के तहत आवेदकों को अपने समुदायों के बीच कर्मचारियों को आवश्यक कौशल का प्रशिक्षण देना होगा, जिससे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एच-1बी वाले पदों के लिए मध्यम से उच्च कौशल वाले कर्मचारी उपलब्ध होंगे।

नीतीश कुमार ने संरा में जलवायु परिवर्तन पर राज्य के सतत विकास प्रयास साझा किए

बैठक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की ओर से आयोजित की गई थी

योशिता सिंह। संयुक्त राष्ट्र

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जलवायु परिवर्तन पर आयोजित एक बैठक में अपने राज्य की नीतियों और पर्यावरण अनुकूल कृषि तथा जल संरक्षण सहित सतत विकास प्रयासों को साझा किया जिनका उद्देश्य वैश्विक तापमान 1.5 सेल्सियस ने नीचे रखने के लक्ष्य को पाने में योगदान देना है।

यह बैठक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की ओर से आयोजित की गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र से इतर क्लाइमेंट एंबीशन विषय पर वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए आयोजित उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक में शिरकत करने वाले कुमार एकमात्र भारतीय नेता थे। उन्होंने कहा कि बिहार जहां वैश्विक आबादी के दो प्रतिशत लोग हैं, 2015 के पेरिस समझौते में उल्लेखित अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में एक अहम पक्षकार है।

कुमार ने अपने वीडियो संबोधन में कहा, बिहार में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों जैसे अनियमित वर्षा, अत्यधिक गर्मी, गिरते भूजल स्तर, सूखे और भीषण बाढ़ को ध्यान में रखते हुए हमने जल विकास और हरियाली अभियान के तहत अपनी रणनीति तैयार की है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का दृढ़ विश्वास है कि जीवन का कोई भी रूप तभी संभव है जब पानी और हरित क्षेत्र हो। कुमार ने कहा, हमारी नीति में जलवायु अनुकूल कृषि, सतह और भूजल का संरक्षण, सौर ऊर्जा, स्वच्छ ईंधन और जैव विविधता संरक्षण शामिल है और यह हमें सतत विकास के मार्ग पर आगे ले जा रही है। उन्होंने कहा, विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाले स्थानों में से एक होने के बावजूद हम खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए खाद्य वनीकरण के साथ ही हरित क्षेत्र भी बढ़ा रहे हैं। हमने इसके लिए राज्य के बजट में 3.5 अरब डॉलर अतिरिक्त आवंटित किए हैं। कार्य मिशन मोड पर चल रहा है।

कुमार ने कहा, यह 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देगा। बैठक में गुतारेस ने अपने संबोधन में कहा, सभी कारकों - सरकारें, शहर कंपनियां, गैर-सरकारी संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को 2050 से पहले नेट-शून्य के लिए अपनी स्वयं की योजना बनाने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि नेट जीरो उत्सर्जन का मतलब इंसान के कार्यों से उत्पन्न ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करते हुए इसे एकदम समाप्त करना है।

फोन से लार की जांच के लिए भारतवंशी की अगुवाई वाले दल को एक लाख डॉलर का पुरस्कार

सीमा हाकू काचरू। ह्यूस्टन

लार के जरिए संक्रामक रोगों और पोषक तत्वों की कमी का मोबाइल फोन के जरिए पता लगाने वाली त्वरित प्रणाली विकसित करने के लिए एक भारतीय अमेरिकी वैज्ञानिक के नेतृत्व वाले दल को एक लाख डॉलर के पुरस्कार से नवाजा गया है।

सौरभ मेहता की अगुवाई वाले कॉरनेल के अनुसंधानकर्ता दल को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के टेक्नोलॉजी एक्सिलरेटर चैलेंज पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार वैश्विक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नई और नॉन-इन्वेसिव (जिसमें त्वचा को काटा नहीं जाता या शरीर में किसी उपकरण का प्रवेश नहीं कराया जाता) निदान प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा देता है। कॉलेज ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी (सीएचई) में पोषण विज्ञान विभाग में वैश्विक स्वास्थ्य, महामारी विज्ञान और पोषाहार के एसोसिएट प्रोफेसर मेहता के मुताबिक लार के बायोमार्कर का इस्तेमाल करने वाली प्रौद्योगिकियां मलेरिया जैसे रोगों और शरीर में लौह तत्व आदि की कमी का पता लगाने और उन पर ध्यान देने की दिशा में क्रांतिकारी साबित हो सकती हैं। उन क्षेत्रों में ये और भी अधिक कारगर हो सकती हैं जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच एवं पारंपरिक प्रयोगशाला आधारित जांच सीमित हैं।

उन्होंने कहा, यह अवधारणा दुनिया में कहीं भी नॉन-इन्वेसिव, त्वरित और सटीक परिणाम देने से संबंधित है। इस तरह से मोबाइल से परीक्षण की यह उपलब्धि दुनियाभर में संवेदनशील आबादी के लिए अपार स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने वाली हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

महत्वपूर्ण पहल है आत्मनिर्भर भारत : आईएमएफ

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील को एक अहम पहल करार दिया है। आईएमएफ में संचार विभाग के निदेशक गेरी राइस ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, कोरोना वायरस संकट के बाद घोषित आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत दिए गए आर्थिक पैकेज ने भारतीय अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है और बड़े जोखिमों को कम किया है, इसलिए हम इस पहल को अहम मानते हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है भारत को वैश्विक अर्थव्यवथा में एक अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है और ऐसे में अर्थव्यवस्था में प्रतिद्वंद्वता और दक्षता बढ़ाने को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां अहम हैं। राइस ने कहा, भारत में मेक फॉर द वर्ल्ड लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना प्राथमिकता होनी चाहिए, जो भारत को व्यापार, निवेश एवं प्रौद्योगिकी समेत अन्य माध्यमों से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एकीकृत कर सकें। उन्होंने एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि नीति आयोग और वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर किए गए आईएमएफ के अध्ययन में पता चला है कि स्वास्थ्य संबंधी स्थाई विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल खर्च जीडीपी के मौजूदा 3.7 प्रतिशत से धीरे-धीरे बढ़ाना होगा। राइस ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी भारत को अधिक समावेशी एवं सतत मध्यमकालीन विकास हासिल करने के लिए समग्र संरचनात्मक सुधार की आवश्यकता है।

सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। हाजिर मांग कमजोर पड़ने के कारण कारोबारियों ने अपने जमा सौदे को कम किया जिससे वायदा बाजार में सोना शुक्रवार को 0.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,806 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एमसीएक्स में अक्टूबर महीने में डिलिवरी वाले सोना अनुबंध की कीमत 98 रुपये यानी 0.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,806 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसमें 4,219 लॉट के लिए कारोबार हुआ। न्यूयार्क में सोने का भाव 0.09 प्रतिशत गिरकर।,875.30 डॉलर प्रति औंस रह गया।

कच्चातेल वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा बाजार में कच्चा तेल शुक्रवार को 11 रुपये की तेजी के साथ 2,984 रुपये प्रति बैरल हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर महीने की डिलिवरी वाले कच्चा तेल अनुबंध की कीमत 11 रुपये यानी 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,984 रुपये प्रति बैरल हो गई। इसमें 2,893 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में कच्चा तेल कीमतों में तेजी आई। हालांकि वैश्विक स्तर पर, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड का भाव 0.30 प्रतिशत गिरकर 40.43 डॉलर प्रति बैरल चल रहा था। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42.12 प्रति बैरल के स्तर पर था।

चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपनपे सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा बाजार में चांदी की कीमत शुक्रवार को 279 रुपये टूटकर 59,350 रुपये किलो रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर महीने की डिलिवरी के लिए चांदी 279 रुपये यानी 0.47 प्रतिशत टूटकर 59,350 रुपये किलो रह गई। 15,778 लॉट के लिए कारोबार हुआ। न्यूयार्क में चांदी की कीमत 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23.27 डॉलर प्रति औंस बोली जा रही थी।

रिफाइंड सोया तेल वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। सटोरियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में शुक्रवार को रिफाइंड सोया तेल की कीमत 12.8 रुपये की तेजी के साथ 906.8 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई। एनसीडीईएक्स में रिफाइंड सोया के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 12.8 रुपये अथवा 1.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 906.8 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई जिसमें 27,415 लॉट के लिए कारोबार हुआ। रिफाइंड सोया के नवंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 13.1 रुपये अथवा 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 904 रुपये प्रति 10 किग्रा हो गई जिसमें 16,220 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि व्शपारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने के कारण वायदा कारोबार में रिफाइंड सोया की कीमतों में तेजी आई।

धनिया वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को धनिया की कीमत 46 रुपये की तेजी के साथ 6,582 प्रति क्विंटल हो गई। एनसीडीईएक्स में धनिया के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 46 रुपये अथवा 0.7 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,582 रुपये प्रति क्विंटल हो गई जिसमें 4,355 लॉट के लिए कारोबार हुआ। धनिया के नवंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 42 रुपये अथवा 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,636 रुपये प्रति क्विंटल हो गई जिसमें 510 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख और उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण मुख्य रूप से यहां धनिया वायदा कीमतों की तेजी आई।

तांबा वायदा कीमतों में मामूली तेजी

नई दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के कारण वायदा कारोबार में शुक्रवार को तांबा की कीमत 0.21 रुपये की तेजी के साथ 518.75 रुपये प्रति किग्रा हो गई। एमसीएक्स में तांबा के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1.10 रुपये अथवा 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 518.75 रुपये प्रति किग्रा हो गई जिसमें 3,592 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने तांबा वायदा कीमतों में तेजी आने का श्रेय हाजिर मांग में तेजी के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार बढ़ाने को दिया।

वैटिकन के प्रमुख कॉर्डिनल ने पद से इस्तीफा दिया

रोम। वैटिकन के संत नियुक्ति कार्यालय के एक प्रमुख कार्डिनल एंजेलो बेससियू ने बृहस्पतिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हाल ही में एक घोटाले में उनका नाम सामने आया था। वैटिकन ने हालांकि इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि पोप फ्रांसिस ने उनका इस्तीफा क्यों स्वीकार किया। वैटिकन ने एक पंक्ति का बयान जारी कर कहा कि फ्रांसिस ने बेससियू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। वैटिकन के राज्य सचिवालय में दूसरे नंबर पर रहे बेससियू का नाम वेटिकन के लंदन रियल एस्टेट सौदे में निवेश से जुड़े घोटाले में सामने आया है। इसमें वैटिकन को बिचौलियों को शुल्क के रूप में लाखों यूरो देने पड़े थे। इस मामले में वैटिकन के अभियोजकों ने बिचौलियों सहित कई अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू की है पर इसमें बेससियू को शामिल नहीं किया गया है।

गूगल पे किसी तीसरे पक्ष के साथ आंकड़े साझा नहीं करती

नई दिल्ली। गूगल ने कहा है कि गूगल पे भुगतान प्रवाह के बाहर किसी तीसरे पक्ष से ग्राहकों के लेनदेन के आंकड़ों को साझा नहीं करती है। इस तरह की खबरें आई थीं कि कंपनी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा है कि एनपीसीआई तथा भुगतान सेवाप्रदाता (पीएसपी) बैंकों की अनुमति से वह ग्राहकों के लेनदेन के आंकड़ों को तीसरी पक्ष के साथ साझा कर सकती है। इन खबरों के बाद गूगल ने यह स्पष्टीकरण दिया है। गूगल के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, गूगल द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दिए गए हलफनामे के बाद मीडिया में जो खबरें आई हैं, वे पूर्ण तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। प्रवक्ता ने कहा कि गूगल पे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपरीसीआई) द्वारा जारी एकीकृत भुगतान अंतरपृष्ठ (यूपीआई) प्रक्रियागत दिशानिर्देशों तथा अन्य कानूनों का पूरी तरह अनुपालन करती है। प्रवक्ता ने कहा, हम भुगतान प्रवाह के बाहर ग्राहकों के लेनदेन से संबंधित आंकड़े किसी तीसरे पक्ष से साझा नहीं करते हैं।

वैगनआर सीएनजी संस्करण की बिक्री तीन लाख इकाई के पार

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के मॉडल वैगरआर एस-सीएनजी की कुल बिक्री का आंकड़ा तीन लाख इकाइयों को पार कर गया है। यह अपने खंड में सबसे अधिक बिकने वाली कार हो गई है। मारुति सुजुकी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि वैगनआर के सीएनजी संस्करण की बिक्री का आंकड़ा तीन लाख इकाइयों को पार कर गया है। यह सभी यात्री वाहन खंडों में सबसे सफल सीएनजी कार बन गई है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने जगह ली भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद की

अब 64 वर्ष पुराना भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम भी हो गया समाप्त

डॉ. सुरेश चंद्र शर्मा को बनाया गया राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग का अध्यक्ष

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) शुक्रवार को अस्तित्व में आ गया। इसने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (एमसीआई) की जगह ली है। एनएमसी को देश के चिकित्सा शिक्षा संस्थानों और चिकित्सीय पेशेवरों के नियमन के लिए नीतियां बनाने का अधिकार है।

एनएमसी के अस्तित्व में आने के बाद इसका बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) जिसने 26 सितम्बर, 2018 को एमसीआई की जगह ली थी, वह अब भंग हो गया है और करीब 64 वर्ष पुराना भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम भी समाप्त हो गया है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली के ईएनटी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. सुरेश चंद्र शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शुक्रवार से शुरू हो रहा उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। वहीं एमसीआई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के महासचिव रहे राकेश कुमार वत्स आयोग के सचिव होंगे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आठ अगस्त 2019 को चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के प्रस्ताव वाले राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) कानून को मंजूरी दे दी थी। इसमें चिकित्सा क्षेत्र एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के नियमन के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद की जगह एनएमसी के गठन का प्रस्ताव है। एनएमसी में एक अध्यक्ष, 10 पदेन सदस्य और 22 अंशकालिक सदस्य शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव, निपुण विनायक द्वारा बृहस्पतिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, एनएमसी अधिनियम के तहत चार स्वायत्त बोर्ड- स्नातक स्तरीय चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (यूजीएमईबी), स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (पीजीएमईबी), चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड तथा आचार एवं चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड-भी गठित किए गए हैं और ये भी शुक्रवार से अस्तित्व में आ गए।

तमिलनाडु ने लॉक डाउन में मछुआरों की आर्थिक मदद की

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाई गई पाबंदियों से प्रभावित मछुआरों को आर्थिक मदद मुहैया कराई थी। मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु मछुआरा कल्याण बोर्ड के माध्यम से 4.8 लाख सदस्यों को राहत के रूप में लगभग 96 करोड़ रुपये दिए गए, जिसमें महिला और पुरुष मछुआरों, संबद्ध श्रमिकों और चालक दल के सदस्यों को लॉकडाउन के दौरान दो महीने तक दो-दो हजार रुपये दिए गए। प्रतिबंध (मछली पकड़ने पर) अवधि के कारण परिवार को अतिरिक्त पांच-पांच हजार रुपये भी दिए गए थे।

दशकों तक खोखले वादे करने वाले अब

किसानों के कंधे पर रखकर चला रहे हैं बंदूक: मोदी

पंडित दीनदयाल की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं से वीडियो कांफ्रेंस कर कहा

जमीनी स्तर पर छोटे किसानों से मिलें और विधेयकों के फायदों से अवगत कराएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संसद द्वारा पारित कृषि सुधार विधेयकों को लेकर सरकार पर निशाना साधने पर विपक्षी दलों को शुक्रवार को आड़े हाथ लिया। कहा कि जिन्होंने दशकों तक किसानों के नाम पर सिर्फ नारे लगाए और खोखले वादे किए वे अब अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए उन्हीं के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने यह बात कही। संसद में पारित कृषि सुधार से संबंधित विधेयकों को किसानों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने वाला करार देते प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे जमीनी स्तर पर छोटे-छोटे किसानों से मिलें और कृषि विधेयकों के फायदों से उन्हें अवगत कराएं।

उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि उनकी सरकार ने बहुत ही कम समय में पिछले चुनाव में किए गए बड़े वादों को पूरा करने का काम किया है, जिनमें जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया जाना और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कृषि सुधार संबंधी विधेयकों पर विपक्ष के विरोध को राजनीतिक स्वार्थ बताते हुए आरोप लगाया कि वे (विपक्ष) अफवाहें फैलाकर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि आजादी के बाद अनेक दशकों तक किसान और श्रमिक के नाम पर खूब नारे लगे, बड़े-बड़े घोषणा पत्र लिखे गए लेकिन समय की कसौटी ने सिद्ध कर दिया है कि वो सारी बातें कितनी खोखली थीं। मोदी ने ये बातें ऐसे समय में कही हैं जब देश के कई हिस्सों, खासकर पंजाब और हरियाणा में किसान संगठन कृषि से संबंधित तीन विधेयकों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्र हित और जनहित के बजाय सत्ता को राजनीति का हिस्सा बना लिया गया और कुछ लोगों ने किसानों और श्रमिकों के नाम पर देश में और राज्यों में अनेक बार सरकारें बना ली, लेकिन उन्हें मिला क्या? सिर्फ वादों और कानूनों का उलझा हुआ एक ऐसा जाल जिसे ना तो किसान समझ पाता था, ना ही श्रमिक भाई-बहन समझ पाते थे।

उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसे कानूनों में उलझा कर रखा गया जिसके कारण वह अपनी ही उपज को अपने मन मुताबिक बेच भी नहीं सकता था। मोदी ने कहा, सिर्फ नारे थे, खोखले वादे थे। देश अब इन बातों को भलीभांति जानता है। कांग्रेस व किसी अन्य दल का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि झूठ बोलने वाले कुछ लोग इन दिनों अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे हैं, उन्हें भ्रमित कर रहे हैं और अफवाहें फैला रहे हैं।

किसान और खलिहान के खिलाफ षड्यंत्र हैं कृषि विधेयक : कांग्रेस

जयपुर। कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के कृषि विधेयकों को देश के किसान और खेत खलिहान के खिलाफ घिनौना षड्यंत्र करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इनके खिलाफ भारत बंद में देश के अन्नदाता के साथ अडिग खड़ी है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में मोदी सरकार के कृषि संबंधी विधेयकों को काला कानून करार दिया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने तीन काले कानूनों के माध्यम से किसान, खेत मजदूर और आजीविका पर क्रूर तथा कुत्सित हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ए कानून देश के किसान और खेत खलिहान के खिलाफ एक घिनौना षडयंत्र है। सुरजेवाला ने कहा, देश में कोरोना, सीमा पर चीन और खेत खलिहान पर मोदी जी ने हमला बोल रखा है। उन्होंने कहा, आज पूरे देश में किसान और खेत मजदूर ने भारत बंद का आह्वान किया है ।

रेहड़ी-पटरी वालों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना बढ़ी

भाजपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में नेता सदन थावरचंद गहलोत सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ पार्टी नेताओं की मौजूदगी के बीच प्रधानमंत्री ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए हाल ही में शुरू की गई सामाजिक सुरक्षा योजना, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण के प्रावधान को 10 और साल के लिए बढ़ाए जाने तथा सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की है।

50 करोड़ श्रमिकों को समय पर वेतन दिलाएगा नया श्रम कानून : पीएम

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की तरह ही दशकों तक देश के श्रमिकों को भी कानूनों के जाल में उलझा कर रखा गया। श्रम सुधार कानूनों के तहत राजग की सरकार ने श्रमिकों के स्वास्थ्य, उनकी सुरक्षा, उनके वेतन को लेकर कानूनों को सरल और सहज बनाया है। उन्होंने कहा, नए कानूनों के माध्यम से लगभग 50 करोड़ संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वेतन मिले, वह भी समय पर, इसे कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया गया है। श्रमिक सुधार विधेयकों की खूबियों की विस्तार से जानकारी देते हुए मोदी ने दावा किया, हमें श्रमिकों के आशीर्वाद मिलने वाले हैं। नए प्रावधानों से श्रमिकों का सामाजिक सुरक्षा कवच और मजबूत होगा। नए प्रावधान देश के उद्योगों के लिए भी एक प्रकार से काम करना सरल और आसान बनाएंगे। संगठित क्षेत्र का दायरा भी बढ़ेगा।

न्यायालय का बिहार विस चुनाव स्थगित संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव स्थगित किए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की तीन सदस्यीय पीठ ने याचिकाकर्ता को इस संबंध में निर्वाचन आयोग के समक्ष अभ्यावेदन पेश करने की छूट देने भी इनकार कर दिया।

पीठ ने कहा, हम हर किसी को निर्वाचन आयोग के पास जाने की अनुमति नहीं दे सकते। हम आपको केवल याचिका वापस लेने की अनुमति दे सकते हैं। आयोग शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा कर सकता है। अजय कुमार नामक व्यक्ति ने याचिका दायर करके दावा किया था कि महामारी के कारण विधानसभा चुनाव सुचारू रूप से आयोजित नहीं किए जा सकते। याचिका में स्थिति सामान्य होने तक बिहार विधानसभा चुनाव नहीं कराए जाने का अनुरोध किया गया था।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार सुबह लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के सिरहामा में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर बृहस्पतिवार को इलाके की घेराबंदी की गई और तलाश अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसके बाद बलों ने भी जवाबी कार्वाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि इलाके में रातभर कड़ी घेराबंदी रखी गई, ताकि आतंकवादी बच कर भाग नहीं सकें। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में शुक्रवार सुबह लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिलेगा पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा कवर : योगी

संक्रमण से मृत्यु पर परिजन को दस लाख की आर्थिक सहायता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में मान्यता प्राप्त पत्रकारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा तथा कोरोना वायरस संक्रमण से किसी पत्रकार की मौत होने पर उसके परिजन को दस लाख सरकार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं राजधानी में नवनिर्मित पंडित दीन दयाल उपाध्याय सूचना परिसर भवन के उद्घाटन के दौरान कीं। उन्होंने कहा कि सूचना विभाग शासन और प्रशासन के कार्यों को मीडिया तक पहुंचाने के लिए एक सेतु का काम करता है।

उन्होंने कहा, किसी भी सरकार के कार्यों का आम जनमानस तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय होता है। शासन का काम योजनाएं बनाना होता है। प्रशासन उसे विभिन्न माध्यमों से आम जन तक पहुंचाता है, लेकिन जनता, शासन और प्रशासन के बीच में एक महत्तवपूर्ण सेतु के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मान्यता प्राप्त पत्रकारों को राज्य सरकार प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर देगी, इसके अलावा कोरोना वायरस संक्रमण से किसी पत्रकार की मृत्यु होने पर उसके परिजन को दस लाख रुपए की आर्थिक सहायता दे जाएगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मीडियाकर्मी काम कर रहे है और पत्रकारों को पूरी सुरक्षा और जागरूकता के साथ काम करते हुए संक्रमण से बचना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में इन्सेफलाइटिस कुछ साल तक एक जान लेवा बीमारी थी जो धीरे धीरे पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश को अपनी चपेट में ले चुकी थी, लेकिन प्रधानमंत्री स्वच्छता मिशन कार्यक्रमों और प्रदेश सरकार की योजनाओं की बदौलत इस बीमारी को समाप्त करने में सफलता मिली।

संसद से पारित कृषि विधेयकों के विरोध में पंजाब और हरियाणा में किसानों का प्रदर्शन

भारतीय किसान यूनियन के तत्वावधान में 31 किसान संगठनों ने हाथ मिलाया

चंडीगढ़। संसद में हाल में पारित किए गए विवादास्पद कृषि विधेयकों के खिलाफ आहूत पंजाब बंद के तहत किसानों ने शुक्रवार को प्रदर्शन शुरू कर दिया। पूर्णतया पंजाब बंद के लिए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के तत्वावधान में 31 किसान संगठनों ने हाथ मिलाया है।

बंद को भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी, किरती किसान यूनियन, भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्रहण), किसान मजदूर संघर्ष समिति एवं भाकियू (लखोवाल) आदि संगठनों ने समर्थन दिया है।

भाकियू समेत हरियाणा में कई संगठनों ने विधेयकों के खिलाफ कुछ किसान संगठनों द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापारी हड़ताल को समर्थन दिया है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी आप ने किसानों के प्रदर्शनों को समर्थन दिया है, वहीं शिरोमणि अकाली दल ने सड़क मार्ग बाधित करने की घोषणा की है। राज्य में कई स्थानों पर किसान यातायात रोकने के लिए सड़कों पर एकत्रित हो गए हैं। अमृतसर में किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले महिला प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन रैली निकाली। पंजाब में शुक्रवार सुबह कई स्थानों पर दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। दुकानदारों से किसानों के समर्थन में अपनी दुकानें बंद रखने की अपील की गई है।

क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष दर्शन पाल ने बताया कि किसान राज्य के 150 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें व्यापारियों, ट्रांसपोर्टर, टैक्सी चालकों समेत कई लोगों का समर्थन मिल रहा है। पंजाब बंद को सरकारी कर्मचारियों के संघों, गायकों, श्रमिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है। किसानों ने विधेयकों के खिलाफ बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय रेल रोको प्रदर्शन शुरू किया और पटरियों पर धरना दिया।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने प्रदर्शन के दौरान किसानों से कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने और कोरोना वायरस से जुड़े सभी नियमों का पालन करने की अपील की है। एक बयान में सिंह ने कहा कि राज्य सरकार विधेयकों के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह किसानों के साथ है और धारा 144 के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी।

किसानों को गुलाम बना देंगे नए कृषि कानून : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसान संगठनों द्वारा आहूत भारत बंद का समर्थन करते हुए शुक्रवार को दावा किया कि संसद से पारित कृषि संबंधी विधेयक देश के किसानों को गुलाम बना देंगे। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी किसानों के प्रदर्शन का समर्थन किया। आरोप लगाया कि ये कृषि विधेयक ईस्ट इंडिया कंपनी राज की याद दिलाते हैं।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, एक त्रुटिपूर्ण जीएसटी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बर्बाद कर दिया। नए कृषि कानून हमारे किसानों को गुलाम बना देंगे। प्रियंका ने दावा किया, किसानों से एमएसपी छीन ली जाएगी। उन्हें ठेके पर खेती के जरिए खरबपतियों का गुलाम बनने पर मजबूर किया जाएगा। न दाम मिलेगा, न सम्मान। किसान अपने ही खेत पर मजदूर बन जाएगा। उन्होंने कहा, भाजपा के कृषि विधेयक ईस्ट इंडिया कंपनी राज की याद दिलाते हैं। हम ये अन्याय नहीं होने देंगे।

भारत बंद का समर्थन करते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, पेट में अंगारे और मन में तूफान लिए देश का अन्नदाता किसान और भाग्यविधाता खेत मजदूर भारत बंद करने को मजबूर है। अहंकारी मोदी सरकार को न उसके मन की व्यथा दिखती न उसकी आत्मा की पीड़ा महसूस होती। उन्होंने कहा, आइए, भारत बंद में किसान-मजदूर के साथ खड़े हों, संघर्ष का संकल्प लें। गौरतलब है कि कृषि विधेयकों के विरोध में कई किसान संगठनों ने शुक्रवार को भारत बंद किया है। कांग्रेस किसानों के साथ है।

संक्षिप्त समाचार

उप्र में महिला और दलितों के खिलाफ अपराध नहीं थमे

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार की अनंत घोषणाओं और निर्देशों के बावजूद दलितों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी नहीं आई है। मायवती ने ट्वीट किया, यूपी सरकार की अनंत घोषणाओं व निर्देशों आदि के बावजूद दलितों व महिलाओं पर अन्याय-अत्याचार, बलात्कार व हत्या आदि की घटनाएं नहीं रूक रही हैं तो इससे सरकार की नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर छात्राओं का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है तो ऐसी कानून-व्यवस्था किस काम की?

झीरम घाटी नक्सली हमले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई 29 को

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि 2013 के झीरम घाटी नक्सली हमला मामले की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग द्वारा कुछ अतिरिक्त गवाहों से पूछताछ से इंकार करने के खिलाफ छत्तीसगढ़ सरकार की याचिका पर 28 सितंबर को सुनवाई की जाएगी। इस हमले मे कांग्रेस के प्रदेश स्तर के नेताओं सहित 29 व्यक्ति मारे गए थे। राज्य सरकार ने अपनी अपील में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। राज्य सरकार चाहती थी कि इस मामले में अतिरिक्त गवाहों से पूछताछ करने का विशेष न्यायिक आयोग को निर्देश दिया जाए। बस्तर जिले के दर्भा इलाके में झीरम घाटी मे 25 मार्च, 2013 को हुए नक्सली हमले में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, प्रतिपक्ष के पूर्व नेता महेन्द्र कर्मा और पूर्व केन्द्रीय मंत्री विद्या चरण शुक्ला सहित 29 व्यक्ति मारे गए थे। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आयोग ने छह महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज करने का अनुरोध अस्वीकार करते हुए जांच खत्म कर दी थी। उन्होंने कहा कि आयोग ने कांकड़ के जंगल कल्याण प्रशिक्षण स्कूल के निदेशक बी के पंवार का बतौर विशेषज्ञ बयान दर्ज करने से इंकार कर दिया और उनसे पूछताछ करने का राज्य सरकार का अनुरोध ठुकरा दिया। इसके साथ ही उन्होंने आयोग की कार्यवाही बंद कर दी। सिंघवी ने कहा, छह व्यक्तियों की सूची में से किसी से भी आयोग ने पूछताछ नहीं की है। उन्होंने कहा कि आयोग को अतिरिक्त कार्य शर्तें दी गईं थीं जिसे आयोग ने सितंबर, 2019 में स्वीकार किया था। उन्होंने दलील दी कि इन अतिरिक्त कार्यशर्तो का क्या हुआ जबकि पुराने गवाहों से पूछताछ जारी रही और आयोग ने अतिरिक्त गवाहों से पूछताछ नहीं की। इस पर पीठ ने सिंघवी से कहा कि तथ्यों के बारे में आपकी सही नही थी। पीठ ने कहा कि आयोग ने सितंबर में काम करना शुरू किया जो सही नहीं है। छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता एस सी वर्मा भी इस मामले में पेश हुए। राज्य सरकार ने अपनी अपील में कहा है कि उच्च न्यायालय की बिलासपुर की पीठ ने 29 जनवरी को अतिरिक्त गवाहों को बुलाने के बारे में एकल न्यायाधीश के 12 दिसंबर, 2019 के आदेश में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया था। अपील के अनुसार इससे पहले आयोग ने 11 अक्टूबर, 2019 को और गवाहों से पूछताछ करने का राज्य सरकार का अनुरोध अस्वीकार करते हुए जांच की कार्यवाही बंद कर दी थी।

28 अक्टूबर से बिहार विस चुनाव, मतगणना 10 नवंबर को

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तीन चरणों में, 28 अक्टूबर, तीन नवंबर और सात नवंबर को, मतदान होगा जबकि सभी चरणों के लिए मतगणना 10 नवंबर को होगी। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा ने 243 सदर्स्इय बिहार विधानसभा के चुनाव के लिए कार्यक्रम का ऐलान करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव कोविड-19 के मौजूदा हालात में दुनियाभर में होने वाले सबसे बड़े चुनावों में से एक होंगे। उन्होंने कहा कि देश में दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद कोई चुनाव नहीं हुआ है और तब से दुनिया में व्यापक बदलाव हुए हैं और कोविड-19 महामारी ने जीवन के सभी पहलुओं में नई स्थितियां पैदा कर दी हैं। अरोड़ा ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर पूरे राज्य में मतदान समय एक घंटा बढ़ाया जाएगा और सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 रोगी आखिरी एक घंटे में मतदान कर सकते हैं। संक्रमित लोगों के लिए विशेष प्रोटोकॉल तैयार किए गए हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार चुनाव के लिए सात लाख हैंड सैनिटाइजर, 46 लाख मास्क, 6 लाख पीपीई किट, 6.7 लाख फेस शील्ड और 23 लाख जोड़ी दस्तानों की व्यवस्था कर ली गई है। आयोग ने सुरक्षा बंदोबस्त और त्योहारों के मद्देनजर बिहार चुनाव के चरण कम किए गए हैं। अरोड़ा ने कहा कि कोविड-19 के साए में होने जा रहे बिहार चुनाव के दौरान जहां भी जरूरत होगी और आग्रह किया जाएगा, वहां डाक मतदान की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जनसभाओं में सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना होगा। वहीं, निर्वाचन आयोग चुनाव कराने के समय को लेकर कुछ राज्यों द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में 29 सितंबर को समीक्षा बैठक के बाद लोकसभा की एक और विधानसभा की 64 सीटों के लिए उपचुनाव पर फैसला करेगा।

डूंगरपुर में हिंसक प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के डूंगरपुर में युवाओं के हिंसक प्रदर्शन को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रदर्शनकारियों से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। गहलोत ने शुक्रवार को ट्वीट किया, डूंगरपुर में उपद्रव व हिंसक प्रदर्शन बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। विरोध करने के संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल हो,शांतिपूर्ण प्रदर्शन हों लेकिन कानून को अपने हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने लिखा, प्रदर्शनकारियों से मेरी अपील है कृपया शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। गौरतलब है कि डूंगरपुर जिले में शिक्षक भर्ती 2018 के अनारक्षित रिक्त पदों को अनुसूचित जाति वर्ग से भरने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन ने बृहस्तिवार को उग्र रूप ले लिया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस दल पर पथराव किया और पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया। सूत्रों के अनुसार प्रदर्शनकारियों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार शाम यहां मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सकता है।

पलामू में सुरक्षा बलों पर हमले की बड़ी साजिश नाकाम

मेदिनीनगर। सुरक्षा बलों ने पलामू जिले के मनातू-चक मार्ग में नक्सलियों द्वारा बनाई गई चार बड़ी बारूदी सुरंगों को समय रहते निष्क्रिय कर बलों पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। पलामू के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि नक्सलियों ने मनातू थानान्तर्गत मंसुरिया के पास बारूदी सुरंगें बनाई थीं। उन्होंने बताया कि सभी में बारह से पंद्रह किलोग्राम विस्फोटक था जिससे भारी नुकसान हो सकता था। इन्हें सुरक्षा बलों को लक्ष्य कर सड़क के बीच में लगाया गया था। यह मार्ग चतरा होते हुए बिहार के गया तक जाता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इनका पता लगाकर निष्क्रिय करने का काम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 134वीं बटालियन और स्थानीय पुलिस ने मिलकर किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि इसमें किस नक्सली संगठन का हाथ है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और यह पूरा क्षेत्र माओवादियों का गढ़ माना जाता है।

नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार, एक गिरफ्तार

गोड्डा। झारखंड के गोड्डा जिले में पहाड़िया आदिम जनजातीय समुदाय की एक नाबालिग लड़की के साथ चार लोगों ने कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक वाईएस रमेश ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना सुंदर पहाड़ी थाना क्षेत्र के तहत आने वाले एक गांव की है। पुलिस ने घटना के सिलसिले में घटियारी गांव के रहने वाले महताब अंसारी को गिरफ्तार किया है जबकि अन्य की तलाश जारी है। रमेश ने बताया कि आरोपियों ने नाबालिग लड़की के साथ उस समय दुष्कर्म किया जब वह बुधवार की शाम घटियारी गांव से अपने गांव वापस जा रही थी। आरोप है कि सुंदर पहाड़ी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने में आनाकानी की और प्राथमिकी के बदले थानेदार समझौते पर जोर डालते रहे।

लुप्त होने के कगार पर खड़े वन्यजीव की पड़ताल करती एक कहानी

टाइगर्स : हंटिंग द ट्रैफिकर्स

बीबीसी अर्थ चैनल पर प्रसारित होने वाली सीरीज़ 'टाइगर्सः हंटिंग द ट्रैफिकर्स, दक्षिण-पूर्व एशिया के इस शिकारी जानवर के विनाश पर एक इन्वेस्टीगेशन है और इसे किया है रॉयल नेवी के पूर्व कमांडो एल्डो केन ने। इस खोजपरक सीरीज़ में बताया गया है कि किस प्रकार कृत्रिम और अवैध फार्म बनाकर इस जानवर के विलुप्त होने की तैयारी की जा रही है। प्रस्तुत है टीम पायनियर की एक रिपोर्ट-

टाइगर अर्थात बाघ के अवैध व्यापार ने इस सुंदर जानवर के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया है। अवैध बाघ फार्म बनाकर अपने आर्थिक लाभ के लिए इसका अवैध व्यापार कर रहे लोगों के बारे में इस सीरीज़ में खुलासा किया गया है। पूर्व रॉयल मरीन कमांडो एल्डो ने इसकी तस्करी के मलयेशिया, चीन, थाईलैंड, लाओस और वियतनाम में फैले इस व्यापार को करने वालों की छिपकर फिल्म भी बनाई है। साथ ही वो उन लोगों से भी मिले जो पशुओं की सुरक्षा, संरक्षा का महती कार्य पूरे दायित्व से निभा रहे हैं। वो इस सीरीज़ को 'टाइगर्स : हंटिंग द ट्रैफिकर्स, का नाम देते हैं जिसका अर्थ है अवैध व्यापारियों का शिकार। उनकी इस साहसिक और रोचक सीरीज़ में उन निष्ठुर, संगठित वन्य अपराधियों की गहन पड़ताल की गई है। ये एक प्रकार से वन्यजीवन तस्करों के विरुद्ध धर्मयुद्ध छेड़ने जैसा ही है। इससे उन निरीह पशुओं के जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव अवश्य देखने को मिलेंगे। इन बदलावों से ही संभव है कि इस अद्भुत पशु को उसका अस्तित्व समाप्त होने से पहले बचाया जा सके।

प्रस्तुत है उनसे साक्षात्कार के प्रमुख अंश-

आपकी ये ये फिल्म किस बारे में है?

हम इसमें ये देखते हैं कि किस प्रकार दक्षिण-पूर्व एशिया में बड़ी संख्या में अवैध टाइगर फार्म बनाकर टाइगर की अस्थि, मदिरा और ग्लू जैसे उत्पादों की मांग को बढ़ाया गया है। आज टाइगर की तस्करी एक बड़ा व्यापार बन चुकी है। टाइगर उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण विश्व में टाइगर्स की संख्या पर विपरीत असर पड़ रहा है क्योंकि वनों में पाए जाने वाले टाइगर के उत्पादों को अधिक मूल्य पर खरीदा बेंचा जाता है। इस फिल्म के माध्यम से अवैध टाइगर फार्म बनाकर संबंधित उत्पादों की मांग को पूरा करने में लगे अंडरवर्ल्ड को भी सामने लाया गया है। इसमें उन जटिल समस्याओं को भी उठाया गया है जो इस व्यापार से जुड़ी हैं और इस संकटग्रस्त पशु के अस्तित्व की रक्षा को लेकर जागरूकता भी इसका एक उद्देश्य है। हमनें अन्य जांचकर्ताओं के साथ अवैध टाइगर फार्म के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है ताकि जो लोग ऐसा करके लाभ कमाने में लगे हैं उन्हें सामने लाया जा सके। दक्षिणपूर्व एशिया में वन्य टाइगर्स की संख्या निरंतर कम होती जा रही है और इस बात की भी आशंका है कि कहीं टाइगर विलुप्त ही न हो जाए। यही कारण है कि इस अवैध व्यापार को रोकना अवश्यंभावी है।

किस बात से प्रभावित होकर आप इस प्रोजेक्ट से जुड़े थे?

चूंकि मैंने 16 वर्ष की आयु में ही रॉयल नेवी में प्रवेश ले लिया था, मैंने विश्व भ्रमण तथा दक्षिण-पूर्व के जंगलों में काफी समय व्यतीत किया है। आज भी मुझे वो रोमांचक क्षण याद हैं कि किस प्रकार मैं जंगली जानवरों के साथ रहा करता था। यही कारण है कि मैं तभी से इस अद्भुत जानवर की समस्याओं से अवगत हूं और उसके लिए कुछ करना चाहता था।

कुछ साल पहले मैं ग्रेन मीडिया के निर्देशक ऑरलेंडो वॉन एंसीडेल से ऐसी जोखिमयुक्त कहानियों के बारे में बात कर रहा था जिन्हें मेरे अनुसार सामने लाया जाना चाहिये। तब ये कहानी मेरी सूची में सबसे ऊपर थी। ऐसी प्रजातियों की कहानी जिनका अस्तित्व मानव विलासिताओं के चलते लुप्त होने के कगार पर आ गया हो, के कहे जाने के लिए जटिल प्रक्रिया होती है जिसे इन्वेस्टीगेटिव जर्नलिज़्म कहा जाता है जिसमें काफी जोखिम भी होता है। मेरे लिए लेकिन, ये एक सर्वथा उपयुक्त प्रोजेक्ट था।

आपने पिछले कुछ साल शिकारियों के विरुद्ध गश्ती दल के साथ बिताए हैं। किस कारण से आप टाइगर तस्करी को लेकर एक प्रकार का खुलासा लाना चाहते थे?

मैं पिछले कुछ सालों से एक धर्मार्थ संगठन के साथ काम कर रहा था जिसमें पूर्व सैन्य अधिकारियों को वन्यजीवों का समुचित संरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में सार्थक भूमिका अदा करने तथा अपराधों को रोकने का अवसर प्रदान किया जाता है। चूंकि हम उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किये होते हैं तो हमारा उद्देश्य अवैध शिकारियों के विरुद्ध कार्य करने वाले यूनिट्स का प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन होता है। कई बार इन शिकारियों, जो थोड़ी आय के लिए अपना जीवन दांव पर लगा देते हैं, के पास दूसरा विकल्प ही नहीं होता। प्रमुख समस्या उस नेटवर्क से जुड़ी है जो दक्षिणपूर्व एशिया में बने संगठित तस्करी नेटवर्क अवैध उत्पादों की मांग ही है। अवैध शिकार केवल इसलिये ही होता है क्योंकि इन उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है।

जल्दी ही मुझे ये स्पष्ट हो गया कि अवैध शिकार के विरुद्ध चलने वाले समस्त अभियान की इस बढ़ती मांग, तस्करी सिंडीकेट तथा सरकारी भ्रष्टाचार के कारण अनदेखी की जा रही है। जहां भी इन उत्पादों की मांग होती है वहां कोई न कोई व्यक्ति अवैध शिकार के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाने को तैयार दिखता है। यही कारण था कि मैं इस अवैध व्यापार से जुड़े नेटवर्क, संगठित अपराध तथा सरकारी लिप्तता के बारे में अधिक से अधिक जानकारी एकत्र करना चाहता था।

आपके समक्ष जमीन पर किस प्रकार की चुनौतियां थीं?

इस प्रकार की पड़ताल में चुनौतियां और जोखिम तो रहता ही है। ये व्यापारर मलेशिया से लेकर थाइलैंड, लाओस, वियतनाम तथा चीन तक पसरा है। इन देशों के व्यापार की प्रकृति के कारण ही तस्करी को अन्य अवैध गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है जैसे ड्रग्स, मानव तस्करी आदि। अतः जोखिम की मात्रा काफी अधिक होती है। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती और जोखिम तो इन अन्वेषणकर्ताओं को था क्योंकि जो हमारे साथ काम कर रहे थे और जिन्हें इन गतिविधियों को सामने लाने के क्रम में अपनी जान भी गवां सकते हैं। मैं तो वास्तव में इस व्यापार को एक उद्योग का आकार लेते देखकर अत्यंत असहाय अनुभव कर रहा था।

इस फिल्म के निर्माण के क्रम में आपने स्वयं को कुछ अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थितियों में डाला। ऐसे में रॉयल मरीन कमांडो स्नाइपर के आपके पूर्व जीवन से आपको इस परिस्थिति से निबटने में कितनी मदद मिली?

इस पूरे फिल्मांकन के दौरान मुझे मेरी पृष्ठभूमि का पूरा लाभ मिला। मेरे द्वारा पूर्व में सीखे गए कई कौशल बहुत काम आए जैसे कि जांच के लिए उपयोगी सूचना का एकत्रीकरण। कई बार तो मैं और निर्देशक लौरा ही वहां होते थे। मुझे समस्त योजना को इस प्रकार नियोजित करना पड़ता था जैसे कि हम किसी मिलिटरी मिशन पर हों। इसमें हम वाहनों के आने-जाने, संपर्क, कार्रवाई तथा संकटकालीन विकल्प तैयार रखना आदि। किसी भी लाइव इन्वेस्टीगेशन के लिए लचीला होना परम आवश्यक होता है। कई बार तो हम 18 घंटे तक बाहर रहे और फिर हमें किसी दूसरे देश की लीड पर काम करने निकलना होता था। लेकिन इस पूरे दौरान हमें ज्ञात रहता था कि हम जो भी कर रहे हैं वो अत्यधिक जोखिमयुक्त तथा खतरनाक था।

क्या इससे जुड़ी कोई विशेष स्मृति या क्षण आपको स्मरण आता है?

हमारे लिए सबसे स्मरणीय क्षण मलेशिया में तमन नेगरा नेशनल पार्क में टाइगर शिकार विरोधी इकाई के साथ समय बिताना रहा। वहां हमनें अवैध शिकारियों की तलाश में कई सप्ताह साथ बिताए थे। उन्होंने मलेशिया में बचे चंद टाइगर्स के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। लेकिन उसी देश में औद्योगिक स्तरीय शिकार का होना उनके प्रयासों को एक प्रकार से धता बताना ही कहा जाएगा। वन्य टाइगर वहां से वियतनाम और चीन भेजे जाते हैं। वहां जीवित पशु के स्थान पर मृत पशु को अधिक कीमत पर बेचा जा सकता है। उन लोगों के साथ समय व्यतीत करना और उनकी कार्यप्रणाली को जानना समझना वास्तव में अत्यंत रोचक रहा। उन्हीं से मुझे इस सीरीज़ को बनाने और टाइगर्स को अवैध शिकार से बचाने तथा उनके संरक्षण हेतु प्रेरणा मिली।

मेरे लिए सबसे स्तब्ध कर देने वाले परिदृश्य में कुछ विशालकाय स्थान थे जिनमें एक साथ सैकड़ों टाइगर्स को बंद करके रखा जा सकता था। टाइगर से जुड़ा व्यापार चोरीछिपे होता है जबकि हाथी दांत और गेंडे से जुड़े मामलों में क्रूरता साफदृष्टव्य होती है। पहले उनकी फार्मिंग करके उन्हें पैदा और विकसित किया जाता है और बाद में उन्हें उनकी अस्थियों के लिए मार दिया जाता है। हम ऐसे स्थानों तथा इससे जुड़े क्रूरता के तत्व को विश्व के सामने लाना चाहते थे।

आपके अनुसार लोग इसे क्यों देखेंगे और उन्हें इससे क्या सीख मिल सकती है?

वन्यजीवों के संरक्षण में रुचि रखने वाले लोगों को इसे देखना चाहिये। ये आपको लुप्त होने के कगार पर खड़े एक वन्यजीव की दशा की पड़ताल करती एक कहानी है कि किस प्रकार पशु को वस्तु मानकर उसका उपभोग करने से पूरे वन्यजीवन पर खतरा हो सकता है। मुझे आशा है कि इस फिल्म के माध्यम से थोड़ा बदलाव हो सकेगा। इससे उन स्थानीय तथा अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ के कार्य को अधिक महत्वपूर्ण माना जा सकेगा जो टाइगर के बचाव और संरक्षण से जुड़े हैं।

(ये सीरीज़ आपके लिए सोनी बीबीसी अर्थ चैनल पर 3 अक्तूबर से रात 9 बजे उपलब्ध होगी)

एसपी बालासुब्रमण्यम : गायकी से दिलों को जीतने वाले सुरों के जादूगर

भाषा। चेन्नई

पार्श्व गायक एस पी बालासुब्रमण्यम ने अपनी सुरीली आवाज से कई पीढ़ियों के दिलों पर राज किया। उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगू समेत

विभिन्न भाषाओं में गाने गाए और कई पुरस्कार भी जीते। कोविड-19 से 74 साल की उम्र में बालासुब्रमण्यम का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने तमिल और अपनी मातृभाषा तेलुगू, हिंदी समेत 16 भाषाओं में गाने गए। कई राष्ट्रीय और राज्यों के पुरस्कार के साथ ही पद्म श्री और पद्म भूषण से भी उन्हें नवाजा गया। उन्होंने पांच दशक के अपने करियर में कई पीढ़ी के संगीतकारों के साथ काम किया और 40,000 से ज्यादा गाने गाए। बाद के दिनों में वह कई रियल्टी शो से भी जुड़े। एस पी बालासुब्रमण्यम का पूरा नाम श्रीपति पंडिताराध्याउला बालासुब्रमण्यम था। मोहम्मद रफी के गानों से प्रभावित बालासुब्रमण्यम ने हजारों सदाबहार गाने गाए। सभी तरह के गानों को उन्होंने अपनी आवाज दी, चाहे खुशी के नगमें हो या दर्द भरे गीत। उन्होंने 1966 में पहला गीत गाया था। वर्ष 1969 में एमजीआर अभिनीत अदिमाईपेन में उनका गाया अयराम निलावे वा बहुत लोकप्रिय रहा और उसके बाद वह बुलंदियों को छूते गए। शास्त्रीय गायन में औपचारिक प्रशिक्षण नहीं होने के बावजूद उन्होंने जिन ऊंचाइयों को छुआ, वहां तक कई प्रशिक्षित गायक भी नहीं पहुंच पाते हैं। उनका जन्म आंध्रप्रदेश के नेल्लौर में चार जून 1946 को हुआ था। प्रख्यात संगीतकार इलैयाराजा समेत उनके कई दोस्त उन्हें प्यार से बालू कहकर बुलाते थे। पिछले वर्षों में बालासुब्रमण्यम ने कहा था, मैं सिनेमा जगत में नहीं आना चाहता था। साठ के दशक में मैं एक इंजीनियर बनना चाहता था। चाहता था कि 250 रुपए वेतन मिले और मेरे पास एक जीप हो। उन्होंने एम एस विश्वनाथन, इलैया राजा, ए आर रहमान समेत कई संगीतकारों के साथ काम किया और पी सुशीला, एस जानकी, वाणी जयराम और चित्रा समेत अन्य गायिकाओं के साथ युगल गाने भी गाए। बालासुब्रमण्यम को गानों के लिए छह राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। हिंदी फिल्मों में भी उन्होंने एक से बढ़कर एक गाने गाए जिनके श्रोता आज भी कायल हैं। इसके अलावा उन्होंने भक्ति गाने भी गए। संगीतकार इलैयाराजा के साथ उनकी बहुत प्रगाढ दोस्ती थी। गायक के जे एसुदास के प्रति भी वह बहुत स्नेह रखते थे और उन्हें गुरु कहकर पुकारते थे। बालासुब्रमण्यम की बहन एस पी शैलजा भी गायिका हैं। बालासुब्रमण्यम के पुत्र चरण भी सिनेमा-संगीत क्षेत्र में सक्रिय हैं।

फिल्मी हस्तियों ने एसपी बालासुब्रमण्यम को याद किया

भाषा। मुंबई

प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर, संगीतकार एआर रहमान, अभिनेता सलमान खान, अक्षय कुमार, अनिल कपूर और अभिनेत्री राम्या कृष्णन ने मशहूर गायक एसपी बालासुब्रमण्यम के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। एसपीबी नाम से मशहूर 74 वर्षीय गायक का दो महीने तक कोरोना वायरस से जूझने के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। बालासुब्रमण्यम के बेटे एस पी चरण ने संवाददाताओं को बताया कि उनके पिता ने दोपहर 1.04 बजे के आसपास अंतिम सांस ली। मंगेशकर ने बालासुब्रमण्यम को अद्भुत गायक और विनम्र इंसान बताते हुए उनके साथ किए गए काम को याद किया। उन्होंने कहा, मैं एसपी बालासुब्रमण्यम के निधन से बहुत दुःखी हूं। हमने साथ में अनेक गाने रिकॉर्ड किए और कई शो किए। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। रहमान ने एसपीबी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। बालासुब्रमण्यम से सलमान खान के अनेक गीतों को स्वर दिया और 1990 के दशक में मानो वह सलमान की आवाज ही बन गए थे। मेरे रंग में रंगने वाली, पहला पहला प्यार है, मौसम का जादू और हम आपके हैं कौन इनमें से कुछ हैं। बृहस्पतिवार को ही एसपीबी के जल्द स्वस्थ होने की कामना करने वाले सलमान ने कहा कि उनके निधन से वह टूट गए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, एसपी बालासुब्रमण्यम सर के बारे में सुनकर आहत हूं। आप संगीत की अपनी निर्विवाद विरासत के रूप में हमेशा हमारे साथ रहेंगे। परिवार के प्रति संवेदनाएं। अनिल कपूर ने उन्हें महान इंसान बताया और कहा कि उनकी कमी वाकई खलेगी। अक्षय कुमार ने कहा, कुछ महीने पहले ही लॉकडाउन के दौरान एक डिजिटल कंसर्ट में उनसे बात हुई थी। वह तंदुरुस्त, ऊर्जावान और अपने खास अंदाज में दिख रहे थे। जीवन का वाकई कुछ पता नहीं। मेरी दुआएं और संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। बाहुबली में काम कर चुकीं राम्या ने ट्वीट किया, इतने खास इंसान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। फिल्मकार मधुर भंडारकर, बिजॉय नांबियार और सुजॉय घोष ने भी एसपीबी को श्रद्धांजलि दी।

शूटिंग शुरू करने से पहले वरुण धवन ने कराई कोविड-19 जांच

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर बताया कि फिल्म के सेट पर लौटने से पहले उन्होंने एहितायतन कोविड-19 जांच कराई। धवन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक तस्वीर और वीडियो साझा किया जिसमें वह पीपीई पहने हुए स्वास्थ्यकर्मी के साथ दिखे हैं। अभिनेता ने अपने प्रशंसकों से अपील की है कि वे सामाजिक दूरी का पालन करें और जब भी बाहर जाएं तो मास्क जरूर पहनें। धवन ने पोस्ट में लिखा है कि वह सभी एहतियातों के साथ काम पर लौट रहे हैं। उन्होंने इसमें दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी भी लिखा है। अभिनेता की अगली फिल्म कूल नंबर। है। इसका निर्देशन उनके पिता व निर्देशक डेविड धवन ने किया है। यह फिल्म 1995 में रिलीज हुई कूली नंबर वन की रिमेक है।

अर्जुन रामपाल ने कराई कोविड-19 जांच

मुंबई। अभिनेता अर्जुन रामपाल ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने कोविड-19 जांच कराई है, जिसकी रिपोर्ट में उनके

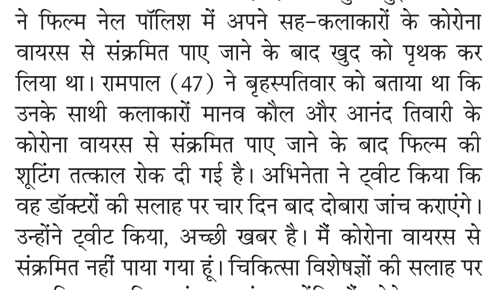

कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई। रामपाल ने फिल्म नेल पॉलिश में अपने सह-कलाकारों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद खुद को पृथक कर लिया था। रामपाल (47) ने बृहस्पतिवार को बताया था कि उनके साथी कलाकारों मानव कौल और आनंद तिवारी के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद फिल्म की शूटिंग तत्काल रोक दी गई है। अभिनेता ने ट्वीट किया कि वह डॉक्टरों की सलाह पर चार दिन बाद दोबारा जांच कराएंगे। उन्होंने ट्वीट किया, अच्छी खबर है। मैं कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाया गया हूं। चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर चार दिन बाद फिर जांच कराउंगा क्योंकि मैं कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के सीधे संपर्क में था।

इंडियाज़ बेस्ट डांसर में ताजा हुआ शक्ति कपूर और चंकी पांडे का फिल्मी सफर

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो इंडियाज़ बेस्ट डांसर इस समय छोटे पर्दे का सबसे पॉपुलर शो बना हुआ है। इस वीकेंड इस शो में कॉमेडी स्पेशल होगाए जिसमें कॉमेडी के जाने.माने सितारे शक्ति कपूर और चंकी पांडे का स्वागत किया जाएगा। दोनों अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। फिल्मों में एक से बढ़कर एक किरदार निभा चुके इन दोनों कलाकारों ने सेट पर जमकर मस्ती की। उन्होंने इन सभी कंटेस्टेंट्स की अद्भुत प्रतिभा और उनके एक्ट्स की दिलचस्प थीम की भी तारीफ की। खास तौर पर वे

कंटेस्टेंट रुतुजा जुन्नारकर और उनके कोरियोग्राफर वैभव के डांस एक्ट से काफी प्रभावित थेए जिन्होंने चंकी पांडे की फिल्म ष्पाप की दुनियाष् के गाने ष्मैं तेरे तोताष् पर परफॉर्म किया था। चंकी ने कहाए श्मामा मिया! यह मेरे लिए फ्लैशबैक की तरह था। शक्ति कपूर भी इस फिल्म का हिस्सा थे। जिस तरह आपने परफॉर्म कियाए वो बेहतरीन था। अब मुझे लगता है कि काश मैंने और नीलम ने उसी तरह परफॉर्म किया होताए जिस तरह आप दोनों ने किया। वैभवए मुझे आपका ष्आखरी पास्ताष् का नयापन भी बहुत अच्छा लगा।श् रुतुजा जुन्नारकर की शानदार परफॉर्मेंस के बाद चंकी पांडे ने बताया कि वो इंडस्ट्री में कैसे आए और अपने शुरुआती दिनों में उन्हें फिल्में कैसे मिली और इस दौरान शक्ति कपूर से उन्हें किस तरह सपोर्ट किया था। पर्दे पर कई किरदारों को लोकप्रिय बना चुके शक्ति कपूर ने बताया कि उन्होंने चंकी पांडे के साथ तकरीबन 40 फिल्मों में काम किया।

'नेटवर्क्स इंडियाज बेस्ट वर्क प्लेसेस फॉर वीमन 2020 की शीर्ष 50 की सूची में'

मुंबई। ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया को भारत में महिलाओं के लिए शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की 2020 की सूची इंडियाज बेस्ट वर्कप्लेसेस फॉर वीमन 2020 में शुमार किया है। इस तरह एसपीएन ने एम्प्लॉयर ऑफ चॉइसष् के रूप में अपने रुतबे को और मजबूत कर लिया है। यह समूह को मिली तीसरी सराहना है। इससे पहले उसे जून 2020 में ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट की इंडियाज बेस्ट कंपनीज टू वर्क फॉर 2020 और इंडियाज बेस्ट वर्कप्लेसेस इन मीडिया 2020 सूचियों में शामिल होने का गौरव मिल चुका है।एनपी सिंह प्रबंध निदेशक और सीईओ सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने कहा इंडियाज बेस्ट वर्कप्लेसेस फॉर वीमन 2020 में शुमार होना एक महत्वूपूर्ण उपलब्धि है जो विविधता की शक्ति में हमारे विश्वास को प्रतिबिंबित करती है।

कोहली के खराब प्रदर्शन के बाद गावस्कर ने टिप्पणी कर विवाद खड़ा किया

एजेंसी। दुबई

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग मैच के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा पर भद्दी टिप्पणी करके विवाद में फंस गए। इस टिप्पणी को अप्रिय बयान करार कर प्रतिक्रिया करते हुए अनुष्का ने पूर्व भारतीय कप्तान से इसका जवाब मांगा है। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ यहां गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर कप्तान कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मैच के दौरान दो कैच छोड़ने के बाद कोहली बल्लेबाजी में भी विफल रहे और महज पांच रन ही बना सके।

कमेंटरी बॉक्स में बैठे गावस्कर ने कोहली की अभिनेत्री पत्नी अनुष्का को लेकर टिप्पणी कर दी। यह टिप्पणी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर कप्तान के प्रशंसकों को अच्छी नहीं लगी और इनमें से कुछेक ने तो बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) से गावस्कर को कमेंटरी पैनल से हटाने का भी अनुरोध कर दिया।

अनुष्का ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक बयान डाला। उन्होंने लिखा, मिस्टर गावस्कर आपका संदेश भद्दा था, यह तो सच है लेकिन मैं चाहूंगी कि आप इसका जवाब दें कि आपने एक पत्नी पर ऐसी बेकार टिप्पणी करने का क्यों सोचा जिसमें उस पर अपने पति के खेल के लिए आरोप लगाया? उन्होंने लिखा, मुझे पूरा भरोसा है कि खेल की कमेंटरी करते समय आपने इतने वर्षों तक हर क्रिकेटर की निजी जिंदगी का सम्मान किया। आपको नहीं लगता कि आपको मेरे और हमारे लिए इतना ही सम्मान रखना चाहिए? उन्होंने लिखा, मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे पति के प्रदर्शन पर टिप्पणी करने के लिए आप अपने दिमाग में कई शब्द और वाक्य रख सकते हो या फिर आपके शब्द तभी उचित होते जब आप इसमें मेरे नाम का इस्तेमाल करते?

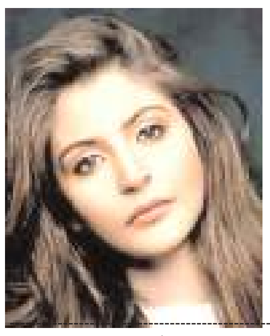

कब मुझे क्रिकेट में खींचा जाना बंद होगा : अनुष्का शर्मा

पिछले कुछ वर्षों में कुछ मौकों पर बालीवुड अभिनेत्री अनुष्का को 31 साल के कोहली के मैदान पर खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। उन्होंने कहा कि यह 2020 है और चीजें मेरे लिए अब तक नहीं बदली हैं। कब मुझे क्रिकेट में खींचा जाना और इस तरह के भद्दे बयान के लिए इस्तेमाल किया जाना बंद होगा? मिस्टर गावस्कर, आप एक महान खिलाड़ी हैं जिनका नाम इस भद्रजनों के खेल में सबसे ऊंचा है। सिर्फ आपको बताना चाहती थी कि जब मैंने आपको यह कहते हुए सुना तो मुझे क्या महसूस हुआ।

मैंने कभी अनुष्का पर दोष नहीं मढ़ा, न ही महिला विरोधी बयान दियाः सुनील

दुबई। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपने बयान का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्होंने आईपीएल के मैच के दौरान विराट कोहली की असफलता के लिए कभी उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा को दोषी नहीं ठहराया। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि उन्होंने महिला विरोधी टिप्पणी नहीं की और उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया गया।

किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ यहां गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मैच के दौरान दो कैच छोड़ने के बाद कोहली बल्लेबाजी में भी विफल रहे और महज एक रन ही बना सके। कमेंट्री बॉक्स में बैठे गावस्कर ने कोहली की अभिनेत्री पत्नी अनुष्का को लेकर टिप्पणी कर दी। गावस्कर ने कहा था, वह (कोहली) जानते हैं कि जितना अभ्यास करेंगे उतना बेहतर बनेंगे। जब लॉकडाउन था तो सिर्फ अनुष्का की गेंदबाजी पर उन्होंने अभ्यास किया, हमने वीडियो देखी है, उससे कुछ नहीं होना है। यह टिप्पणी आरसीबी के कप्तान और अनुष्का के साथ उनके प्रशंसकों को अच्छी नहीं लगी और इनमें से कुछेक ने तो बीसीसीआई से गावस्कर को कमेंट्री पैनल से हटाने का भी अनुरोध कर दिया।

हैदराबाद के खिलाफ केकेआर के मैच में कार्तिक की कप्तानी पर नजर

एजेंसी। अबुधाबी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान दिनेश कार्तिक की योजनाओं की आलोचना हुई जो शनिवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में टीम के जीत का खाता खोलना चाहेंगे। केकेआर की टीम ने पिछले सत्र की तुलना में कई बदलाव किए, लेकिन बुधवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ उनकी योजना को देखकर लगा कि कार्तिक ने पिछली गल्तियों से सबक नहीं लिया है।

मुंबई इंडियन्स के खिलाफ मैच 49 रन से गंवाने के बाद एक बार फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाज आंद्रे रसेल की बल्लेबाजी क्रम को लेकर सवाल उठे। पिछले सत्र में 249 गेंदों में लगभग 205 के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 510 रन बनाने वाला जमैका का यह बल्लेबाज छठे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरा, जब टीम की मुश्किलें काफी बढ़ गई थी। विश्वकप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन भी ज्यादा कुछ नहीं कर सकें, क्योंकि जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो टीम को 13 रन प्रतिओवर के हिसाब से रन जुटाने थे। गेंदबाजी में भी स्पिनर सुनील नरायण को देर से गेंदबाजी करने की कार्तिक के फैसले की आलोचना हो रही है। नारायण जब गेंदबाजी के लिए आए तब तक रोहित शर्मा ने लय हासिल कर ली थी। आक्रामक क्रिकेट के लिए जाने जाने वाले कोच ब्रेंडन मैकुलम का टीम से रक्षात्मक खेल देखना उम्मीदों के मुताबिक नहीं था।

सनराइजर्स हैदराबाद की स्थिति भी पहले मैच में अच्छी नहीं रही। रॉयल चैलेंजर बेंगलोर के खिलाफ टीम का मध्यक्रम बुरी तरह बिखर गया। आखिरी पांच ओवर में टीम को जीत के लिए 43 रन चाहिए थे, लेकिन वे सिर्फ 32 रन ही जुटा सकें और इस दौरान सात विकेट गंवा कर 10 रन से मैच हार गए। टीम के लिए एक और बुरी खबर यह रही कि हरफनमौला मिशेल मार्श चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पिछले मैच में रन आउट होने वाले कप्तान डेविड वार्नर इस बार बल्ले से खुद को साबित करना चाहेंगे तो वही यह देखना दिलचस्प होगा कि केन विलियमसन चोट से उबर कर वापसी करते है या नहीं। उनके आने से टीम का मध्यक्रम मजबूत होगा। सनराइजर्स की गेंदबाजी हमेशा प्रभावशाली रही है और ऐसा लगता है कि इस मुकाबले में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को मौका मिल सकता है, जो हमवतन राशिद खान के साथ स्पिन गेंदबाजी का भार संभालेंगे। भुवनेश्वर कुमार तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे।

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स : दिनेश कार्तिक (कप्तान), इयोन मोर्गन, नीतिश राणा, राहुल त्रिपाठी, रिंकू सिंह, शुभमन गिल, सिद्धेश लाड, अली खान, कमलेश नागरकोटी, कुलदीप यादव, लॉकी फर्ग्युसन, पैट कमिंस, प्रसिद्ध कृष्णा, संदीप वारियर, शिवम मावी, वरूण चक्रवर्ती, आंद्रे रसेल, क्रिस ग्रीन, एम सिद्धार्थ, सुनील नारायण, निखिल नाईक, टॉम बेंटोन।

सनराइजर्स हैदराबाद : डेविड वार्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टॉ, केन विलियमसन, मनीष पांडे, श्रीवत्स गोस्वामी, विराट सिंह, प्रियम गर्ग, रिधिमान साहा, अब्दुल समद, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, अभिषेक शर्मा, बी संदीप, संजय यादव, फेबियन एलेन, भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद, संदीप शर्मा, शाहबाज नदीम, सिद्धार्थ कौल, बिली स्टानलेक, टी नटराजन, बासिल थम्पी।

मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।

सॉव का अर्धशतक, चेन्नई को 176 रन का लक्ष्य

एजेंसी। दुबई

सलामी बल्लेबाज पृथ्वी सॉव के आकर्षक अर्धशतक की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में शुक्रवार को यहां तीन विकेट पर 175 रन बनाए। सॉव (43 गेंदों पर 64, नौ चौके एक छक्का) और शिखर धवन (27 गेंदों पर 35, तीन चौके, एक छक्का) ने पहले विकेट के लिए 94 रन जोड़कर पहले बल्लेबाजी का न्योता पाने वाले दिल्ली को अच्छी शुरुआत दिलाई। ऋषभ पंत (25 गेंदों पर नाबाद 37) और कप्तान श्रेयस अय्यर (22 गेंदों पर 26) ने भी तीसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी निभाई।

चेन्नई के गेंदबाजों की प्रशंसा करनी होगी, जिन्होंने बीच के ओवरों और डेथ ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। लेग स्पिनर पीयूष चावला उसके सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 33 रन देकर दो विकेट लिए। सैम कुरेन (27 रन देकर एक) दूसरे सफल गेंदबाज रहे। दिल्ली ने पावरप्ले के छह ओवरों में कोई विकेट नहीं गंवाया, लेकिन केवल 36 रन बनाए। चेन्नई ने सॉव के खिलाफ पहले ओवर में विकेट के पीछे कैच की अपील नहीं की, जबकि गेंद उनके बल्ले से निकलकर गई थी। सॉव ने इसका पूरा फायदा उठाया। पावरप्ले में दिल्ली की तरफ से चारों चौके उनके बल्ले से निकले थे जबकि धवन जूझते हुए नजर आए। सॉव ने आगे भी गेंद को सीमा रेखा तक पहुंचाना जारी रखा। जोश हेजलवुड पर एक शॉट के अलावा उनका हर शॉट किताबी था।

संक्षिप्त समाचार

त्वेसा मलिक ने 72 का कार्ड खेला, कट में प्रवेश किया

जिनेवा। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने लावाक्स महिला ओपन के दूसरे दौर में 72 का कार्ड खेलकर कट में जगह बनाई। वह पिछले हफ्ते लेडीज यूरोपीय टूर पर लैकोस्टे ओपन डि फ्रांस में संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रही थीं। त्वेसा 36 होल के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर चल रही हैं। उन्होंने पहले दौर में 74 का कार्ड खेला था। त्वेसा हालांकि पिया बाबनिक से काफी पीछे हैं जो 63 और 69 का कार्ड खेलकर एकल बढ़त बनाए हैं।

लाहिड़ी ने 69 का कार्ड खेला, संयुक्त 29वें स्थान पर

पुंटा काना (डॉमिनिकन गणराज्य)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने कोरालेस पुंटाकाना रिजार्ट एवं क्लब चैंपियनशिप के पहले दौर में वापसी करते हुए तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। दूसरे होल में ट्रपिल बोगी और तीसरे में बोगी करने वाले लाहिड़ी ने जल्द ही वापसी की और चौथे होल में ईगल किया। इस तरह उन्होंने कोरालेस पुंटाकाना में अच्छा पदार्पण किया और वह संयुक्त रूप से 29वें स्थान पर बने हुए हैं। एक अन्य भारतीय अर्जुन अटवाल ने एक ओवर 73 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 105वें स्थान पर हैं।

बोटास रूस ग्रां प्री के पहले अभ्यास में सबसे तेज रहे

सोच्चि। वालटेरी बोटास शुक्रवार को रूस ग्रां प्री के पहले अभ्यास सत्र में सबसे तेज समय निकालने में सफल रहे और मर्सीडीज के उनके साथी लुईस हैमिल्टन टायर के खराब होने के कारण पिछड़ गए। बोटास ने एक मिनट 34.923 सेकेंड का समय निकाला। उन्होंने रेनॉ के ड्राइवर डेनियल रिकियार्डो को आधे सेकेंड से पछाड़ा। रेड बुल के मैक्स वर्स्टापेन तीसरे स्थान पर रहे। हैमिल्टन टायर में समस्या के कारण 19वें स्थान पर रहे। फेरारी के सेबेस्टियन वेटल नौंवे और चार्ल्स लेकलर्क 11वें स्थान पर रहे।

फ्रेंच ओपन में दर्शकों की संख्या 1000 तक सीमित

पेरिस। फ्रेंच ओपन के लिए पहले से तय कम दर्शकों की संख्या में और कटौती कर दी गई है। पेरिस में कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे है जिसकी वजह से एक दिन में सिर्फ 1000 दर्शक तक सीमित कर दी गई है। इससे पहले फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कैस्टेक्स ने पांच हजार दर्शकों की अनुमति दी थी, लेकिन उनके कार्यलय ने शुक्रवार को इसे कम करने की घोषणा की। इसका असर हालांकि खिलाड़ियों, कोच और सहयोगी सदस्यों के अलावा स्टेडियम के कर्मचारियों पर नहीं पड़ेगा।

बायर्न म्यूनिख का सुपरकप चैंपियन बनाया

बुडापेस्ट। जावी मार्टिनेज के अतिरिक्त समय में किए गोल से बायर्न म्यूनिख ने गुरुवार को सेविला को 2-1 से हराकर सुपरकप का खिताब हासिल किया। नियमित समय में 1-1 की बराबरी रहने पर मैच अतिरिक्त समय में खिंच गया, जहां 104वें मिनट में मार्टिनेज ने गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया जो मैच खत्म होने तक बरकरार रहा। इससे पहले लुकास ओकैम्पोस ने मैच के 13वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर सेविला का खाता खोला। बायर्न म्यूनिख ने हांलाकि 34वें मिनट में लियोन गोरेतज्का के गोल से स्कोर बराबर कर दिया था। सुपरकप का मुकाबला चैंपियन्स लीग और यूरोपा लीग के विजेता के बीच खेला जाता है। इस मुकाबले के दौरान स्टेडियम में सीमित संख्या में दर्शक भी मौजूद थे।

शुभंकर संयुक्त 52वें और भुल्लर संयुक्त 98वें स्थान पर

बालीमेना (उत्तरी आयरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा यहां डीडीएफ आयरिश ओपन में बैक नाइन के सात होल में से चार में बोगी करने से दो ओवर 72 का कार्ड ही बना सके। शुभंकर ने दूसरे, चौथे और सातवें होल में बर्डी लगाई, जिससे वह एक अंडर पर थे। लेकिन बैक नाइन पर वह 10वें, 11वें, 13वें और 16वें होल में चार बोगी कर बैठे। अंतिम होल में बर्डी से 72 का कार्ड बनाने में सफल रहे। इससे वह संयुक्त रूप से 52वें स्थान पर चल रहे हैं और उनके पास कट में प्रवेश करने का अच्छा मौका है। अन्य भारतीयों में गगनजीत भुल्लर ने पांच ओवर का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 98वें स्थान पर चल रहे हैं।

सिंगतो हैदराबाद एफसी के सहायक कोच नियुक्त

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग टीम हैदराबाद एफसी ने शुक्रवार को अनुभवी थांगबोई सिंगतो को अपनी सीनियर टीम का सहायक कोच और अपनी युवा प्रतिभाओं के लिए तकनीकी निदेशक नियुक्त किया। मणिपुर के 46 साल के कोच ने क्लब के साथ लंबे समय का करार किया है और वह आगामी इंडियन सुपर लीग सत्र से पहले मानोलो मार्केज के स्टाफ के साथ जुड़ जाएंगे। हैदराबाद एफसी के सह मालिक वरूण ने कहा, मैं पहले भी थांगबोई के साथ काम कर चुका हूं और उनका अपार अनुभवी काफी अहम होगा।

गुरप्रीत-संजू को एआईएफएफ का प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और महिला टीम की मिडफील्डर संजू को शुक्रवार को 2019-20 सत्र के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया। गुरप्रीत का यह पहला पुरस्कार है इस तरह वह एआईएफएफ के प्लेयर ऑफ द ईयर बनने वाले दूसरे गोलकीपर हैं, उनसे पहले सुब्रत पॉल ने 2009 में यह पुरस्कार जीता था।

गुरप्रीत को इंडियन सुपर लीग और आई लीग क्लब कोचों के मतों के आधार पर विजेता चुना गया। गुरप्रीत ने कहा कि हमेशा यहां तक पहुंचने की इच्छा थी और मैं हमेशा इस पुरस्कार को हासिल करना चाहता था। छेत्री भाई (सुनील छेत्री) ने इतनी बार इसे जीता है और मैं हमेशा सोचता था कि मैं इसे जीतने के काबिल कब बन सकता हूं। 28 साल के गुरप्रीत को पिछले साल अर्जुन पुरस्कार से भी नवाजा गया था। वहीं राष्ट्रीय महिला टीम की मिडफील्डर संजू को शानदार सत्र के बाद विजेता चुना गया। रतनबाला देवी को 2019-20 एमर्जिंग वुमेन्स फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए चुना गया। दोनों ही विजेताओं का चयन मुख्य कोच मेमॉल रॉकी ने एआईएफएफ तकनीकी निदेशक इसाक दोरू से सलाह मश्विरे के बाद किया गया। संजू ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। यह पुरस्कार उस कड़ी मेहनत का नतीजा है जो हम पिछले कुछ वर्षों से कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को वेस्टइंडीज, पाक की मेजबानी के लिए मंजूरी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेविड व्हाइट ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड को आगामी गर्मियों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए सरकार से मंजूरी मिल गई है, जिसमें वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला शामिल है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) उसी तरह का बायो-बबल (जैव सुरक्षित माहौल) बनाने की कोशिश कर रहा है जैसा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को फिर से शुरू करने के लिए बनाया था। एनजेडसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को टैग करत हुए लिखा, एनजेडसी को इस साल गर्मियों में अंतरराष्ट्रीय टीमों की मेजबानी के लिए सरकार की मंजूरी मिली है।

आस्ट्रेलिया की अफगानिस्तान से टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला स्थगित

एजेंसी। मेलबर्न

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए कार्यक्रम निर्धारण की जटिलता का हवाला देते हुए शुक्रवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला स्थगित कर दी। आस्ट्रेलिया को इस साल नवंबर में पर्थ में अफगानिस्तान की मेजबानी करनी थी, जबकि न्यूजीलैंड टीम को जनवरी 2021 में आना था, लेकिन दोनों को ही अगले साल (2021-22) गर्मियों के सत्र तक स्थगित कर दिया गया है।

कोविड-19 महामारी के कारण टी-20 विश्वकप को भी स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिसकी मेजबानी आस्ट्रेलिया को इस साल करनी थी। सीए के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड और न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ ऐसे समय में मैच आयोजित करना चाहेगा जब कोविड-19 महामारी के चलते पांबदियां थोड़ी कम हो जाएंगी। इंडियन प्रीमियर लीग 10 नवंबर को खत्म होगी और कई आस्ट्रेलियाई व अफगानिस्तानी खिलाड़ी संयुक्त अरब अमीरात में चल रही इस लीग में खेल रहे हैं और उन्हें आस्ट्रेलिया में पहुंचने के बाद दो हफ्ते के अनिवार्य पृथकवास को पूरा करने में परेशानियों का सामना करना होगा। सीए के अनुसार, हमने इन गर्मियों में ही श्रृंखला कराने का पूरा प्रयत्न किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा और पृथकवास पांबदियों को देखते हुए सभी पक्ष श्रृंखला को बाद की तारीख में आयोजित करने की जरूरत पर राजी हो गए। हालांकि हॉकले ने पुष्टि की कि विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम के निर्धारित दौरे को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि सीए भारतीय पुरुष टीम का इन गर्मियों में पूर्ण दौरे पर स्वागत के लिए तैयार है जो सभी तीनों प्रारूप में दिलचस्प मुकाबला होगा।

कोहली ने राहुल का कैच दो बार छोड़ने की गलती मानी

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में किंग्स इलेवन पंजाब से मिली 97 रन हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराया। बिना किसी हिचक के कोहली ने किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल का दो बार कैच छोड़ने की गलती मानी, जिससे उनकी टीम को गुरुवार को हार का सामना करना पड़ा।

कोहली ने माना कि उनकी यह गलती टीम पर भारी पड़ी क्योंकि इससे उन्हें 35-40 रन का नुकसान हुआ जिससे विपक्षी टीम 200 रन का स्कोर पार करने में सफल रही। कोहली ने कहा कि बीच के ओवरों में हमने अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने अच्छी शुरुआत की थी और हमने अच्छी वापसी की। मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। मेरे लिए गुरुवार का दिन अच्छा नहीं रहा। केएल (राहुल) को दो जीवनदान देने से हमें 35-40 रन का नुकसान हुआ। अगर हम उन्हें 180 रन पर रोक लेते तो हम पर पहली गेंद से ही दबाव नहीं होता। उन्होंने कहा कि क्रिकेट मैदान पर कभी ऐसा हो जाता है और हमें इसे स्वीकार करना होगा। हमने एक अच्छा मैच खेला और एक बुरा। अब हमें गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ना होगा। युवा जोश फिलिप को खुद से पहले भेजने के बारे में कोहली ने कहा कि उसने वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी की है और बीबीएल (बिग बैश लीग) में भी ऐसा किया है, तो हमने सोचा कि हमें उसकी इसकी काबिलियत का फायदा उठाना चाहिए।

कोहली पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली पर यहां किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गुरुवार को हुए इस मुकाबले में बेंगलोर की टीम को 97 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की विज्ञप्ति के अनुसार, आईपीएल के न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन से संबंधित आचार संहिता के अंतर्गत उनकी टीम का यह सत्र का पहला उल्लघंन था, कोहली पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया। कोहली के लिए दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया यह मैच भुलाने लायक था क्योंकि उन्होंने किंग्स इलेवन पंजाब के शतकवीर कप्तान लोकेश राहुल (69 गेंद में 132 रन) के दो कैच भी छोड़े थे।

बल्लेबाजी को लेकर आश्वस्त नहीं था : राहुल

एजेंसी। अबुधाबी

किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच से पहले वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थे। राहुल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड बनाया। उन्होंने नाबाद 132 रन बनाए, जिससे किंग्स इलेवन ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर तीन विकेट पर 206 रन बनाए और फिर आरसीबी की टीम 17 ओवर में 109 रन पर आउट करके 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की। राहुल ने हालांकि जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया।

अपनी शानदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच बने राहुल ने कहा कि यह टीम के लिहाज से संपूर्ण प्रदर्शन था इसलिए खुश हूं। असल में मैं अपनी बल्लेबाजी को लेकर आश्वस्त नहीं था। मेरी मैक्सी (ग्लेन मैक्सवेल) से बात हुई थी और मैंने कहा था कि मुझे अपनी बल्लेबाजी पर पूरा नियंत्रण नहीं लग रहा है। उसने कहा कि तुम मजाक कर रहे हो। तुम बहुत अच्छी तरह से हिट कर रहे हो। उन्होंने कहा कि शुरू में मैं थोड़ा नर्वस था, लेकिन मैं जानता था कि कुछ गेंदें खेलने के बाद मैं लय हासिल कर लूंगा। कप्तान होने के बावजूद मैं पुराना रूटीन ही अपनाता हूं। टॉस तक मैं खुद को खिलाड़ी ही समझना चाहता हूं कप्तान नहीं। मैं खिलाड़ी और कप्तान के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता हूं। राहुल ने अपने गेंदबाजों विशेषकर युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैंने उसे अंडर-19 विश्वकप में देखा है। वह हार नहीं मानता और जब भी उसे गेंद दो तैयार रहता है। वह आरोन फिंच और एबी (डिविलियर्स) को गेंदबाजी करने को लेकर थोड़ा नर्वस था लेकिन उसने जज्बा दिखाया।

अगर तकनीक बुजुर्ग आबादी में हिस्सा बन जाती है, तो इससे उनके जीवन की गुणवत्ता में जबरदस्त सुधार हो सकता है। इसलिए, अगर यह शुरुआत में उन्हें मजबूरी भी लगे तो भी सीखने के स्तर पर, कि इसका इस्तेमाल कैसे करना है, पूर्णतया उपयोगी है। हरीश खत्री की रिपोर्ट

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं और समाधान

विकासशील देशों में बीते 150 सालों में जीवन दर में निरंतर उन्नति हुई है, मुख्यतया बेहतर जीवन स्थितियों, बेहतर स्वास्थ्य मानकों व उन्नत चिकित्सा देखभाल के कारण। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, वैश्विक औसत जीवन दर में 2000 और 2016 के बीच 5.5 सालों की वृद्धि हुई है, जो 1960 दशक के बाद सर्वाधिक वृद्धि है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य रूपरेखा 2019 के अनुसार, भारत में जीवन दर में 1970-75 के बीच 49.7 साल से 2012-16 में 68.7 की वृद्धि हुई है। हम आज जिस उच्च जीवन दर का देखते हैं उसने हमारे समाज में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि का मुकाम दिखाया है। और वे एक मजबूत व स्वतंत्र हिस्सा और अपने आपमें एक समुदाय बन गए हैं। समानांतर स्तर पर, दुनिया ने तकनीक में जबरदस्त प्रगति देखी है जो अब अनेक रोजमर्रा गतिविधियों को मदद एवं सुव्यवस्थित करती है। विश्व तालाबंदियों व एकांतवास समयों के दौरान अपनी राह निकालना लगभग असंभव हुआ होता यदि इंटरनेट, तकनीक आधारित मंचों व एप्स की मौजूदगी नहीं होती, जिन्होंने होम डिलीवरी की सुविधाएं हमें दीं।

कोविड से पहले की दुनिया में भी, हमने लोगों को तकनीक द्वारा लाई गई, जबरदस्त तब्दीलियों के कारण, अपनी जीवनशैलियां, और यहां तक कि खरीद की आदतें तक बदलते देखा है। अनेक लोगों ने एक फोन कॉल पर वाहन सुविधा प्रदान करने वाले एप्स के कारण कारें न खरीदना पसंद किया। हमारे स्वास्थ्य से लेकर हमारे घर और कार्यालय तक हर चीज तकनीक से सुसज्जित हो गई है। हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए तकनीक वरदान बनकर आई है, जो घर में रहने में उनकी मदद कर रही है और अनेक कार्य संभालने में उन्हें सक्षम बना रही है। लेकिन क्या इस वर्ग के लिए तकनीक को अपनाना सहज हुआ है? हम सभी अनेक बुजुर्गों को जानते हैं, जो संदेश तक नहीं भेज सकते मोबाइल एप्स का उपयोग करने की बात छोड़ दें। असलियत में, अनेक बुजुर्ग लोग कहते हैं कि उन्हें अभी भी उपकरणों तथा तकनीक आधारित मंचों का इस्तेमाल करने संबंधी आत्मविश्वास महसूस नहीं होता है। जैसा कि हाल में प्रकाशित हुआ था, अध्ययन के प्रमुख लेखक के अनुसार, युनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया सेन डियागो (यूसीएसडी) में डिजाइन लैब के शेंग्जी वांग, शोधकर्ता ने पाया कि कई बार नई तकनीक से संबंधित अवसाद ने बुजुर्गों को इसके उपयोग की उनकी योग्यता को संदिग्ध बना दिया, उन्हें आजमाने तक के प्रति निष्क्रीय बना दिया। इसलिए, ये कौन सी बाधाएं हैं जो अवसाद का कारण बन रही हैं?

- **निरंतर अद्यतन और बदलाव की बाधा :** सबसे बड़ी बाधाओं में से एक, जिसने बुजुर्गों को परेशान किया है, वो थी मोबाइल फोनों से बटनों का हटाया जाना। उन्होंने 'बटन वाले मोबाइलों' को अच्छी तरह अपना लिया था, लेकिन तकनीकी उन्नतियों तथा नए 'टच मोबाइलों' के आने से, वे असहज महसूस करने लगे। स्मार्टफोन बिलकुल नयी चुनौती बन गया जिस पर पार पाने में अनेक लोग अभी भी जूझते हैं।
- **अनेक पासवर्ड को याद रखने की समस्या :** यद्यपि यह समस्या सभी आयु समूहों की आम समस्या है, लेकिन प्रत्येक अलग एप और खाते के लिए पासवर्ड रखने का बोझ वरिष्ठ नागरिकों को सर्वाधिक प्रभावित करता है। आजकल, लागइन प्रक्रिया के बिना किसी भी ऑनलाइन या एप आधारित सेवा को प्राप्त करना असंभव है। हालांकि गूगल सिंगल लागइन अकाऊंट के जरिए अनेक ऑनलाइन पोर्टल तक पहुंचने की अनुमति देता है, लेकिन अभी भी ऐसी अनेक समस्याएं हैं जिनमें अलग खाता बनाने की जरूरत होगी। अनेक मामलों में अधिकांश मोबाइल एप्स की तकनीक जटिल और बोझिल है, जबकि इसे समावेशी व मार्गदर्शन करने वाली बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्ग आम तौर पर अपने सभी ऑनलाइन खातों के लिए एक पासवर्ड रखना पसंद करते हैं ताकि वे उसे हमेशा याद रख सकें। हालांकि, अब यह प्रस्तावित गतिविधि नहीं रह गई क्योंकि यह साइबर अपराधों व हैकरों को आकर्षित करती है। इसे स्वयं मोबाइल एप्स को लागइन के लिए अधिक सरल तरीके अपनाने के लिए उत्साहित करना चाहिए।
- **गलती करने के भय की समस्या :** मोबाइल एप को चलाने के प्रति भय इंगित करता है कि आप बूढ़े हो रहे हैं! भयभीत होने का मुख्य कारण है गलतियां करना। पूर्व में भी, इसी भय के कारण पहले की पीढ़ी वीसीआर रिमोट चलाने से पहले काफी सोच विचार किया करती थी। हालांकि टच और वायस कमांड्स बुजुर्गों के लिए अद्भुत काम कर सकते हैं, मगर हमें उनमें इन तकनीकी उपकरणों के साथ प्रयोग करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास निर्मित करना होगा! मसलन जब हम स्मार्ट टेलीविजन खरीदते हैं, तो कंपनी का कोई व्यक्ति आता है और हमें उसे चलाने का डेमो देता है, तो तकनीक कंपनियों को उसी स्तर पर जाना चाहिए और अपने मोबाइल एप्स की सेवाओं के बारे में घर घर डेमो देना चाहिए। जैसे ही धन हानि का खतरा दूर हो जाता है, तो शेष सारी चिंताएं उन्हें प्रयोग करने का आत्मविश्वास देकर दूर की जा सकती हैं। गलतियां करना तभी तक ठीक होत है जब गलतियों करने का कोई खाामियाजा भुगतना नहीं पड़ता है।
- **बहुत सारे विकल्पों की समस्या :** हम एक ऐसे दौर में रहते हैं जहां हमारे पास अनगिनत किस्म के उत्पाद हैं। हालांकि यह हमारे लिए लाभदायक है मगर इसने खरीद प्रक्रिया को और भी ज्यादा भ्रामक बना दिया है, खासतौर पर बुजुर्गों के लिए। वे चुन नहीं पाते कि उत्पाद विकल्पों के भंडार में कौन सा उत्पाद उनके लिए उत्तम है। एक ईमानदार व सरल ग्रेडिंग प्रणाली होनी चाहिए, जो यह समझने में बुजुर्गों की सहायता करती हो कि क्या उपलब्ध है और गुणवत्ता व सेवा में यह किस दर्जा का है।
- **विजुअल कमजोरियों की समस्या :** विजुअल क्रियाएं लोगों की उम्र के अनुसार घटती हैं। विजुअल क्रियात्मकता में बदलाव या 55 वर्ष या उससे अधिक की आयु में चीजों को विस्तार से देखने की योग्यता सुस्त पड़ती है। रंग दृष्टि और विपरीत संवेदनशीलता में आयु संबंधी बदलाव बुजुर्ग लोगों के लिए अधिक समस्या पैदा करते हैं खासतौर पर स्मार्टफोन व अन्य उपकरणों में छोटे फोंट तथा विभिन्न आइकनों को पढ़ते समय।

तकनीक से बुजुर्गों की मदद करना आसान होता है

आईटी उद्योग को, प्रौद्योगिकी को अधिक समावेशी बनाने के लिए नई प्रथाओं को फिर से परिभाषित करने और विकसित करने की आवश्यकता है। उम्र बढ़ने की आबादी के लिए शुरू करने के लिए, परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल और काम जैसी महत्वपूर्ण रोजमर्रा की गतिविधियों के प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए इस डिजाइन पर बहुत ध्यान देना होगा।

आईटी इंडस्ट्री को तकनीक को अधिक समावेशी बनाने के लिए नए अभ्यासों को प्रोत्साहित करना व पुनर्परिभाषित करना चाहिए। शुरुआत में, बुजुर्ग आबादी के लिए ज्यादा ध्यान डिजाइन पर केंद्रित होना चाहिए ताकि आवागमन, स्वास्थ्य देखभाल व काम जैसी महत्वपूर्ण रोजमर्रा गतिविधियों को करने में मदद मिले। हमें 'बटन मोबाइलों' से प्रेरणा लेने और 'टच बटन तकनीक' गढ़ने की जरूरत है, जो सरल और उपयोग में आसान हो। उदाहरण के लिए, हाल में शुरू किया गया एप, इंडिया असिस्ट, जिसने तकनीक का उपयोग करते वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाया गया है इसमें फोन एप के जरिए बुजुर्गों को चौबीसों घंटे सहायता मिल सके। बुजुर्गों के अनुकूल डिजाइन उपयोग करने के प्रोटोटाइप को इस एप में देखा जा सकता है। बड़े बटन, जिसमें स्पष्ट उल्लेख होता है कि वे किस प्रकार के उपयोग के लिए हैं, उचित विजुअल्स के साथ, अनेक समस्याएं दूर करता है जिनके बारे में हम ऊपर चर्चा कर चुके हैं।

हमें उनके जीवन में सृजित होने वाली वैल्यू तकनीक पर भी जोर देने की जरूरत है, मसलन एक स्वतंत्र व गरिमामय जीवन जीने में उनकी सहायता करना। हमें आसान व संशयमुक्त भाषा का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। इंटरनेट ने हमारे शब्दकोष में नए शब्दों का सृजन किया है जो उस व्यक्ति के लिए महत्व नहीं रखते हैं जो बिरले ही कंप्यूटर का इस्तेमाल करता है। उसके अलावा यह कि हमें तकनीक के सामाजिक उपयोग का लाभ समझने और उठाने में बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए, मसलन वीडियो कॉल्स के जरिए अपने परिवार व मित्रों से जुड़ना, सोशल मीडिया मंचों पर अपना खुद का समुदाय व मंच बनाना, जुड़े रहने और जानकारी का आदान प्रदान करने के लिए व्हाट्सएप समूहों का इस्तेमाल करना। तकनीक को उन्हें यह आत्मविश्वास देना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं। जब भी उन्हें सहयोग की आवश्यकता होगी, बटन के स्पर्श की दूरी पर सहायता उन्हें प्रदान कर दी जाएगी। न केवल यह, तकनीक को उन्हें अपना चिकित्सा रिकार्ड प्रबंधित करने में सहायता करनी चाहिए। अनेक वरिष्ठ नागरिकों को अपने चिकित्सा प्रक्रिया पर निगरानी बनाए रखना चुनौतीपूर्ण लगता है। इससे उनमें अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर नजर रखने की समझ विकसित होनी चाहिए।

वरिष्ठजनों के लिए तकनीक के फायदे

अगर तकनीक बुजुर्ग आबादी को सम्मिलित कर लेती है, तो यह जीवन की उनकी गुणवत्ता को जबरदस्त ढंग से बेहतर बनाती है। इसलिए, अगर यह पहले आपके जीवन में इसे प्रस्तुति पर बाध्यता महसूस करें, तो बाद में, इसे सीखने का प्रयास पूर्णतया उपयोगी है कि इसे कैसे इस्तेमाल करें।

- **वित्तीय प्रबंधन :** बैंकिंग और निवेश हर एक के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बैंक जाने की परेशानी, लाइनों में खड़े होना और भीड़ वाली जगहों में अपना काम कराना अच्छे खासे लोगों के लिए बहुत परेशान करने वाला है। वरिष्ठ जनों के लिए, यह असलियत में एक भारी बोझ में रूपांतरित हो सकती है। तकनीक और नेटबैंकिंग का उपयोग करने इससे पूरी तरह सरल होता है और यह उन्हें अपने घरों में रहकर अपने वित्तीय प्रबंधन में सक्षम बनाती है। अधिकांश बैंक आज फोन एप्स प्रस्तावित करते हैं। और इसे बुजुर्गों के लिए अपनी बैंक स्थिति जानना, पैसा किसी को भेजना या धन हासिल करना बहुत सुविधाजनक ढंग से संभव होता है।
- **सामाजिक अंतर्क्रिया:** वीडियो काल्स अपने प्रियजनों से संपर्क करने का बहुत अच्छा तरीका हैं। इसी तरह ई-मेल्स, व्हाट्सएप ग्रुप्स और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंच हैं। एकल परिवारों के बढ़ते जाने से, अनेक लोग अकेले रह रहे हैं और जैसे ही वे कामकाजी जीवन से रिटायर होते हैं और उनका सामाजिक जीवन स्वास्थ्य समस्याओं, या आजीविका समस्याओं की लागत के कारण घट जाता है, तो वे खुद को अकेला व अलग थलग पाते हैं। दूसरों के साथ संवाद की उपलब्धता ऐसी है जो टेबलेट्स और स्मार्टफोन के जरिए आसानी से उपलब्ध है। यह अवसाद या अकेलेपन की भावनाओं से लड़ने में बुजुर्गों की सहायता करती है, जो कि एकांत जीवन की आम समस्याएं हैं।
- **मनोरंजन:** यह एक बड़ा लाभ है। जैसे ही बुजुर्ग एप्स की सदस्यता लेना और उसे संचालित करना सीख लेते हैं तो उनके पास चौबीसों घंटे प्रसारित होने वाले अपने पसंदीदा शोज, फिल्में व संगीत होते हैं। बूढ़े होने पर, सिनेमा हालों तक पहुंचना कठिन हो जाने से, उनके पास अपने पसंदीदा फिल्मों से वंचित होने का कोई कारण नहीं होता। असलियत में, ज्ञान और जानकारी की एक समूची दुनिया भी डाक्यूमेंट्रीज और गैरउपन्यासिक शोज के साथ खुल जाती है। जैसे जैसे आप बूढ़े होते जाते हैं आपके लिए पढ़ना कठिन हो जाता है और डाउनलोड किए गए विजुअल मीडिया और ऑडियो बुक्स आसानी से उनकी जगह ले सकते हैं।
- **सहयोग व सहायता:** यह तकनीक का एक व्यापक एवं बेहद प्रासंगिक लाभ है। जब माता पिता और हमारे बुजुर्ग अकेले रहते हैं, तो बच्चों को हमेशा उनके सहायक ढांचे की चिंता होती है। अब, दवाइयां खरीदना और डाक्टर से सलाह लेना ऑनलाइन किया जा सकता है। व्यक्ति को दैनिक आवश्यकताओं के लिए बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं होती। सब्जियां, व अन्य सुविधाएं घर पर पहुचाई जा सकती हैं। सफाई सेवाएं, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, पेरा मेडिकल सहायक सभी बटल के एक क्लिक पर उपलब्ध हैं। इसी तरह कैब और यात्रा संबंधी सहयोग हैं। गौरतलब ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सेवाएं प्रमाणित होती हैं और सेवाप्रदाता भरोसेमंद और सुरक्षित हैं। जैसे ही बुजुर्ग लोग तकनीक के प्रति अपना विरोध पर काबू पाना और इसका उपयोग करना सीख जाते हैं, उन्हें तकनीक के जरिए मिलने वाली सामाजिक संतुष्टि और जिंदगी की आसानी से प्यार हो जाएगा।

बुढ़ापे को सहयोग देने की जिम्मेदारी सामूहिक होती है। मोबाइल कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सस्ती कीमतों पर बड़ी स्क्रीन वाले मोबाइल फोन प्रदान करें। इंटरनेट कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे वरिष्ठ नागरिकों को लक्षित करके विशेष अभियान चलाएं और उचित लागत पर वाईफाई सुविधा उपलब्ध कराके उन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयास करें। मोबाइल एप्स बनाने वाली कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे उपयोग में आसान तकनीक का सृजन करें और ग्राहकों के दरवाजे पर अपने उत्पाद का डेमो प्रदर्शित करें। सरकारों को कंपनियों को प्रोत्साहन देना चाहिए जो अपनी तकनीक को बुजुर्गों के लिए समावेशी बनाती हैं। जब सभी जवाबदेह अपनी अपनी भूमिकाएं बेहतर निभाने लगेंगे तो, हम देखेंगे कि बुजुर्गवार सहज हो रहे हैं और असलियत में अपने जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए तकनीक पर निर्भर हो रहे हैं ।

भारत में परिवारों के एकल इकाइयों में बदलने की बढ़ती रफ्तार, तथा पेशेवर लक्ष्यों की पूर्ति की खातिर बच्चों के अपने माता पिता से दूर रहने के कारण यह न केवल एक आवश्यकता है बल्कि एक अनिवार्यता है कि हम अपने बुजुर्गों के तकनीक अनुकूल बनाएं जो उसके लिए सुरक्षा जाल बनेगी। और, यह सिर्फ सामाजिक भलाई करना मात्र नहीं है! यह देखते हुए कि बुजुर्ग आबादी दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा बनती है, बुजुर्ग आबादी के लिए बौद्धिक रूप से सक्षम और विशिष्टता प्राप्त तकनीक संचालित उत्पाद नए व्यवसायों, यहां तक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बुरी चीज नहीं होंगे!

- लेखक इंडिया असिस्ट नामक स्टार्टअप के संस्थापक हैं जिसने वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए मोबाइल एप बनाया है।

जीवन चक्र

भारत भूषण पद्मदेव

सफलता के लिए खुद को जानें

जीवन विरोधाभासी है। यह अंतर्विरोधों से भरा है। मौजूदा जगत अपनी समस्त विकरालता व विविधता के साथ, जहां हर कोई अनोखा जन्मा है, हर कोई अपनी अलग अलग इच्छा व मानसिक प्रवृत्तियों को प्रदर्शित करते हुए, हितों के टकराव को स्वाभाविक खुराक देने वाली जमीन बनता है। ऐसी परस्पर उलझी दुनिया में, जहां जीवन में स्थायी उत्तम स्थिति रहने की कोई संभावना नहीं होती है। हम हमेशा जीवन में अप्रत्याशित उतार-चढ़ावों से होकर गुजरने की संभावनाओं में चलते हैं। फिर भी, हमसे जीवन में आसानी व सुविधा के साथ सफलता के तरीके व संसाधन निकालने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन एक जटिल दुनिया में, क्या यह संभव है और अगर है तो कैसे ?

वैसे तर्क का उपयोग करने से, यह काफी हद तक संभव है और यह हम सभी के सामने चुनौती है। यह तारीफ की जानी चाहिए कि सृष्टि में अन्य प्रजातियों के विपरीत, जो कि अपने तयशुदा स्वभाव से बंधी होती हैं, इंसान अपनी पसंद के अनुसार अपने कार्यों को निर्देशित करने की विशिष्ट सुविधा से संपन्न है। लेकिन जहां भी चुनाव का विकल्प होता है, वहां इसके उपयोग व दुरूपयोग और फिर उसके खामियाजों की संभावना बराबर होती है। इस कमजोरी पर काबू पाने के लिए, इंसान एक और विशिष्ट नेमत 'बुद्धि' से भी लैस होता है- यानी विशिष्ट बौद्धिक क्षमता। जो आपको सशक्त बनाती है कि आप तटस्थतापूर्वक चीजों का परिप्रेक्ष्य में आंकलन कर पाएं और सबसे उपयुक्त रास्ता चुन सकें। यह आपको 'आप क्या चाहते हैं' और 'क्या सही है' के बीच तुलना का अवसर देती है और उसके अनुसार सही चुनाव करने में सहायता करती है। यह संभावित चुनौतियों को उचित आवश्यक परिप्रेक्ष्य में पूर्वानुमान करने तथा बुद्धिमानी के साथ उनका मुकाबला करने में भी आपकी सहायता करती है।

हालांकि बुद्धि स्वेच्छा से भूमिका नहीं निभाती है। इसे प्रत्येक अवसर सजगतापूर्वक जागृत करना पड़ता है, जो लक्ष्य के प्रति अनिवार्य सतर्कता की मांग करता है। हालांकि सत्य यह है कि हम बिरले ही इस सशक्तीकरण उपकरण को हर समय सक्रिय अवस्था में बनाए रखने के प्रति सजग नहीं रहते हैं। आमतौर पर हम अपनी अनुवांशिक इच्छा व मानसिक प्रवृत्तियों से संचालित जीवन की गति में बहते रहते हैं। हमारा अहंकार भी इस प्रक्रिया में अपनी शैतानी भूमिका निभाता है, क्योंकि यह खुद को उन प्रवृत्तियों से पहचानता है और उन्हें ऐसे स्वीकारता है मानो वही जीवन की अंतिम सच्चाई हों। यह अपने समझदारी के लिए बुद्धि को जगाने का अवसर नहीं देता कि उक्त इच्छा उचित है या नहीं है, हम उन्हें उनकी तार्किक परिणति तक पहुंचाने के योग्य हैं या नहीं, परिवेशगत स्थितियां अनुकूल हैं या नहीं नतीजा यह कि फिर खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। जब हम विफल होते हैं, तो हम या तो बाहरी कारकों पर दोष मढ़ते हैं या भाग्य की शरण ले लेते हैं, बजाय इसके कि अपनी खुद की

गलतियों का पता लगाने के लिए आत्ममंथन करें। एक दिन एक सज्जन ने आकर पूछा: 'महोदय, मैं अच्छे विचारों को चुनता हूं। उनका पालन करता हूं, उससे मुझे बहुत लाभ होता है। और फिर अपना अगला कदम उठाता हूं, जो प्रत्यक्षतया उचित नजर आता है, मैं सब कुछ खो देता हूं। नतीजा कुल मिलाकर शून्य होता है। आखिर मेरे भाग्य में क्या लिखा है जो मुझे अपनी राह पर आगे नहीं बढ़ने देता? कृपया मन की इस कमजोरी पर काबू पाने के लिए कोई पूजा बताएं।'

पूजा की ओर देखने के बजाय, आपको पहले समझने की जरूरत है कि इंसान का भाग्य कैसे बना होता है। ध्यान रखें, हमारा जीवन कार्य कारण श्रृंखला से संचालित है। अतीत में जो हमने चुनाव किया होता है, भविष्य में उसका असर दिखाई देता है। पूर्व में हमने जो किया होता है उसकी छवियां बीज संभावना के रूप में हमारे मन में दर्ज होती है, जो अनुकूल वातावरण मिलने पर भविष्य में सक्रिय हो जाएंगी। उसी के अनुसार, सर्वोत्तम पूजा यह होगी कि आप पहले खुद को जानें अपनी अंतर्निहित बीज संभावना का पता लगाएं। फिर आप, बुद्धि के उचित मार्गदर्शन द्वारा चयन विकल्प का पुनः उपयोग करते हुए, ताजा जानकारियों के जरिए अपनी चिंतन प्रक्रिया में आवश्यक सुधार लाएं। तभी आप अपनी खुद की कमजोरियों से ऊपर उठ पाएंगे। पंडितों द्वारा की गई कोई भी पूजा आवश्यक सुधार के लिए आपके मानसिक दायरे में प्रवेश नहीं कर सकती। अब अपनी अनुवांशिक इच्छा व मानसिक प्रवृत्तियों की ओर देखें। यूरेनस लग्न में है, जो अपने स्वामी सूर्य के त्रिगुट में है, जो आपकी उच्च मेधा का संकेत करता है। पांचवें घर में सूर्य पूर्वानुमान प्रवृत्तियों से चिन्हित है, जो जोखिम लेने का भाव लाता है। लेकिन अंततोगत्वा, चंद्रमा आपके विचारों को कार्य में बदलता है। चंद्रमा मिथुन राशि में काबिज है, ढुलमुलपन से चिन्हित राशि, जो पांचवें घर में मंगल के नक्षत्र में अवस्थित है, जो आपकी जुआ खेलने वाली प्रवृत्तियों को मजबूती देता है। जैसा कि किसी भी जोखिमपूर्ण काम में होता है, सफलता और विफलता की संभावना बराबर होती है। इस कमजोरी पर तार्किक समझ के जरिए काबू पाया जा सकता है, इससे आपको सोच समझ कर कदम उठाने का अवसर मिलेगा और ब्लाइंड खेल खेलने से बचाएगा जो कि आप अक्सर करते हैं।

हालांकि समस्या यह है कि बुद्धि संकेतक बुध का अपने घोर शत्रु मंगल के साथ शीशविहीन केतु के साथ गठजोड़ है, जो आपको बेचैन बनाता है, आपको उचित समझदारी अपनाने का अवसर नहीं देता। नतीजा यह होता है कि आप तेजी से सहजबोध के आधार पर अपना काम करने की ओर उन्मत्त होते हैं और कष्ट का सामना करते हैं। आज नतीजा इसी का आपके सामने है।